शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अमित शाह की अंबेडकर पर टिप्पणी आरएसएस की पुरानी विचारधारा का ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-349

बांग्लादेश की डरावनी आर्थिक स्थिति से बौखलाए

मोहम्मद यूनुस भड़का रहे हिंदू विरोधी आग

बांग्लादेश की डरावनी आर्थिक स्थिति से अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस बौखला गए हैं। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का कहना है कि आर्थिक खाई में तेजी से गिरते बांग्लादेश को उबारने में अक्षम साबित हो रहे मोहम्मद यूनुस अपने देश में हिंदू विरोधी और भारत विरोधी आग भड़का कर ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। यूनुस ने पाकिस्तानी ताकतों के दबाव में आकर आतंकी संगठनों और ड्रग्स कारोबारियों के लिए बांग्लादेश के दरवाजे खोल दिए हैं। बांग्लादेश के सिस्टम में पाकिस्तानी दीमक की तरह घुसते और बांग्लादेश को खोखला करते जा रहे हैं।

बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था तेजी से नीचे गिर रही है। 5 अगस्त शुरू हुए घटनाक्रम के बाद दस लाख से अधिक लोग बेरोजगार हो गए हैं। वित्तीय क्षेत्र में तीव्र नकदी संकट के कारण कई वाणिज्यिक और औद्योगिक प्रतिष्ठान बंद हो रहे हैं। इस संकट के कारण उद्यमियों को आवश्यक

शुभ-लाभ चिंता

आतंकी संगठनों और ड्रग्स कारोबारियों के लिए खोल दिए दरवाजे

बांग्लादेश के सिस्टम में दीमक की तरह घुसते जा रहे पाकिस्तानी

कच्चे माल और अन्य वस्तुओं के आयात के लिए ऋण पत्र (एलसी) नहीं मिल पा रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के देशों में स्थित बड़े प्रतिष्ठानों के लिए स्थानीय कारखानों से रेडीमेड कपड़ों की खरीद की ब्रोकरी करने वाले संस्थानों ने ढाका और देश के अन्य हिस्सों में अपने कार्यालय बंद कर दिए हैं।

आर्थिक विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश एक खतरनाक आर्थिक पतन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसकी 180 मिलियन आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भयंकर अकाल का सामना कर सकता है। देश के रेडीमेड गारमेंट सेक्टर में काम करने वाले 6.5 मिलियन श्रमिकों में से अधिकांश की नौकरी जाने वाली है। अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट जैसे चरमपंथी समूहों और हिज्ब उत तहरीर और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे खिलाफत-समर्थक तत्वों के बढ़ते प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय खरीदार पहले से ही अपने ऑर्डर कैंसिल करने लगे हैं। बांग्लादेश में जेहादियों का प्रजनन स्थल माने जाने वाले हजारों मदरसे आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। ये संस्थान यहूदी और हिंदू विरोधी जेहादवाद फैलाने में बड़ी सक्रियता से लगे हैं। इसमें हिफाजत-ए-इस्लाम मदरसा बड़ी घातक भूमिका अदा कर रहा है।

इन बेहद परेशान करने वाले परिदृश्यों को देखते हुए, भू-राजनीतिक विश्लेषकों का सुझाव है कि बांग्लादेश अब एक और लीबिया, इराक या पाकिस्तान बनने की कगार पर पहुंच चुका है। धार्मिक उग्रवाद और राज्य प्रायोजित हिंसा के बढ़ने से देश आतंकवादी ▶10 पर

अमित शाह ने कांग्रेस का काला इतिहास उजागर किया तो बौखला उठे कांग्रेसी

कांग्रेस द्वारा बाबा साहेब के अपमान की लंबी सूची है : मोदी

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस को ऐसा आईना दिखाया कि कांग्रेसी उनके भाषण का एक छोटा सा क्लिप काटकर सरकार और भाजपा को बदनाम करने लग गई। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करारा प्रहार किया। पीएम मोदी ने कहा, अगर कांग्रेस सोचती है कि झूठ बोलकर कांग्रेस के कुकर्मों, खासतौर से डॉक्टर अंबेडकर के प्रति उनके अपमान को छुपाया जा सकता है, तो वह गलत सोच रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गांधी परिवार और पंडित नेहरू पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने

यदि कांग्रेस और उसका सड़ा-गला परिवेषी तंत्र सोचते हैं कि दुर्भावनापूर्ण झूठों से उनके गलत कार्यों, खासकर आंबेडकर के अपमान को छिपाया जा सकता है, तो वह बहुत बड़ी गलतफहमी में हैं।
पीएम, मोदी

अमित शाह के भाषण के एक हिस्सा लेकर नाच रहे नेता

राज्यसभा में दिया गया भाषण कर रहा झूठ का पर्दाफाश

कहा कि भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी/एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए हरसंभव गंदी चाल चली है। उन्होंने कहा कि उनके पास कांग्रेस के पापों की सूची है। उस सूची को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा, डॉक्टर अंबेडकर के प्रति कांग्रेस के पापों की सूची में ये शामिल हैं कि कांग्रेस ने उन्हें एक बार नहीं बल्कि दो बार चुनाव में हराया। पंडित नेहरू ने उनके खिलाफ प्रचार किया और उनकी हार को प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाया। उन्हें भारत रत्न देने से इन्कार किया और संसद के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र को सम्मान का स्थान नहीं दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस चाहे जितनी कोशिश कर ले, लेकिन वे इस बात से इन्कार नहीं कर सकते कि एससी/एसटी समुदायों के खिलाफ सबसे भयानक नरसंहार उनके शासन में ही हुए। कांग्रेस वर्षों तक सत्ता में रही, लेकिन एससी और एसटी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए कुछ भी ठोस नहीं किया। पीएम मोदी ने कहा, संसद में गृह मंत्री अमित शाह जी ने डॉक्टर अंबेडकर का अपमान करने और एससी/एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया। उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों से वे स्पष्ट रूप से स्तब्ध और स्तब्ध हैं। यही कारण है कि वे अब नाटकबाजी में लिप्त हैं। ▶10 पर

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की बड़ी घोषणा

जनवरी से लागू हो जाएगा समान नागरिक कानून

यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा उत्तराखंड

देहरादून, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की है कि उत्तराखंड राज्य में जनवरी 2025 से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस तरह, उत्तराखंड आजादी के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बन जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी ने जानकारी दी कि यह कानून सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की मूल भावना पर आधारित है। उन्होंने इसे राज्य के लिए एक ऐतिहासिक और समाज को नई दिशा देने वाला कदम बताया। विशेष रूप से यह कानून महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल होगी। मार्च 2022 में प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्णय लिया गया था। इसके तहत सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की ▶10 पर

दुर्गम इलाकों में ब्रॉडबैंड सुविधा देने वाला उपकरण आतंकियों के पास!

मणिपुर में सक्रिय कुकी आतंकियों को कैसे मिला स्टारलिंक?

इंफाल, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

हिंसाग्रस्त मणिपुर में सुरक्षाबलों ने कुकी विद्रोहियों वाले इम्फाल पूर्वी जिले से स्टारलिंक इंटरनेट डिवाइस, स्नाइपर राइफल, पिस्तौल, ग्रेनेड और अन्य हथियार बरामद किए हैं। अमेरिकी टेक दिग्गज एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स के स्वामित्व वाली स्टारलिंक दुनिया की पहली सैटेलाइट है जो लाइसेंस मिलने के बाद दुनिया में कहीं भी ब्रॉडबैंड इंटरनेट प्रदान करती है। मणिपुर में स्टारलिंक डिवाइस मिलने के बाद कई सवाल खड़े हुए है। इनमें सबसे प्रमुख सवाल यही है कि आखिर स्टारलिंक की यह तकनीक काम कैसे करती है? क्या भारत में इस तकनीक का इस्तेमाल हो सकता है और यह वैध है? भारत में स्टारलिंक डिवाइस का मिलना चिंता की बात क्यों है और इससे देश की सुरक्षा पर कैसे खतरा हो सकता है?

13 दिसंबर को चुराचांदपुर, चंदेल, इम्फाल पूर्व और कांगपोकपी सहित कई जिलों में एक अभियान चलाया गया था। इसी दौरान यह बरामदगी की गई। भारत में विद्रोहियों द्वारा स्टारलिंक के उपयोग को लेकर एक सवाल के जवाब में मस्क ने कहा कि ये आरोप झूठे हैं।

जबकि भारत में स्टारलिंक को नहीं मिला है लाइसेंस!

उन्होंने कहा कि भारत में स्टारलिंक उपग्रह बीम बंद हैं। जबकि इम्फाल पूर्वी जिले के केराओ खुनौ में सुरक्षा बलों को एक स्टारलिंक राउटर और एंटीना मिला। यह सैटेलाइट इंटरनेट कनेक्शन रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट (आरपीएफ)/पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा इस्तेमाल किए जा रहा था। एक 20-मीटर एफटीपी केबल, एक सैटेलाइट राउटर और एक सैटेलाइट इंटरनेट एंटीना बरामद किया गया। इससे जाहिर है कि कुकी विद्रोहियों को कहीं बाहर से सहायता मिल रही है। म्यांमार पहले से ही इस तरह के उपकरणों का उपयोग करता आ रहा है। सिग्नल इंटेलिजेंस के अनुसार, म्यांमार में ऐसे कई ठिकाने हैं जहां दुनिया भर के लोगों को ठगने के लिए अंतरराष्ट्रीय अपराधियों द्वारा स्टारलिंक सैटेलाइट सिस्टम का उपयोग किया जाता है। स्टारलिंक इंडोनेशिया, मलेशिया और श्रीलंका जैसे भारत के पड़ोसी देशों में काम कर रहा है।

यह पहली बार नहीं है कि भारतीय क्षेत्र में स्टारलिंक उपकरण पाए गए थे।

नवंबर में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पास भारतीय जलक्षेत्र में म्यांमार के एक जहाज को जब्त किया गया था। यह जहाज 6 टन से अधिक मेथ की तस्करी करने की कोशिश कर रहा था। इनके पास से अन्य आपत्तिजनक सामग्रियों के अलावा, सुरक्षा बलों को ड्रग तस्करों के पास से उन्नत जीपीएस उपकरणों के साथ एक स्पेसएक्स स्टारलिंक डिवाइस भी मिली थी।

भारतीय सेना और असम राइफल्स की संयुक्त कार्रवाई में एक एके-47 राइफल, एक स्नाइपर राइफल, एक म्यांमार निर्मित 0.22 पिस्तौल, म्यांमार निर्मित पांच 9 मिमी पिस्तौल, म्यांमार निर्मित एक 7.65 मिमी पिस्तौल, एक .303 बोल्ट-एक्शन राइफल, दो .303 सिंगल-बोल्ट स्नाइपर राइफल, एक 9 मिमी कार्बाइन मशीन गन (सीएमजी), पांच फैक्टरी निर्मित 12 मिमी सिंगल बैरल राइफल, एक .22 राइफल, एक 12 मिमी शॉटगन, तीन स्थानीय रूप से निर्मित मोर्टार, एक सिंगल बैरल बंदूक, एक 5.56 मिमी एमए 4 असॉल्ट राइफल, एक एमए-1 (एमके-आई) असॉल्ट राइफल, एक एयर गन, ग्रेनेड और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया।

दरअसल, सुरक्षा बल 56 वर्षीय मैतेई शख्स लैशराम कमलबाबू सिंह की तलाश कर रहे थे। वे 25 नवंबर से कांगपोकपी जिले से लापता हो गए थे। सेना और असम राइफल्स के कम से कम 2,000 जवानों ने उनकी तलाश में जगह-जगह छापेमारी की। सेना ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में ट्रैकर कुत्तों, ड्रोन और अन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। इसी दौरान यह जखीरा मिला। ▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई और देखभाल के लिए प्रदान की सहायता राशि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मातृछाया जैन महिला संगठन ने एलआर नगर, कोरमंगला स्थित संस्था ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया में जाकर स्लम इलाकों में निवासरत जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई और देखभाल के लिए एक लाख बीस हजार का चेक प्रदान कर 20 बच्चों को एक वर्ष के लिए अच्छी शिक्षा के लिए गोद लिया। संगठन की अध्यक्ष, ललिता नागोरी ने बताया कि लगभग 3 लाख की आबादी वाले इस स्लम इलाके में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे हैं जो आर्थिक स्थिति की कमी के कारण स्कूल नहीं जा सकते। ऐसे बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए मातृछाया संस्था बड़ी राशि प्रदान रही है एवं आने वाले वर्ष में और ज्यादा बच्चों को शिक्षा हेतु

सुविधा प्रदान कराने का आश्वासन दिया है। ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया के अध्यक्ष नारायण अड़िगे ने बताया कि ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया की स्थापना 2005 में बृंदा और एलिस्टेयर द्वारा की गई थी। संस्था की शुरुआत केवल पांच सदस्यों के साथ की गई, और अब यह संस्था कई बोर्ड सदस्यों के सहयोग से अपनी गतिविधियों को सुचारू रूप से चला रही है। ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया के कोषाध्यक्ष के. ए. सुरेश ने मातृछाया के इस विशाल सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। एजुकेशनल कोऑर्डिनेटर जीना ने बताया कि ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों के उत्थान के लिए काम करता है।

संस्था पॉक्सो मामलों और घरेलू हिंसा का सामना कर रही महिलाओं को सुरक्षा प्रदान कर उन्हें सरकारी लाभ प्राप्त करने में मदद करती है। इसके अलावा, संस्था लगभग 3000 बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था भी करती है। मातृछाया की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है। शिक्षा केवल ज्ञान का स्रोत नहीं है, बल्कि यह बच्चों को आत्मनिर्भर, सशक्त और समाज में योगदान देने योग्य बनाती है। यह उनके भविष्य को संवारने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है।

सचिव रेशमा बडोला ने बताया कि ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया जरूरतमंद बच्चों को स्कूल फीस, यूनिफॉर्म, और शिक्षण सामग्री प्रदान करने में सहायता करती है, ताकि इन बच्चों को अपनी शिक्षा पूरी करने के समान अवसर मिल सकें। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि मातृछाया भविष्य में सैकड़ों बच्चों को गोद लेकर उनकी शिक्षा का जिम्मा उठाने का संकल्प ले चुकी है, ताकि इन बच्चों को बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर किया जा सके। इस अवसर पर संगठन की काफी सदस्याएं उपस्थित थी।

गुगलिया बंधु श्रीरामपुरम संघ के अध्यक्ष व मंत्री निर्वाचित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्रीरामपुरम के वर्ष 2025-26 के पदाधिकारियों का चुनाव बुधवार को हुआ। श्रीरामपुरम के भगवान महावीर रोड़ स्थित स्थानक भवन में आयोजित संघ की आम सभा की शुरुआत विरेंद्रमुनिजी के मंगलपाठ से हुई। संघ के मंत्री अशोक कुमार गुगलिया ने गत आम सभा की कार्यवाही को रखा। संघ द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी शांतिलाल बोहरा एवं सहचुनाव अधिकारी देवराज कोठारी की देख-रेख में चुनाव की कार्यवाही संपन्न हुई। चुनाव अधिकारियों ने वर्ष 2025-26 के कार्यकाल के लिये जी. ताराचंद गुगलिया को अध्यक्ष, किरणराज कोठारी को उपाध्यक्ष, अशोककुमार गुगलिया को मंत्री, सिद्धार्थ बोहरा को

सहमंत्री, गौतमचंद खिवेंसरा को कोषाध्यक्ष तथा ताराचंद सेहलोत को सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया। पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल खिवेंसरा ने सद्भाव के साथ संपन्न चुनाव पर संतोष व्यक्त करते हुए नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। नव निर्वाचित अध्यक्ष जी. ताराचंद गुगलिया ने सभी सदस्यों के सहयोग से धार्मिक क्षेत्र में संघ को नई ऊंचाई पर ले जाने की आशा व्यक्त की। मंत्री अशोक कुमार गुगलिया ने संघ की सभी गतिविधियों में सभी सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने का अनुरोध किया। यह जानकारी संघ के सह मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने दी।

जेबीएन महिला बिजनेस रेफरल ग्रुप वी. कनेक्ट की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी. कनेक्ट की तीसरी कार्यकाल की बैठक मंगलवार को बेंगलूरु नॉर्थ स्थित जीतो कार्यालय में आयोजित हुई। यह बैठक जेएलडब्ल्यू की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना के मार्गदर्शन और मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ की उपस्थिति में आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत नेहा चौधरी के प्रेरक सत्र से हुई। नेहा, जो सॉफ्ट स्किल ट्रेनर, कंटेंट डेवलपर, एनएलपी प्रैक्टिशनर और एमसी हैं, ने व्यवसाय को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के तरीके बताए। उनकी टैगलाइन व्यवसाय में कोई आराम क्षेत्र नहीं है, सदस्यों को अपने कौशल और व्यक्तित्व को निखारने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने लक्ष्य चार्ट के महत्व पर जोर देते हुए इसे बनाने की तकनीक पर एक गतिविधि कराई। इसके बाद रितिका जैन ने अपने 8 मिनट के स्लॉट में पोर्ट्रेट और ब्राइडल मेहंदी आर्टिस्ट के रूप में अपने व्यवसाय का परिचय दिया। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे वह ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार डिजाइन तैयार करती हैं और हर विवरण पर ध्यान देती हैं। शैक्षणिक सत्र में सुशीला श्रीश्रीमल ने ऑफिस दर्शन के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि इससे उन्हें और अन्य लोगों को कैसे लाभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीमा शाह ने की। उपाध्यक्ष मीना जैन और सचिव लीला पितलिया ने सहयोग किया। सभी सदस्यों को 30 सेकेंड की पिच साझा करने का अवसर दिया गया, जिसमें सिंपल जैन ने सर्वश्रेष्ठ पिच का पुरस्कार जीता। सबसे अधिक मेहमान लाने के लिए चंद्रा जैन को डोर प्राइज दिया गया। इस बैठक में 6 मेहमान उपस्थित थे और 3 नए सदस्य जोड़े गए। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ और सदस्यों के बीच खुली नेटवर्किंग हुई। इस सत्र ने समूह के भीतर व्यावसायिक संबंधों को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

पुस्तक विमोचन संग काव्य गोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय चेतना परिवार अभिव्यक्ति काव्य मंच की 33वीं काव्य गोष्ठी का आयोजन हाल ही में शेड्स ऑफ कॉफी, एच.एस.आर लेआउट, बेंगलूरु में किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कवियत्री और अभिव्यक्ति मंच की अध्यक्षा डॉ मंजु गुप्ता लता की चौथी पुस्तक गीत संकलन स्वरमयी का विमोचन भी हुआ। संचालन का दायित्व पटल की सचिव स्वीटी सिंघल ने संभाला। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतीक्षा तिवारी की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। संस्थापक डॉ. अरविंद गुप्ता ने अतिथियों का राष्ट्रीय चेतना परिवार का पटका पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया तथा संस्था के उद्देश्यों की जानकारी दी। गीता चौबे ने कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ मैथिली पी.राव और अनीता तोमर ने मुख्य अतिथि दर्शन बेजार का परिचय दिया। विशिष्ट अतिथि एन.सी. श्रीधर, रचना उनियाल और ममता सिंह का परिचय क्रमशः अनीता तोमर, नीलम गुप्ता और कनु सिंह ने दिया। काव्य संध्या में मीना गुप्ता, अशोक गुप्ता, भार्गवी रविंद्र, उर्मिला श्रीवास्तव, गीता चौबे, प्रतीक्षा तिवारी, कनु सिंह, ऋचा पाठक, दीपक ओझा, आशा रानी शरण, रघुबीर अग्रवाल बंधु, सुशील कुमार निर्झर, डॉ. अरविंद गुप्ता, अनीता तोमर, स्वीटी सिंघल सखी ने विविध विषयों पर सुन्दर रचनाओं की प्रस्तुति दी। इसके पश्चात डॉ. मंजु गुप्ता लता की पुस्तक स्वरमयी का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। रचना उनियाल ने पुस्तक की सुंदर समीक्षा प्रस्तुत की। सभी अतिथियों ने मंजु गुप्ता को शुभकामनाएँ देकर अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति दी। मंजु गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया। उन्होंने यह पुस्तक अपने स्वर्गीय पति डॉ. विजय शंकर गुप्ता को समर्पित करते हुए अपनी पुस्तक से भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किए। इसके बाद कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. मैथिली राव ने सभी की रचनाओं की सराहना करते हुए बच्चों में साहित्य के प्रति रुचि कम होने की चिंता जताई। उन्होंने अच्छी कविताओं को डिजिटल माध्यम से जनता तक पहुँचाने का सुझाव भी दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कर्नाटक रक्षण वेदिके द्वारा बेंगलूरु के केजी रोड स्थित अलंकार प्लाजा परिसर में अन्नमा देवी उत्सव, कर्नाटका राज्योत्सव एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वेदिके के राज्य अध्यक्ष नारायण गौड़ा ने दीप प्रज्वलन कर मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण किया। रक्तदान शिविर में युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। बेंगलूरु रुधिर संस्थान ने रक्त का संग्रह किया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री वासुपूज्य स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ अक्किपेट के तत्वावधान में श्री वासुपूज्य स्वामी जैन सेवा मंडल द्वारा लाभार्थी कुमारी रेखा राजपुरोहित की पुण्य स्मृति में अन्नप्रसादम कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 546 व्यक्तियों ने लाभ लिया। मंडल के अध्यक्ष पदमराज मेहता ने लाभार्थी परिवार एवं मंडल के सेवा भावी सदस्यों का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।*

मुडा घोटाला मामला : सीबीआई जांच की याचिका वापस लेने के लिए की जा रही करोड़ों की पेशकश:याचिकाकर्ता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से जुड़े मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने बुधवार को दावा किया कि मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करने वाली अपनी याचिका वापस लेने के लिए उन्हें बड़ी रकम की पेशकश की जा रही है। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय 19 दिसंबर को मुडा मामले की सीबीआई जांच की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा है। कृष्णा ने इस संबंध में बुधवार को कर्नाटक लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई और जांच अधिकारी से मामले की जांच करने का आग्रह किया। उन्होंने एक कथित सीसीटीवी फुटेज की प्रति भी उपलब्ध कराई है जिसमें हर्ष नामक व्यक्ति सीएम सिद्धरामैया की पत्नी का निजी सहायक होने का दावा करते हुए उनके परिवार से संपर्क करता हुआ दिखाई दे रहा है। हर्ष नामक व्यक्ति सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती का निजी सहायक होने का दावा करते हुए एक परिचित व्यक्ति श्रीनिधि के माध्यम से मेरे पास आया और मुझसे मुडा मामले में सहयोग करने के लिए कहा। जब मैंने मना कर दिया, तो हर्ष मेरे घर के पास आया, मेरे बेटे से बात की और उसे किसी भी राशि का लालच देने की कोशिश की। 13 दिसंबर को दोपहर 12 बजे, जब मैं मुडा कार्यालय में था, श्रीनिधि हर्ष को साथ लेकर आया और उसे सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती के निजी सहायक के रूप में पेश किया। श्रीनिधि ने मुझसे कहा कि हर्ष मुझसे व्यक्तिगत रूप से बात करना चाहता है। हर्ष तुरंत मेरे पैरों पर गिर पड़ा और कहा कि पार्वती मानसिक रूप से परेशान है और सो या खा नहीं पा रही है। उसने दावा किया कि उसने आधी रात को उसे फोन किया, और कहा कि वह सो नहीं पा रही है और मुडा मामले की वजह से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। हर्ष ने मुझसे मुडा मामले को सीबीआई को न सौंपने की विनती की, इसके बजाय लोकायुक्त से जांच करवाने का सुझाव दिया। उसने हाथ जोड़कर मेरी मदद करने का अनुरोध किया। मैंने उससे कहा कि पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। मैंने कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है और अगर उन्हें कोई समस्या है तो उन्हें कानूनी तरीके से ही आगे बढ़ना चाहिए। कृष्णा ने कहा कि हर्ष ने दावा किया कि इस मामले में पार्वती अम्मा की कोई भूमिका नहीं है और उन्होंने बताया कि देवराजू (जमींदार और चौथा आरोपी)

और मल्लिकार्जुन स्वामी (तीसरा आर-ोपी और सीएम का साला) पर अंध विश्वास के कारण यह स्थिति पैदा हुई। उन्होंने कहा कि हर्ष ने बैठक के दौरान उल्लेख किया कि सी.टी. कुमारा ने पत्र लिखने की सलाह दी थी और कुछ मामलों में अम्मा की ओर से पत्रों पर हस्ताक्षर किए और मदद मांगी। उन्होंने शिकायत में दावा किया मैंने हर्ष को इस बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। दबाव के बावजूद मैं सहमत नहीं हुआ और चला गया। उन्होंने कहा अगले दिन 14 दिसंबर को चामुंडेश्वरी मंदिर प्राधिकरण सचिव एम.जे. रूपा ने मैसूरु के के.आर. पुलिस स्टेशन में मेरे खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराया। यह जानने के बाद कि पुलिस मुझे गिरफ्तार करने की योजना बना रही है, मैंने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया और अपने वकीलों से मिलने बेंगलूरु चला गया। कृष्णा ने आरोप लगाया, मेरे बेटे ने बाद में मुझे बताया कि हर्ष और श्रीनिधि हमारे घर आए थे और उन्होंने मुझसे सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका वापस लेने के लिए कहा था। उन्होंने उससे कहा कि वे पार्वती की ओर से मेरे और मेरी पत्नी के पैरों में गिरेंगे। हर्ष ने यह भी कहा कि वह मेरी बताई गई किसी भी राशि की पेशकश कर सकता है। जब मेरे बेटे ने इनकार कर दिया, तो वे उसे एक कार में ले गए और दावा किया कि सीएम की पत्नी की हालत गंभीर हो गई है। उन्होंने उससे कहा कि वे पहले ही कार्यकर्ता गंगाराजू से बात कर चुके हैं और उसे 3 करोड़ रुपये के भुगतान के लिए मना लिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 1.5 करोड़ रुपये पहले ही दिए जा चुके हैं और हर्ष के मोबाइल फोन पर पैसों से भरे बैग का वीडियो दिखाया।

सीबीआई को सौंप दिया गया तो वे पकड़े जाएंगे

हर्ष ने मेरे बेटे से अनुरोध किया कि वह उसे मेरी पत्नी से मिलने दे ताकि वे सीधे उससे गुहार लगा सकें। उन्होंने मेरे बेटे को आश्वासन दिया कि मुझे गिरफ्तार नहीं किया जाएगा और मेरे खिलाफ दर्ज एफआईआर पर बी-रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। उन्होंने मेरे बेटे का मोबाइल नंबर लिया और चले गए। बाद में, श्रीनिधि और हर्ष ने मेरे बेटे को कई बार फोन किया। उन्होंने अपनी शिकायत में मांग की कि यह एक गंभीर मुद्दा है। हर्ष के मोबाइल फोन जब्त किए जाने चाहिए और सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती से पूछताछ की जानी चाहिए। उन्हें निर्देश दिया जाना चाहिए कि वे भविष्य में किसी भी तरह से मेरे परिवार से संपर्क न करें। स्नेहमयी कृष्णा ने कहा आरोपियों को डर है कि अगर मामला सीबीआई को सौंप दिया गया तो वे पकड़े जाएंगे। मुडा मामले में मुडा द्वारा सिद्धरामैया के परिवार को कथित तौर पर 14 अवैध भूखंड आवंटित किए जाने का मामला शामिल है। आरोपों के बाद, सिद्धरामैया के परिवार ने भूखंड वापस कर दिए। फिलहाल, कर्नाटक लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले की जांच कर रहे हैं।

पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में अधिक राजस्व संग्रहण का लक्ष्य: मंत्री

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि राज्य ने चालू वर्ष में अब तक 15,145.32 करोड़ राजस्व एकत्र किया है, और इस बार यह पिछले वर्ष से अधिक होगा। विधान परिषद के एक सदस्य के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि चालू वर्ष में रॉयल्टी का संग्रह पिछले वर्ष की तुलना में कम है। उन्होंने कहा कि 20 प्रतिशत अधिक संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में भौतिक खाते का उपयोग करके पंजीकरण करते समय गलत पहचान पत्र बनाए गए, गलत दस्तावेज बनाकर सरकारी संपत्ति का पंजीकरण किया गया, निर्दोष लोगों की संपत्तियों को किसी और के नाम पर पंजीकृत किया जा रहा है, फर्जी पंजीकरण मामले, पंजीकरण और स्टांप शुल्क धोखाधड़ी और अवैध पंजीकरणों को रोका गया। उन्होंने कहा कि ई-खाता शामिल होने के बाद अवैध एवं फर्जी दस्तावेज बनाने एवं पंजीकृत करने की संख्या कम हो गई है तथा वैध अचल संपत्ति पंजीकरण से सरकार को कोई राजस्व हानि नहीं होगी।

मत्स्य विभाग के बैठक कक्ष में आग लगने से कार्यालय के रिकॉर्ड हुए नष्ट

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। मालपे में मत्स्य विभाग के कार्यालय के बैठक कक्ष में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिससे काफी नुकसान हुआ। यह घटना मंगलवार को सामने आई। सुलगते अवशेषों को बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को मौके पर बुलाया गया। रिपोर्ट्स बताती हैं कि कमरे में एक एयर कंडीशनर में विस्फोट हो गया, जिससे उसमें रखे सभी दस्तावेज पूरी तरह से नष्ट हो गए। पंखे, कुर्सियाँ, टेबल, विभाजन दीवारें, लाइफ जैकेट और लाइफबॉय जैसी चीजें भी आग की चपेट में आ गईं। अधिकारियों ने कहा कि अगर आग आस-पास के कमरों में फैल जाती, तो यह पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले सकती थी। इमारत के हर कमरे में घना धुआँ भर गया और कालिख के कारण दीवारें काली हो गईं। आग से लगभग 4 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। घटना के संबंध में मालपे पुलिस स्टेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है।

अमित शाह की अंबेडकर पर टिप्पणी आरएसएस की पुरानी विचारधारा का विस्तार : सिद्धरामैया

सच बोलने के लिए बधाई देता हूं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह पर बी आर अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के लिए निशाना साधा और इसे संविधान के मुख्य निर्माता का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि संसद में शाह की टिप्पणी आरएसएस की पुरानी विचारधारा का विस्तार मात्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंबेडकर के योगदान के बिना शाह गृह मंत्री नहीं होते और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं होते। मुख्यमंत्री राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए शाह की टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे। शाह ने कहा था अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। अगर उन्होंने भगवान का नाम इतनी बार लिया होता तो उन्हें स्वर्ग में जगह मिल जाती। सीएम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उनके (सिद्धरामैया) लिए अंबेडकर कोई फैशन नहीं बल्कि शाश्वत प्रेरणा हैं।

शाह को लिखे एक खुले पत्र में सीएम ने कहा सबसे पहले, मैं आपको डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के बारे में भाजपा की वास्तविक राय को खुलकर सामने लाकर आखिरकार सच बोलने के लिए बधाई देता हूं। संसद में आपके बयान ने हमें आश्चर्यचकित नहीं किया। हम आपकी पार्टी की असली मानसिकता पहले से ही जानते थे। लेकिन अब, पूरे देश ने भारतीय संविधान के निर्माता के प्रति आपके अनादर को देखा है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर के संविधान के तहत चलने वाली संसद में खड़े होकर उनकी याद को आदत कहना शाह के अहंकार को दर्शाता है। शाह को इस बेशर्मी भरे कृत्य के लिए बधाई। यह कहकर देश को गुमराह करने की कोशिश न करें। मैं बाबासाहेब का बहुत सम्मान करता हूं, और मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

सीएम ने कहा हम भोले नहीं हैं। अपनी बात पर कायम रहें और देश का सामना करें। सिद्धरामैया ने पत्र में कहा हमारे लिए अंबेडकर कोई फैशन नहीं बल्कि एक शाश्वत प्रेरणा हैं। जब तक हम सांस लेंगे, जब तक सूर्य और चंद्रमा इस धरती पर चमकते रहेंगे, अंबेडकर की विरासत कायम रहेगी। आप उनकी यादों को जितना कम करने की कोशिश करेंगे, वह उतनी ही मजबूत होकर हमें आगे ले जाएगी। भले ही आपके चाटुकार आपके अहंकार पर ताली बजा रहे हों, लेकिन याद रखें इस देश में लाखों लोग, जिन्होंने बाबासाहेब की वजह से समानता और सम्मान प्राप्त किया है, आपकी निंदा कर रहे हैं। सिद्धरामैया ने कहा कि अगर डॉ अंबेडकर का जन्म नहीं हुआ होता, तो उन्हें मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य नहीं मिलता और शायद वे अपने गांव में मवेशी चरा रहे होते।

हमारे वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, एआईसीसी का नेतृत्व करने के लिए नहीं उठते। वे कलबुर्गी में किसी फैक्ट्री में काम कर रहे होते। हम अपनी प्रगति और सम्मान के हर कदम के लिए बाबासाहेब और उनके द्वारा दिए गए संविधान के ऋणी हैं। उन्होंने कहा सिर्फ मैं ही नहीं अंबेडकर के योगदान के बिना, आप भी आज गृह मंत्री नहीं होते। इसके बजाय, आप अपने गृहनगर में कबाड़ का व्यवसाय कर रहे होते। आपके सहयोगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी भी रेलवे स्टेशन पर चाय बेच रहे होते। बाबासाहेब की दूरदृष्टि ने हम सभी को ऊपर उठाया है। यहां तक कि प्रधानमंत्री भी इसे स्वीकार कर सकते हैं, और आपको भी ऐसा करना चाहिए। सीएम ने आगे कहा अंबेडकर के प्रति आपकी नफरत उन लोगों के लिए नई नहीं है जो इतिहास को जानते हैं और जानना चाहा भाजपा के वैचारिक माता-पिता, आरएसएस ने बाबासाहेब द्वारा उनके जीवनकाल में लिखे गए संविधान को क्यों खारिज कर दिया?

मुझे आपके लहजे में जवाब देने दीजिए

ऐतिहासिक अभिलेख संविधान के खिलाफ हेडगेवार, गोलवलकर और सावरकर जैसे आरएसएस नेताओं के बयानों का दस्तावेजीकरण करते हैं। सिद्धरामैया ने कहा आप इन सच्चाइयों को दबाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन उन्हें मिटाया नहीं जा सकता। संसद में आपकी टिप्पणी उस लंबे समय से चली आ रही आरएसएस विचारधारा का ही विस्तार है। उन्होंने शाह से आगे कहा मुझे आपके लहजे में जवाब देने दीजिए। आपकी पार्टी और उसके वैचारिक परिवार ने अब मोदी मोदी जपने का फैशन बना लिया है। जितनी बार आपने मोदी का नाम लिया, उतनी बार अगर आपने भगवान का नाम लिया होता, तो शायद आपको सात जन्मों के लिए नहीं, बल्कि सौ जन्मों के लिए स्वर्ग मिल जाता। शायद सत्ता के लिए किए गए आपके पाप भी माफ हो जाते।

कंबाला को मान्यता दिलाने के लिए भारतीय कंबाला महासंघ का गठन

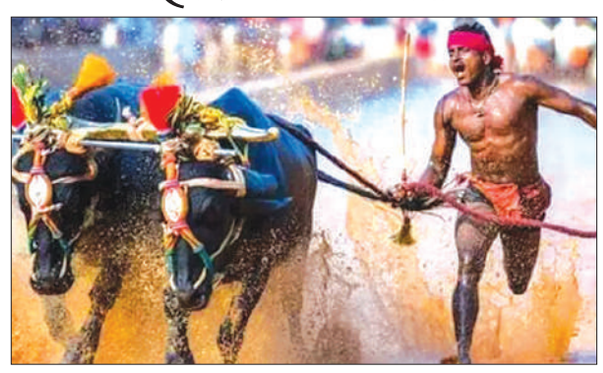

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तटीय लोक खेल कंबाला को मान्यता दिलाने के लिए आयोजकों ने कंबाला फेडरेशन ऑफ इंडिया का गठन किया है। उन्होंने अन्य खेल संघों की तरह मान्यता के लिए केंद्र सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय को एक अनुरोध प्रस्तुत किया है। जिला कंबाला समिति के अध्यक्ष देवी प्रसाद शेट्टी ने बताया कि हमने अपने नेतृत्व में कंबाला फेडरेशन ऑफ इंडिया की स्थापना की है। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों के उपायुक्त, डीके एमपी और उडुपी-चिकमगलूरु एमपी स्थायी सदस्य होंगे। एससीडीसीसी बैंक के अध्यक्ष एमएन राजेंद्र कुमार और एमआरजी ग्रुप के चेयरमैन के प्रकाश शेट्टी मानद अध्यक्ष हैं। गुनापाल कदंबा, भास्कर कोटियन, बरकुर शांताराम शेट्टी, विजय कुमार कंगिनामने, नवीनचंद्र अल्वा और पीआर शेट्टी महासंघ के सदस्य हैं। उन्होंने कहा फेडरेशन के माध्यम से हमारा लक्ष्य कम्बाला के लिए सरकार से मान्यता प्राप्त करना है। इससे सरकार से अनुदान प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा, मान्यता मिलने के बाद, राज्य के बाहर भी कम्बाला के आयोजन की अनुमति मांगी जा सकती है। एक कम्बाला कार्यक्रम के आयोजन में ट्रैक की तैयारी, रात में रोशनी की व्यवस्था, खानपान, टेंट की व्यवस्था, साउंड सिस्टम और 16 पावन (128 ग्राम) सोने सहित पुरस्कार की लागत 25 लाख रुपये से 45 लाख रुपये के बीच होती है। आयोजक विभिन्न स्रोतों से इन खर्चों को वहन करते हैं। कम्बाला के लिए खेल मान्यता सरकारी अनुदान प्राप्त करने में मदद करेगी।

सीएम ने टीबी जयचंद्र को सर्वश्रेष्ठ विधायक का दिया पुरस्कार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक और वरिष्ठ कांग्रेस नेता टी.बी.जयचंद्र को सर्वश्रेष्ठ विधायक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को विधानसभा में यह पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर स्पीकर यूटी खादर, नेता प्रतिपक्ष आर अशोक भी मौजूद रहे। सदन की कार्यवाही में उनकी सक्रिय भागीदारी और एक अच्छे विधायक के रूप में बहस की गुणवत्ता में सुधार में उनके योगदान के लिए उन्हें इस पुरस्कार

के लिए चुना गया है। 7वीं बार विधायक के रूप में चुने गए, वह वर्तमान में नई दिल्ली में कर्नाटक के विशेष प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत हैं। उनके पास विधानसभा में विपक्ष के उपनेता, कृषि, कानून और संसदीय कार्य, पशुपालन, मुजराई और लघु सिंचाई मंत्री के रूप में अनुभव है। साथ ही वह पहले भी नई दिल्ली में कर्नाटक के विशेष प्रतिनिधि रह चुके हैं। वह कृषि और सिंचाई परियोजनाओं को तैयार करने में बहुत रुचि दिखा रहे हैं और उन्होंने विदेशों का दौरा किया है और इस संबंध में गहन अध्ययन किया है। बताया गया है कि उन्होंने तुमकुरु जिले को सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अथक प्रयास किया है। इस पुरस्कार के अवसर पर जयचंद्र को जन प्रतिनिधियों ने बिना किसी पक्षपात के बधाई दी है।

उत्तर कर्नाटक की कि जा रही उपेक्षा

गारंटी देने के बजाय सिंचाई दीजिए और सभी हाथों को रोजगार दीजिए: पाटिल यतनाल

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा विधायक बसन गौड़ा पाटिल यतनाल ने आरोप लगाया कि न केवल विकास के मामले में बल्कि राजनीतिक रूप से भी उत्तरी कर्नाटक के साथ गंभीर अन्याय हुआ है। उन्होंने सुवर्णसौधा में चल रहे शीतकालीन सत्र में उत्तर कर्नाटक के विकास पर चर्चा में भाग लेने के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि चार से पांच जिलों का अतिरिक्त बंटवारा होना है। हमारे क्षेत्र में 96 विधायक हैं, जबकि दक्षिण कर्नाटक में 121 विधायक हैं। हमारे पास 12 सांसद हैं जबकि दक्षिण कर्नाटक में 16 हैं। दक्षिण कर्नाटक में 53 विधान परिषद सदस्य हैं, जबकि उत्तरी कर्नाटक में 22 सदस्य हैं। राज्यसभा सदस्यों में से 16 दक्षिण कर्नाटक से हैं जबकि केवल दो उत्तर कर्नाटक से हैं। ऐसा लगता है कि वोट देने वाले हम हैं और सत्ता का आनंद लेने वाले लोग उस हिस्से के लोग हैं। दक्षिण कर्नाटक में जहां 21,160 गांव हैं, वहीं उत्तरी कर्नाटक में 9,571 गांव हैं। दक्षिण कर्नाटक में 3,364 ग्राम पंचायत हैं, जबकि उत्तर कर्नाटक में 2,792 ग्राम पंचायतें हैं। प्राथमिक, हाई

स्कूल, स्नातक और स्नातक महाविद्यालयों के बीच बहुत अंतर हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण कर्नाटक ने सभी तकनीकी शिक्षा संस्थानों, कानून, चिकित्सा अस्पतालों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हम दक्षिण कर्नाटक को लेकर अधीर नहीं हैं। लेकिन समान विकास होना चाहिए। गारंटी देने के बजाय सिंचाई दीजिए और सभी हाथों को रोजगार दीजिए। कैबिनेट बैठक में तीन या चार मंत्री ही चर्चा में शामिल होते हैं। बाकी लोग चुप हैं। सुवर्णा सौधा का निर्माण करोड़ों की लागत से किया गया था। यहां कोई कार्यालय स्थानांतरित नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कृष्णा जल निगम के प्रबंध निदेशक यहां ऐसे आते हैं जैसे वह यात्रा पर हों। उत्तरी कर्नाटक का अपना ही आकर्षण है। तटीय क्षेत्र में आय अधिक होती है। उन्होंने कहा कि विजयपुर सहित उत्तरी कर्नाटक में ऐसे परिवार हैं जो सूखे के कारण ऐसी स्थिति में हैं कि उन्हें भोजन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। जब यतनाल बोल रहे थे तो सत्ता पक्ष के विधायक एन रेड्डी ने यतनाल की मंत्री जमीर से मुलाकात का मजाक उड़ाया। जिसके बाद यतनाल ने जवाब दिया कि मैं तब कोई फ्लैट आवंटित कराने नहीं गया था। जब यतनाल ने फिर कहा कि हम तटीय इलाकों के लोगों जितने बुद्धिमान नहीं हैं, तो अध्यक्ष ने मजाक में कहा कि बुद्धिमानों को बुद्धिमान कहकर मूर्ख बनाया जा रहा है।

उत्तर कर्नाटक क्षेत्र, जिस पर राष्ट्रकूट, चालुक्य, होयसल, अमोघवर्ष सहित राजाओं और महाराजाओं का शासन रहा है, के अधिकांश राजाओं और महाराजाओं ने स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मुख्यमंत्री को विकास के बारे में स्पष्ट विचार रखना चाहिए।

आज विभिन्न इलाकों में होगी बिजली की कटौती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (बेस्कॉम) ने कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीटीसीएल) द्वारा आपातकालीन रखरखाव कार्य के कारण गुरुवार को बेंगलूरु के पद्मनाभनगर और एलआर बंडे क्षेत्रों में निर्धारित बिजली कटौती की घोषणा की है।

बिजली कटौती सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। बेस्कॉम ने निवासियों से सहयोग करने और निर्दिष्ट घंटों के दौरान

आवश्यक व्यवस्था करने का आग्रह किया है। भविष्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ये रखरखाव गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं।

राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में मातृ मृत्यु की हो न्यायिक जांच: आर. अशोक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने विधानसभा में मांग की कि राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में मातृ मृत्यु की न्यायिक जांच की जानी चाहिए। उन्होंने नियम 69 का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मातृ मृत्यु का मामला मौजूदा जज की निगरानी में न्यायिक जांच के लिए सौंपा जाना चाहिए। घटिया दवा सप्लाई करने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश दिया जाए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को तार्किक अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए। मातृ मृत्यु अमूल्य है। दवा कंपनियों पर नकेल कसने के लिए नया कानून लाएं। धोखाधड़ी करने वाली कंपनियों पर नकेल कसें। उन्होंने मांग की कि ऐसे मामलों में जीवित रहने की गारंटी दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों के प्रति लोगों का भरोसा कायम करने के लिए काम किया जाना चाहिए। कर्नाटक

में माताओं और नवजात शिशुओं की मौत का चौंकाने वाला सिलसिला सामने आया है। सिर्फ बल्लारी में ही नहीं, बल्कि दावणगेरे, चित्रदुर्ग, रायचूर, बेलगावी में भी ऐसी मौतें हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग रोग ग्रस्त एवं बीमार विभाग है। डॉक्टरों का कहना है कि दवा की गड़बड़ी के कारण मौत हुई है। वे कह रहे हैं कि 6 महीने पहले दवा से उनकी मौत हो गई। फर्जी डॉक्टरों की भी समस्या है। उन्होंने कहा कि फिर भी स्वास्थ्य विभाग सक्रिय नहीं है। केसी जनरल अस्पताल का दौरा करने वाले लोकायुक्त ने कहा कि वेंटिलेटर के काम न करने और मरीजों को गर्म पानी की आपूर्ति न होने जैसी कमियां थीं। एक्सपायर हो चुकी दवाओं का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक नहीं है। जब सरकारी अस्पतालों में दरें बढ़ाई गईं तो स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने हस्तक्षेप किया और चिकित्सा शिक्षा विभाग के अस्पतालों में बढ़ोतरी की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे अस्पतालों में ऐसा नहीं हुआ है।

चर्चा को जारी रखते हुए अशोक ने सवाल किया कि क्या चिकित्सा शिक्षा विभाग के अस्पताल दूसरे राज्यों में स्थित हैं? 100 अलग-अलग परीक्षणों की कीमत बढ़ा दी गई है। अभी-अभी कोविड से उबर रहा हूं। उन्होंने पूछा कि दाम बढ़ेंगे तो कैसे? ऐसा कहा जाता है कि महिलाओं को दिए गए खत सॉल्यूशन के कारण अंगों के काम करना बंद हो जाने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। लेकिन रिपोर्ट अलग दी गई है। उन्होंने कहा कि अगर दवा की आपूर्ति करने वाली कंपनी ब्लैकलिस्टेड है, तो एक ऐसी व्यवस्था है कि वही कंपनी एक साल में अलग नाम से दवा की आपूर्ति करेगी। जब उन्होंने कहा कि उन्होंने कोर्ट के आदेश पर उन्हें छोड़ा है तो डिप्टी स्पीकर रुद्रप्पा मनप्पा लमानी ने हस्तक्षेप किया और कहा कि उनके जीवन के लिए कौन जिम्मेदार है? अगर एक लैब सही नहीं है तो दूसरी लैब कैसे सही हो सकती है? इसके बाद अशोक ने सवाल उठाया कि सरकार ने हाई कोर्ट में अपील क्यों नहीं दायर की। इस बिंदु पर हस्तक्षेप करते हुए, मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा अगर कार्यपालिका कार्यकारी कानून का मसौदा तैयार करने का काम करने जा रही है तो हमें वहां क्यों होना चाहिए? शासन-प्रशासन में हस्तक्षेप कितना सही है? उन्होंने कहा कि हमारी रक्षा कौन करेगा। जिसके बाद अशोक ने कहा घटिया दवा सप्लाई करने वाली कंपनी के मामले में कोर्ट का आदेश है, तो मौत का न्याय कौन देगा।

उन्होंने कई उदाहरणों और आंकड़ों के जरिए सरकार को आड़े हाथों लिया।

मोदी के दौरे के असाधारण क्षण पार्टी की मजबूती के लिए प्रेरणा की किरणें: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के असाधारण क्षण कर्नाटक राज्य में पार्टी की मजबूती के लिए प्रेरणा की किरणें हैं। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व संभालने के एक साल पूरे होने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। विकसित भारत के निर्माण की महान आकांक्षा के साथ एक तपस्वी की तरह देश निर्माण के कार्य में स्वयं को समर्पित करने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली हम जैसे कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने बताया कि उनके आशीर्वाद के मार्गदर्शन ने प्रदेश में पार्टी निर्माण के लिए अदम्य उत्साह भर दिया है।

उन्होंने कहा कि बैठक के अवसर पर उनके शब्दों ने संगठन के विकास के साथ-साथ राष्ट्र को मजबूत करने के महान कार्य में युवाओं की अपेक्षा से परे भागीदारी के लिए कार्यक्रम बनाने की प्रेरणा दी। भारत के आर्थिक, व्यावसायिक और शैक्षिक क्षेत्रों की प्रगति वैश्विक स्तर पर सर्वोच्च उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और इस संबंध में कर्नाटक का योगदान सबसे आगे होना चाहिए और केंद्र सरकार की योजनाएं लोगों तक पहुंचनी चाहिए, जिसके लिए प्रधान मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं की योजनाबद्ध भागीदारी के लिए एक कार्यक्रम तैयार करने का सुझाव दिया।

मातृ मृत्यु पर दवा कंपनियों को जवाबदेह ठहराना मुश्किल साबित हुआ: दिनेश गुंडू राव

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि दवा कंपनियों को जवाबदेह ठहराना मुश्किल साबित हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस समस्या से राष्ट्रीय स्तर के कानून के जरिए निपटने की जरूरत है। बल्लारी अस्पताल में हुई मातृ मृत्यु की श्रृंखला को संबोधित करते हुए विधान परिषद में मंत्री ने कहा मैं यह बताना चाहता हूं कि दवा से संबंधित कानून मजबूत नहीं हैं। दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई का कोई इतिहास नहीं है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि घटिया गुणवत्ता के कारण कई दवाएं विफल हो गई हैं, लेकिन दवा कंपनियों को जवाबदेह ठहराना मुश्किल साबित हुआ है। इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से चर्चा करने की जरूरत है। अगर गुणवत्तापूर्ण दवाएं नहीं बनाई जाती हैं, तो इसका लोगों पर गंभीर असर पड़ेगा। घटिया दवाओं के कारण मौतें हो सकती हैं और बीमारियों का इलाज अप्रभावी हो सकता है। ज्यादातर दवा निर्माता कंपनियां हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में स्थित हैं। राव ने आरोप लगाया कि उन्हें प्रशासन से समर्थन मिलता है और अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए दवा कंपनियों को छूट दी जाती है। उन्होंने आगे दावा किया कि दवा कंपनियों को नियामक कानूनों से बचाया जाता है और अदालतों द्वारा संरक्षित किया जाता है। राव ने कहा कुछ दवा निर्माता विदेशी देशों को निर्यात की जाने वाली दवाओं के लिए एक मानक रखते हैं और भारत में वितरित की जाने वाली दवाओं के लिए अलग, निम्न मानक रखते हैं। मंत्री ने जोर देकर कहा दवा की गुणवत्ता में कोई अंतर नहीं होना चाहिए, चाहे वे निर्यात के लिए हों या भारत में गरीबों के लिए। गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। वर्तमान में व्यवस्था इसे सुनिश्चित करने में विफल है। उन्होंने कहा कि औषधि नियंत्रण विभाग ने दवा की गुणवत्ता के प्रमाणन के संबंध में एक पत्र लिखा था, लेकिन राज्य प्रयोगशाला ने अन्यथा रिपोर्ट दी। हम मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के निष्कर्षों पर विवाद नहीं कर सकते और उनकी रिपोर्ट को स्वीकार करना चाहिए। बल्लारी अस्पताल को

13 नवंबर को सरकार के ध्यान में आई

यह घटना 13 नवंबर को सरकार के ध्यान में आई, जिसके बाद जांच के लिए तुरंत एक टीम भेजी गई। राव ने कहा कि बल्लारी अस्पताल में पहले 2,000 से अधिक प्रसव हो चुके हैं, जिनमें से किसी की भी मृत्यु नहीं हुई है। डॉक्टरों की एक विशेषज्ञ टीम ने 14 नवंबर को अस्पताल का दौरा किया और दो दिन बाद एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय डॉक्टरों ने लापरवाही या कर्तव्य में लापरवाही नहीं दिखाई है और उचित प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल का पालन किया गया है। मंत्री राव ने जोर देकर कहा कि ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा हमें निर्माता की लापरवाही या किसी अन्य कारण से परिवार में मां की मौत के परिणामों पर विचार करना चाहिए। हम झूठी रिपोर्ट देने वाली प्रयोगशालाओं के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा की जानी चाहिए और इस त्रासदी के आलोक में व्यवस्थागत खामियों को दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, ड्रग कंट्रोल ऑफ इंडिया और पश्चिम बंगाल सरकार की टीमों द्वारा संबंधित दवा कंपनी के दौरे के बाद विनिर्माण प्रक्रिया के बारे में चिंता जताई गई। राव ने बताया कंपनी को उत्पादन रोकने का नोटिस जारी किया गया है, जिससे सभी दवा निर्माण गतिविधियां रोक दी गई हैं। निर्माता को ऐसी गलतियां करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। खाद्य नियंत्रण विभाग और औषधि नियंत्रण विभाग की निगरानी अब राज्य में एक आईएएस अधिकारी द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा हमें किसी भी रूप में ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। यह हमारे देश में व्यवस्था की वर्तमान स्थिति है। महाराष्ट्र में एक कंपनी ने नकली पाउडर युक्त एंटीबायोटिक्स की आपूर्ति की। राव ने जोर देकर कहा हमारे देश में दवा लॉबी बहुत बड़ी है और केंद्र सरकार के स्तर पर इसका मजबूत प्रभाव है। नियामक कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जाता है। हमारे देश को एक ऐसी व्यवस्था की जरूरत है जो यह सुनिश्चित करे कि केवल गुणवत्ता वाली दवाएं ही बनाई जाएं। हमें इस लक्ष्य की ओर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने घोषणा की विकास आयुक्त को मातृ मृत्यु त्रासदी पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। राज्य में प्रत्येक मातृ मृत्यु मामले की जांच करने के लिए सख्त आदेश दिए गए हैं, और मातृ मृत्यु ऑडिट किया जा रहा है। मातृ मृत्यु पर बात करते हुए राव ने बताया बल्लारी जिला अस्पताल में यह घटना 9, 10 और 11 नवंबर को हुई। कुल 34 सीजेरियन सर्जरी की गईं, जिनमें से सात मामले गंभीर हो गए। दुखद रूप से, प्रसव के बाद पांच महिलाओं की मौत हो गई, जबकि दो ठीक हो गईं और उन्हें छुट्टी दे दी गई।

सिद्धरामैया ने मुडा मामले में पुलिस अधिकार का किया दुरुपयोग: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को चुप कराने के लिए पुलिस के अधिकार का दुरुपयोग किया है। कर्नाटक भाजपा प्रमुख बी.वाई. विजयेंद्र ने स्नेहमयी कृष्णा के खिलाफ एफआईआर पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपने खिलाफ जांच को रोकने के लिए लगातार अपने अधिकार का दुरुपयोग किया है, जबकि उन्हें पता है कि उनके खिलाफ आरोप सही साबित हो सकते हैं। जैसा कि याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने बताया है, कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने उन्हें लुभाने या दबाव बनाने में विफल रहने के बाद उन्हें चुप कराने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल करने की शर्मनाक रणनीति अपनाई है। भाजपा पार्टी राज्यपाल से आग्रह करती है कि वे मुख्यमंत्री के इशारे पर नाचने वाले अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी दावा किया कि जांच को देखने वालों को यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री ने लोकायुक्त को प्रभावित किया है। इस संदर्भ में, चूंकि उच्च न्यायालय में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करने वाली याचिका अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है, इसलिए मुख्यमंत्री स्पष्ट रूप से परेशान हैं। उन्होंने दावा किया कि शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को चुप कराने के प्रयास में, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को झूठी शिकायत दर्ज करने और उन्हें गिरफ्तार करने का निर्देश देकर पुलिस अधिकार का दुरुपयोग किया है। विजयेंद्र ने कहा इस साजिश के खिलाफ उच्च न्यायालय द्वारा जारी स्थगन आदेश एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है। इससे पहले, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने चामुंडेश्वरी मंदिर प्राधिकरण सचिव एम.जे. रूपा की शिकायत के आधार पर, ड्यूटी में बाधा डालने के आरोप में स्नेहमयी कृष्णा के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर मंगलवार को स्थगन जारी किया था। स्नेहमयी कृष्णा ने आरोप लगाया था कि रूपा भक्तों द्वारा देवी चामुंडेश्वरी को उपहार में दी गई साड़ियों को बेचने में शामिल थीं। मुडा मामले में सिद्धरामैया के परिवार को मुडा द्वारा 14 साइटों का कथित अवैध आवंटन शामिल है। आरोपों के बाद, सिद्धरामैया के परिवार ने साइटें वापस कर दीं। फिलहाल कर्नाटक लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इस मामले की जांच कर रहे हैं। स्नेहमयी कृष्णा ने मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

क्रेन दुर्घटना में ऑपरेटर की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकास द्वार के पास एक दुखद घटना में, एक क्रेन ऑपरेटर की उस वक्त जान चली गई, जब वह क्रेन चला रहा था। यह घटना बाजपे पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के क्रेन ऑपरेटर अरुण कुमार जाधव के रूप में हुई है। क्रेन हवाई अड्डे के निकास मार्ग से अद्यापडी से केंजर जंक्शन की ओर जा रही थी। रिपोर्ट के अनुसार वाहन सड़क के ढलान वाले हिस्से पर नियंत्रण खो बैठा और खाई में गिर गया। क्रेन के नीचे फंसे ऑपरेटर को निकालने के लिए लगभग 30 मिनट तक बचाव अभियान चलाना पड़ा। बचाव दल ने एक अन्य क्रेन की मदद से वाहन को उठाया और ऑपरेटर को बाहर निकाला। दुर्घटना के बाद, अरुण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्भाग्य से, चिकित्सा हस्तक्षेप के बावजूद, उन्होंने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मेंगलूरु उत्तर स्टेशन से यातायात पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना की प्रारंभिक जांच की।

मालपे समुद्र तट पर छात्र पर्यटकों की भीड़ के कारण सुरक्षा उपायों में वृद्धि की आवश्यकता

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

तटीय कर्नाटक के प्रमुख पर्यटन स्थल मालपे बीच पर छुट्टियों के मौसम के चलते पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही है।

इनमें बड़ी संख्या में छात्र पर्यटक भी शामिल हैं, जिनके आने से पड़ोसी तटीय क्षेत्रों में डूबने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई गई है। इसने आगंतुकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया है। आस-पास के क्षेत्रों में डूबने से होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या के लिए मुख्य रूप से लापरवाही और अपर्याप्त सुरक्षा प्रावधानों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। मालपे बीच पर इसी तरह की त्रासदियों को रोकने के लिए, अधिकारियों से अधिक

लाइफगार्ड तैनात करने, बचाव स्टेशनों को उन्नत उपकरणों और नावों से लैस करने और समुद्र तट के साथ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सुरक्षा अधिकारियों को तैनात करने का आग्रह किया गया है। इसके अतिरिक्त, पर्यटकों को शिक्षित और सतर्क करने के लिए स्पष्ट संकेत और अद्यतन सुरक्षा दिशानिर्देश आवश्यक हैं। पर्यटकों को समुद्र में प्रवेश करते समय सावधानी बरतने की दृढ़ता से सलाह दी जाती है। गहरे पानी से बचना, उच्च ज्वार के दौरान तैरने से बचना और लाइफगार्ड के निर्देशों का पालन करना व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। स्कूल समूहों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जो अक्सर बड़ी संख्या में आते हैं। शिक्षकों और पर्यवेक्षकों से आग्रह किया गया है कि वे छात्रों पर कड़ी निगरानी रखें और इन भ्रमणों के दौरान सख्त सुरक्षा नियम लागू करें। सामाजिक कार्यकर्ता ईश्वर मालपे ने व्यक्तिगत और संस्थागत जिम्मेदारी दोनों के महत्व पर जोर देते हुए कहा हर कोई मुरुदेश्वर में हाल ही में हुई त्रासदी को याद करता है।

मालपे में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। हमने कई स्कूलों को सलाह दी है कि वे छात्रों को गहरे पानी में जाने से सख्ती से मना करें, उन्हें ज्यादा से ज्यादा घुटने के स्तर तक सीमित रखें। दुखद रूप से, लापरवाही के कारण लगातार डूबने की घटनाएं हो रही हैं, जिससे परिवारों को बहुत दुख हो रहा है। हमारी टीम इन खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। लाइफगार्ड, केएनडी कर्मियों, पुलिस और स्थानीय लोगों की चेतावनियों के बावजूद, कई पर्यटक सुरक्षा निर्देशों की अनदेखी करते हैं, जिससे घातक दुर्घटनाएँ होती हैं। आस-पास के रिसॉर्ट या होमस्टे में रहने वाले लोग समुद्र में लापरवाही बरतने के लिए विशेष रूप से प्रवण होते हैं। मैं सभी से सुरक्षा को प्राथमिकता देने और पानी में प्रवेश करते समय सावधानी बरतने का आग्रह करता हूँ। सख्त सुरक्षा उपायों और बढ़ी हुई जागरूकता के साथ, मालपे बीच पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए एक जीवंत और सुरक्षित गंतव्य बना रह सकता है।

आंतरिक आरक्षण में खानाबदोशों के लिए मिले अधिक प्रतिनिधित्व: आर. अशोक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मांग की कि आंतरिक आरक्षण में खानाबदोशों को अधिक प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। यहां मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हमारी भाजपा सरकार ने आंतरिक आरक्षण बनाया था। उन्होंने बताया कि आज 49 से अधिक समुदाय अपनी मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर यहां आये हैं। घुमंतू समुदाय हिंदू धर्म का एक हिस्सा है। यह सबसे गरीब जाति है। कुछ के पास तो स्थायी पता भी नहीं है। कुछ के पास घर भी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा समुदाय है जो एक शहर से दूसरे शहर घूमता रहता है। उन्हें एक घर ढूंढना चाहिए। भाजपा इन सभी का समर्थन कर रही है। जब जगदीश शेट्टर मुख्यमंत्री थे, जब हमारी सरकार थी, हमने एक निगम बनाया और पैसा दिया। उन्होंने आपत्ति जताई कि हमने जो दिया था, वह इस कांग्रेस सरकार ने वापस ले लिया है। हमने जो निगम बनाया, उसमें खड़गे ने अपने क्षेत्र के समुदाय को धन हस्तांतरित किया। उनके पास पाँच से छह लाख लोग हैं और उन्होंने इसे अन्य समुदायों तक पहुँचाया है। यह अच्छा नहीं है और हम इस बारे में चर्चा करेंगे। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य सीटी रवि और पार्टी नेता मौजूद थे।

केआईएडीबी द्वारा सीए साइटों के आवंटन में मानदंडों का नहीं हुआ उल्लंघन: मंत्री

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री एम.बी. पाटिल ने विधान परिषद को सूचित किया कि कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा नागरिक सुविधा स्थलों के आवंटन में कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। वे विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान परिषद में सदस्य सी.टी. रवि द्वारा लगाए गए आरोप का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि केआईएडीबी सीए की सभी साइटें कर्नाटक सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आवंटित की गई हैं और भूखंडों के आवंटन में कोई अनियमितता नहीं हुई है। मंत्री ने कहा कि केआईएडीबी द्वारा विकसित 96.59 एकड़ में से जून 2023 के बाद विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में 41 सीए/सुविधा भूखंड आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा इनमें कोई अनियमितता नहीं पाई गई। बोर्ड के नियमों के अनुसार,

आवंटियों को निर्धारित अवधि के भीतर भूखंड के लिए बकाया राशि का भुगतान करना होता है, आवंटन पुष्टि पत्र, कब्जा पत्र प्राप्त करना होता है और फिर 10 साल की अवधि के लिए पट्टा और बिक्री समझौता करना होता है। उन्होंने कहा लीज और बिक्री समझौते की शर्तों के अनुसार, आवंटियों के पास अपनी परियोजनाओं को लागू करने के लिए लीज और बिक्री समझौते की तारीख से तीन साल की अवधि है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि चूंकि बोर्ड ने हाल ही में सीए/सुविधा भूखंड आवंटित किए हैं, इसलिए कुछ अभी भी परियोजना कार्यान्वयन के चरण में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूखंडों का अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने का कोई मामला नहीं है।

जहरीली शराब कांड में स्टालिन सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

कल्लाकुरिची शराब कांड की सीबीआई जांच जारी रहेगी

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

कल्लाकुरिची जहरीली शराब कांड की सीबीआई जांच को लेकर सुप्रीम कोर्ट से तमिलनाडु सरकार को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें जहरीली शराब कांड की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच को चुनौती दी गई थी। याचिका में मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। घटना में जहरीली शराब पीकर 67 लोगों की मौत हो गई थी।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने मंगलवार को कहा कि वह हाईकोर्ट के आदेश में किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं करना चाहती। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता की दलीलें सुनने और रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री को देखने के बाद हमें हाईकोर्ट के तर्कसंगत फैसले में हस्तक्षेप करने का कोई उचित कारण नहीं नजर आता। इसलिए विशेष अनुमति याचिकाएं खारिज की जाती हैं।

इससे पहले हाईकोर्ट ने अन्नाद्रमुक के विधिक प्रकोष्ठ के सचिव और पूर्व विधायक आई एस इन्बादुरई, एडवोकेट्स फोरम फॉर सोशल जस्टिस के अध्यक्ष के. बालू तथा दो अन्य की याचिकाओं पर 20 नवंबर को आदेश सुनाया था। याचिकाकर्ताओं ने जहरीली शराब कांड की सीबीआई जांच की मांग की थी। कोर्ट ने कहा था कि सीबीआई को मामलों के हस्तांतरण के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के संदर्भ में हमारा प्रथम दृष्टया विचार है कि यह कल्लाकुरिची शराब त्रासदी मामला दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में से एक है, जिसके लिए सीबीआई की निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। कोर्ट ने तमिलनलाडु पुलिस को सीबी-सीआईडी (विल्लुपुरम) के पास से मामलों से जुड़ी पूरी केस डायरी दो सप्ताह में सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया था।

हाईकोर्ट ने सीबीआई (चेन्नई) को इस संबंध में दर्ज तीनों मामलों में जांच का निर्देश दिया था। कोर्ट ने उसे यह निर्देश भी दिया था कि वह तीनों मामलों के सभी पहलुओं की जांच करे और जल्द से जल्द संबंधित अदालत के समक्ष अंतिम रिपोर्ट दाखिल करे।

संदिग्ध बांग्लादेशी और रोहिंग्या की मौजूदगी खतरनाक

पुलिस ने शुरू किया सघन सत्यापन अभियान

देहरादून, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

देहरादून और उसके आसपास के इलाकों में बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की मौजूदगी को लेकर पुलिस ने सघन सत्यापन अभियान शुरू किया है। इस अभियान में बड़ी संख्या में बंगाल और असम के मूल निवासियों के तौर पर पहचाने जा रहे संदिग्ध लोग सामने आए हैं। इन लोगों के उत्तराखंड जैसे शांतिपूर्ण राज्य में आने और झुग्गियां बसाने के कारणों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए गृह मंत्रालय ने भी राज्य पुलिस से इस विषय पर रिपोर्ट मांगी है।

उत्तराखंड पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजेय सिंह ने जानकारी दी कि सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए देहरादून के शहरी और ग्रामीण इलाकों में सत्यापन अभियान शुरू किया गया है। उन्हें कुछ संवेदनशील इनपुट्स मिले थे, जिनमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों के कुछ स्थानों पर होने की सूचना दी गई थी। इस इनपुट के आधार पर पुलिस ने 9 थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक नगर, विकासनगर और ऋषिकेश के नेतृत्व में पुलिस की टीमों ने मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों और मलिन बस्तियों में गहन छानबीन की। अभियान के तहत लगभग 1004 बाहरी व्यक्तियों के दस्तावेज और पहचान पत्र सत्यापित किए गए।

सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस ने पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी, मुर्शिदाबाद, 24 परगना और असम के बरपेटा, गोलपारा और बुगईगांव जिलों के मूल पते वाले लगभग 177 परिवारों की पहचान की। इनमें से 75 संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस ने पूछताछ के लिए थाने बुलाया। इनसे आवश्यक पूछताछ की जा रही है और उनके डेटा का संकलन कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, इन प्रवासियों का झुग्गी-झोपड़ियां बनाकर बसना और बिना किसी ठोस प्रमाण के खुद को असम और बंगाल के निवासी बताना गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। सवाल यह है कि ये लोग इतने दूर उत्तराखंड में क्यों आकर बस रहे हैं? क्या ये केवल प्रवासी मजदूर हैं या फिर बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिक हैं, जो किसी षड्यंत्र के तहत यहां पहुंच रहे हैं?

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए गृह मंत्रालय ने पुलिस प्रशासन से इस विषय पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पुलिस द्वारा जुटाए गए डेटा और जानकारी को मंत्रालय को सौंपा जाएगा। इसके बाद उच्च स्तर पर इस पर निर्णय लिया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल ने लॉन्च की संजीवनी स्कीम

60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों का इलाज होगा मुफ्त

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत दिल्ली में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों का इलाज मुफ्त होगा।

अरविंद केजरीवाल ने योजना की घोषणा करते हुए कहा कि दिल्ली वालों के लिए संजीवनी लेकर आया हूं। दिल्ली में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मिलेगा। इलाज का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। ये केजरीवाल की गारंटी है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर रजिस्ट्रेशन करेंगे। दिल्ली के पूर्व सीएम ने कहा कि सरकारी या प्राइवेट अस्पतालों में फ्री इलाज होगा। कोई अपर लिमिट नहीं होगी। कोई एपीएल, बीपीएल कार्ड नहीं चाहिए। इसका

रजिस्ट्रेशन दो-तीन दिन में शुरू हो जाएगा। हमारे कार्यकर्ता आपके घर में आएंगे, आपको एक कार्ड देंगे, उसे संभालकर रखना। चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर योजना बनाएगी और लागू करेगी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को संजीवनी योजना के तहत निजी और सरकारी दोनों अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिलेगा। इलाज की लागत की कोई ऊपरी सीमा नहीं होगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन एक-दो दिन में शुरू हो जाएगा। आप कार्यकर्ता रजिस्ट्रेशन के लिए आपके घर आएंगे। वे आपको एक कार्ड देंगे, जिसे आप सुरक्षित रखिएगा। चुनाव के बाद जब हम सत्ता में आएंगे तो यह नीति लागू की जाएगी। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं के लिए महिला सम्मान योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं के खाते में हर महीने सरकार एक हजार रुपए भेजेगी। वहीं, केजरीवाल ने चुनाव के बाद महिलाओं को एक हजार की जगह 2100 रुपए देने की भी बात कही।

केजरीवाल का दावा है कि दोबारा आप की सरकार बनने पर यह राशि 2100 रुपए कर दी जाएगी। अरविंद केजरीवाल के मुताबिक, हर महिला के अकाउंट हर महीने कुछ पैसे डलवाने का वादा बीते मार्च में किया था। 18 वर्ष से अधिक उम्र की हर महिला को योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए महिलाओं को रजिस्ट्रेशन करना होगा। जो महिलाएं रजिस्ट्रेशन करेंगी उनके अकाउंट में हर महीने पैसे आने शुरू हो जाएंगे।

सीबीआई की याचिका पर यासीन मलिक नहीं दे पाए जवाब

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी यासीन मलिक और पांच अन्य आरोपी जम्मू में उनके खिलाफ चल रहे ट्रायल को दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग वाली सीबीआई की याचिका पर जवाब नहीं दे पाए हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने उनको दो सप्ताह का समय दिया है। सुप्रीम कोर्ट में रुबिया अपहरण केस और वायु सेना अधिकारी हत्या मामले में चल रही सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया। इससे पहले 28 नवंबर को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया था।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि मामले में छह आरोपियों ने सीबीआई की याचिका पर अपने

जवाब दाखिल नहीं किए हैं। उनको दो सप्ताह में जवाब देना होगा। मामले की अगली सुनवाई अब 20 जनवरी को होगी। पीठ ने कहा कि अगर मुकदमे को स्थानांतरित किया जाना है तो सभी आरोपियों को सुनना जरूरी है।

यासीन मलिक और पांच अन्य आरोपियों के खिलाफ दो मामलों में सुनवाई चल रही है। पहला मामला 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर में गोलीबारी में चार भारतीय वायु सेना कर्मियों की हत्या से जुड़ा है। जबकि दूसरा मामला आठ दिसंबर 1989 को तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण से जुड़ा है। रुबैया सईद के अपहरण के बदले भाजपा समर्थित वीपी सिंह सरकार ने पांच आतंकवादियों को रिहा किया था। सीबीआई ने 1990 के दशक की शुरुआत में इस मामले को अपने हाथ में लिया था। मामले में सीबीआई ने यासीन मलिक समेत 10 लोगों को याचिका में पक्षकार बनाया है। इनमें से छह आरोपियों ने सीबीआई की याचिका पर अपना जवाब दाखिल नहीं किया है।

शीर्ष अदालत जम्मू ट्रायल कोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे मलिक को निर्देश दिया गया था कि उन्हें राजनेता मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रूबिया सईद के अपहरण के मामले में अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने के लिए शारीरिक रूप से पेश किया जाए। इस मामले में सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि तिहाड़ जेल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये मामले की सुनवाई करने की सुविधा पहले से उपलब्ध है। मलिक को अदालत ले जाने की जरूरत नहीं है। तिहाड़ जेल में कोर्ट लगता है, इससे पहले भी कई मामले की सुनवाई होती रही है। सीबीआई ने अपनी याचिका में कहा था कि दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद मलिक को सुरक्षा कारणों से जम्मू नहीं ले जाया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में ही जम्मू कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी।

यासीन को एनआईए की विशेष अदालत ने आतंकी फंडिंग मामले में बीते साल 25 मई को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। यासीन को दो मामलों में उम्रकैद और 10 मामलों में 10 साल सजा सुनाई गई। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसके अलावा उस पर 10 लाख रुपए जुर्माना भी लगाया गया था। मलिक तिहाड़ जेल में बंद है।

जेपीसी में प्रियंका गांधी के नाम का प्रस्ताव देगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

एक देश एक चुनाव विधेयक पर विस्तृत चर्चा के लिए जेपीसी का गठन किया जा रहा है। इस जेपीसी में कांग्रेस, प्रियंका गांधी के नाम का प्रस्ताव दे सकती है। प्रियंका गांधी के अलावा इस समिति में मनीष तिवारी, सुखदेव भगत रणदीप सुरजेवाला के नाम की भी चर्चा है। गौरतलब है कि केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को लोकसभा में एक देश एक चुनाव विधेयक पेश किया था।

सहमति के बाद इस विधेयक को विस्तृत चर्चा के लिए संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा गया है। अब जेपीसी गठन की तैयारी शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जेपीसी में 31 सांसद शामिल हो सकते हैं, जो विधेयक की समीक्षा करेंगे। 31 सदस्यों में से 21 सदस्य लोकसभा से और 10 सांसद राज्यसभा से होंगे। गठन के बाद 90 दिनों के भीतर समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। हालांकि समयसीमा को बढ़ाया भी जा सकता है।

जेपीसी के लिए राजनीतिक पार्टियों से अपने सांसदों के नाम

देने के लिए कहा गया है। किस पार्टी से कितने सांसद होंगे, अभी ये तय नहीं है, लेकिन लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते जेपीसी अध्यक्ष और सबसे ज्यादा सांसद भाजपा के होंगे। गौरतलब है कि देश में लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए सरकार ने लोकसभा में संविधान (129वां) संशोधन विधेयक पेश किया है। इसे एक देश एक चुनाव विधेयक कहा जा रहा है। विधेयक के संसद से पारित होने के बाद साल 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रपति अधिसूचना जारी लोकसभा की पहली बैठक की तारीख तय करेंगे। जब 2029 में चुनी गई लोकसभा का कार्यकाल पूरा होगा तो सभी विधानसभाओं का कार्यकाल भी पूरा मान लिया जाएगा। जिसके बाद 2034 में संभवतः पूरे देश में एक साथ चुनाव कराए जा सकेंगे।

वैष्णो देवी में रोप-वे के खिलाफ कटड़ा बंद, श्रद्धालु हुए परेशान

जम्मू, 18 दिसंबर (ब्यूरो)।

माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की ओर से वैष्णो देवी तीर्थस्थान पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए जा रहे रोप-वे के विरोध में आज कटड़ा बंद रहा। विरोध प्रदर्शनों के बीच आने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना इसलिए करना पड़ा क्योंकि पिट्ठू खच्चरवाले भी इस आंदोलन में कूद चुके हैं। हालांकि प्रशासन ने कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए कटड़ा शहर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी है। इस परियोजना के तहत श्राइन बोर्ड ताराकोट मार्ग से सांझी छत तक 12 किलोमीटर लंबा रोप-वे निर्माण कराएगा, जिसकी लागत 250 करोड़ रुपए है।

कटड़ा से माता वैष्णो देवी मंदिर परिसर तक बन रहे रोप-वे के विरोध में श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति की ओर से कटड़ा बंद का आह्वान किया गया था, जिसका व्यापक असर बुधवार सुबह से ही कटड़ा में देखने को मिला। कटड़ा में सभी छोटे-बड़े

व्यापारिक प्रतिष्ठान और दुकानें बंद रहीं जबकि आटो रिक्शा सड़कों से नदारद रहे। वहीं श्री माता वैष्णो देवी यात्रा के लिए चलने वाले घोड़े और पिट्ठू वाले भी इस हड़ताल में शामिल हुए। बुधवार सुबह से ही कटड़ा की सड़कों पर देशभर से पहुंचे श्रद्धालु यहां-वहां भटकते दिखाई दिए। रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद ये श्रद्धालु अपनी यात्रा शुरू करने के लिए न तो किसी आटो से सफर कर पाए और न ही इन्हें खाने-पीने के लिए कुछ मिला।

देश विदेश से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं का कहना था कि उन्हें हड़ताल के कारण काफी दिक्कतें हो रही हैं। इन श्रद्धालुओं का कहना है कि ना तो उन्हें सुबह कटरा में ब्रेकफास्ट मिला और न ही उन्हें होटल से यात्रा शुरू करने वाले पाइंट तक जाने के लिए कोई यात्री वाहन ही मिल पाया। वैष्णो देवी संघर्ष समिति के सदस्यों ने इस बंद के दौरान कहा है कि अगर कटड़ा रोप-वे बंद नहीं किया गया तो उनका प्रदर्शन उग्र हो जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड प्रशासन पर होगी। मां वैष्णो देवी संघर्ष समिति कटड़ा की ओर से बुधवार को प्रदर्शन किया गया। रोप-वे बनाए जाने के विरोध में ये प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि यह रोप-वे लगने से हमारे रोजगार पर पूरी तरीके से असर होगा और हम यह होने नहीं देंगे। इसके चलते माता वैष्णो देवी के दर्शन करने आए भक्त काफी परेशान हैं।

दरअसल नए रोप-वे प्रोजेक्ट से 7 घंटे का सफर एक घंटे में पूरा हो जाए। श्री वैष्णो देवी मंदिर श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग कहते थे कि 250 करोड़ रुपए की लागत के नए रोप-वे प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिल गई है। इसके तहत कटरा से सांझीछत जाने में महज 6 मिनट का वक्त लगेगा। इसके बाद 45 से 50 मिनट में वैष्णो देवी भवन तक पहुंचा जा सकता है। फिलहाल भक्तों को मंदिर तक पहुंचने में चढ़ाई करके 6-7 घंटे लगते हैं। प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद श्रद्धालु को सिर्फ 1 घंटा लगेगा। रोप-वे एक घंटे में 1000 लोगों को एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकेगा।

कठुआ में आग लगने से 6 की मौत, 4 गंभीर

जम्मू, 18 दिसंबर (ब्यूरो)।

जम्मू संभाग के कठुआ जिले में एक रिहायशी घर में आग लगने से दो बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना शिव नगर कठुआ के वार्ड नंबर 16 में एक रिहायशी घर में आधी रात को हुई।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, आग एक किराये के कमरे में लगे लैंप की वजह से लगी और कमरे के अन्य हिस्सों में फैल गई, जबकि कमरे के अंदर मौजूद व्यक्ति की धुएं की वजह से दम घुटने से मौत हो गई।

पीड़ितों की पहचान घर के मालिक रिटायर्ड डीएसपी अवतार कृष्ण, 81, गंगा भगत, 17, दानिश भगत, 15, बरखा रैना, 25, तकाश रैना, 3 और अदविक रैना, 4 के रूप में हुई है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घायलों में स्वर्णा, 61, नीतू देवी, 40, अरुण कुमार और केवल कृष्ण, 69 शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कठुआ में चल रहा है।

प्रिंसिपल जीएमसी सुरिंदर अत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना हाल ही में सेवानिवृत्त हुई हमारी असिस्टेंट मैट्रन से संबंधित है, जो किराए के मकान में रह रही थी। उन्होंने बताया कि इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटना रात करीब 2 बजे की है और प्रथम दृष्टया यह पता चला है कि पूजा कक्ष (जोत) में दीपक के कारण आग लगी और व्यक्ति की मौत दम घुटने से हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों के शरीर पर जलने का कोई निशान नहीं है, जबकि चारों घायलों की हालत स्थिर है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू और कश्मीर के कठुआ शहर के शिव नगर क्षेत्र में एक घर में आग लगने से छह लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा शिव नगर क्षेत्र, कठुआ शहर में आग की घटना में एक परिवार के 6 सदस्यों की आकस्मिक मृत्यु के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा मृतक परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थनाएं है। हमारी भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम, मंडल अध्यक्ष राहुल के नेतृत्व में मौके पर सहायता कर रही है।

संभल की मुस्लिम आबादी में एक और मंदिर बंद मिला

152 साल पुराना बांके बिहारी प्राचीन मंदिर खंडहर हाल में मिला

संभल, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

संभल में प्राचीन मंदिर मिलने के बाद अब चंदौसी के मुस्लिम बहुल लक्ष्मणगंज में 152 साल पुराना बांके बिहारी प्राचीन मंदिर मिला है। यह मंदिर अब खंडहर स्थिति में है। दावा है कि हिंदुओं के पलायन के बाद साल 2010 में शरारती तत्वों ने मूर्तियां खंडित कर दी थीं। मुस्लिम आबादी से घिरे क्षेत्र में रखरखाव न होने की वजह से धीरे-धीरे यह मंदिर अपना अस्तित्व खो चुका है।

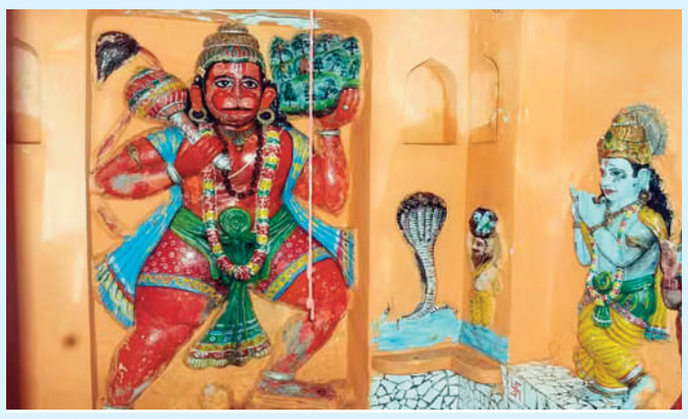

चंदौसी का लक्ष्मणगंज मोहल्ला नाम से तो सनातन की पहचान कराता है। लेकिन वर्तमान में यहां की आबादी शत प्रतिशत मुस्लिम बहुल है। 25 साल पहले तक यहां हिंदुओं की बड़ी आबादी होती थी, लेकिन धीरे-धीरे यहां मुस्लिम आबादी बढ़ती गई। इसके बाद हिंदुओं का पलायन शुरू हो गया इसका असर यहां मौजूद करीब 152 साल पुराने बांके बिहारी मंदिक पर पड़ा। कभी इस मंदिर में सुबह शाम पूजा अर्चना होती थी। हिंदू समाज लोग दर्शन के लिए पहुंचते थे। मंदिर के संरक्षक रहे कृष्णा कुमार के अनुसार साल 2010 तक मंदिर में पूजा अर्चना होती थी। इस साल शरारती तत्वों ने मंदिर में विराजमान भगवान बांके बिहारी क प्रतिमा और शिवलिंग समेत अन्य मूर्ति को खंडित कर दिया। पुलिस कार्रवाई भी हुई, लेकिन फिर इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। धीरे-धीरे मंदिर के गेट, शिखर आदि तोड़ दिए गए। मंदिर पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो चुका है। यहां मंदिर में मूर्तियों के स्थान पर उनके निशान नजर आते हैं।

1992 में संभल में हुए दंगे के बाद से बंद मोहल्ला कछवायन स्थित प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर को 32 साल के बाद मंगलवार को प्रशासन ने खुलवा दिया है। मंदिर की साफ सफाई के बाद लोगों ने पूजा-अर्चना शुरू कर दी है। मंदिर की सुरक्षा के लिए फोर्स तैनात की गई है। नगर निवासी सुमित कुमार सैनी ने बताया कि 1992 से पहले मोहल्ला कछवायन में मिश्रित आबादी थी। यहां पर सैनी समाज के 200 परिवार रहते थे। लेकिन 1992 में दंगा भड़का तो मोहल्ला मुस्लिम बहुल होने के चलते सैनी समाज के लोग काफी डर गए थे। जिसके बाद लोगों ने धीरे-धीरे पलायन शुरू कर दिया। कुछ ही समय में सैनी समाज के सभी परिवार अपने मकान मुस्लिमों को बेचकर हिंदू बहुल इलाकों में जाकर बस गए। जिसके बाद मंदिर बंद हो गया था। मुस्लिम बहुल क्षेत्र होने के कारण सैनी समाज के लोग नियमित पूजन नहीं करने के लिए आते थे।बताया गया कि मंदिर में लगे ताले की चाबी उनके भाई कल्लूराम सैनी के पास रहती है। त्यौहार के अवसर पर ही मंदिर को खोला गया है। 32 साल से नियमित पूजा नहीं की गई है। अब पुलिस-प्रशासन की पहल से इस मंदिर को खोला गया है। अब नियमित पूजन किया जाएगा। संभल में एक और मंदिर के कपाट खुलने के बाद से हिंदू समुदाय के लोगों में खुशी का माहौल है। लोगों ने मंदिर पर पहुंचकर दर्शन किए और पूजा- अर्चना कर खुशहाली की कामना भी की गई।

आजादी के बाद संभल दंगे की आग में बार-बार जला है। दंगों और बवाल की कीमत दोनों समुदाय के दर्जनों लोगों को अपनी जान से चुकानी पड़ी। जब भी दंगा हुआ डरे सहमे हिंदुओं ने मुस्लिम बहुल इलाकों से पलायन कर लिया था। यहां तक अपने मकान और संपत्ति भी औने-पौने दाम में बेच दिए थे। मोहल्ला कछवायन से पलायन करने वाले सैनी समाज के लोगों ने बताया कि जब 1992 में दंगा हुआ तो दिन-रात भय सताने लगा था। इसलिए धीरे धीरे सभी परिवारों ने मोहल्ले से पलायन कर लिया। सभी ने अपने मकान बेच दिए और राधा कृष्ण का प्राचीन मंदिर में भी ताला लग गया।

स्थानीय निवासी ऋषिपाल सिंह सैनी ने बताया कि मुस्लिम इलाके में मंदिर है। इसलिए किसी ने भी मंदिर को नियमित खोलने की हिम्मत नहीं दिखाई। त्योहार पर ही मंदिर खोला जाता था और पूजन करने के बाद बंद कर दिया जाता था। यह सिलसिला पिछले 32 वर्षों से चल रहा है। बताया कि 1982 में जीर्णोद्धार कराया गया था। करीब 200 वर्ष पुराना मंदिर है। इस मंदिर से सैनी समाज की आस्था जुड़ी रही है। संभल के एसपी केके विश्नोई ने कहा, मंदिर बंद पड़ा था। इसकी सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस की देखरेख में मंदिर की सफाई कराई गई है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिसकर्मी तैनात कर दिए हैं। अब लोगों ने नियमित पूजन करने की तैयारी की है।

शिव मंदिर कॉरिडोर के लिए गोला गोकर्णनाथ में चला बुलडोजर

लखीमपुर खीरी, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ में शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण को लेकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई तेजी से हो रही है। इस बीच ध्वस्तीकरण को लेकर नगर के दुकानदारों में विरोध के स्वर भी उठ रहे हैं। मंगलवार को प्रदर्शन भी हुआ। रात करीब 3:00 बजे से ही स्थानीय प्रशासन ने नगरपालिका की दुकानों का ध्वस्तीकरण शुरू कराया। इस दौरान भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई बुधवार को सूरज उगने के बाद भी जारी रही। एसडीएम गोला विनोद कुमार गुप्ता का कहना है कि कॉरिडोर के लिए जो प्रस्तावित नक्शा है, उसके अनुसार ही ध्वस्तीकरण का कार्य कराया जा रहा है। जल्द ही निर्माण कार्य भी शुरू होगा।

छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में गरजते बुलडोजर के शोर के बीच भवन मलबे के ढेर में बदलते जा रहे हैं। शिव मंदिर परिसर में तीन दिन के अंदर जिला पंचायत की 13 दुकानें और एक घर ध्वस्त कर दिया गया है। मंगलवार को शिव मंदिर के मुख्य मार्ग माली वाली गली का ध्वस्तीकरण शुरू हुआ। छोटी काशी में कॉरिडोर बनने की खुशी के बीच दुकान और आशियाने उजड़ जाने से लोगों में उदासी है। मंगलवार को प्राचीन शिव मंदिर के उत्तर ध्वस्तीकरण के लिए लाल निशान लगे मकान की देहरी पर महिला उदास बैठी दिखाई दी। उसके चेहरे पर आशियाना उजड़ने की चिंता साफ दिख रही थी।

शिव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण चार चरणों में पूरा होगा। इसके पहले चरण में ध्वस्तीकरण, मार्ग एवं नाली निर्माण कराया जा रहा है। दूसरे चरण में समतलीकरण, तीसरे चरण में कॉरिडोर का निर्माण और चौथे चरण में सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। अभी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चल रही है। जिला पंचायत की दुकानें और नगर पालिका परिषद के भवन ढहाए जा रहे हैं। वहीं नगर पालिका परिषद की सात दुकानों, आवासीय भवनों एवं धर्मशाला-ाओं अंगद धर्मशाला, बरेली धर्मशाला, रामपुर धर्मशाला, महादेव धर्मशाला सहित 12 निर्माणों का ध्वस्तीकरण होना है। कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के जेई अक्षय आनंद सिंह ने बताया कि अभी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चल रही है, जो निर्माण का पहला चरण है। इसके बाद परिसर का समतलीकरण होगा।

शिव मंदिर कॉरिडोर में मेला मैदान को लेकर दुकानदारों में असमंजस की स्थिति एसडीएम ने दूर कर दी है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार से आहत युवक ने सनातन धर्म अपनाया

सीतापुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीतापुर जिले के अटरिया थाना क्षेत्र से एक दिलचस्प घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों से आहत होकर इस्लाम धर्म को छोड़कर सनातन धर्म अपनाया। इस युवक का नाम फखरुद्दीन था, जो अब अपना नाम बदलकर फतेह बहादुर सिंह हो गया है।

यह घटना बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे उत्पीड़न और उनके खिलाफ बढ़ते हिंसक घटनाओं से प्रेरित है। बांग्लादेश में हिंदू धर्म के अनुयायियों पर हो रहे अत्याचारों और उनके उत्पीड़न को देखकर फखरुद्दीन ने अपनी आस्था पर पुनर्विचार किया और सनातन धर्म अपनाने का संकल्प लिया। फखरुद्दीन ने अपनी आस्था परिवर्तन की प्रक्रिया को हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार पूरा किया। सोमवार की शाम को उन्होंने सीतापुर के काली पीठ मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सिर मुंडवाया और हवन पूजन किया। इस दौरान उन्होंने भगवा वस्त्र धारण किए और अपना नाम फतेह बहादुर सिंह रखा। यह घटना राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के पदाधिकारियों की मौजूदगी में हुई, जिनमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू भी शामिल थे।

फतेह बहादुर सिंह ने इस बारे में कहा, मुझे सनातन धर्म की सच्चाई और मोहब्बत ने आकर्षित किया। जब मैंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के बारे में सुना, तो मेरा मन बहुत दुखी हुआ। मैंने हिंदू धर्म को अपनाने का फैसला किया और राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के अध्यक्ष विकास हिंदू से मिलने के बाद इस निर्णय को अंतिम रूप दिया।

स्कूटी-मोटरसाइकिल से ढोया गया 1.32 करोड़ का चारा!

यूपी में भी हो रहा लालू स्टाइल का चारा घोटाला

कानपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूपी में भी लालू स्टाइल का चारा घोटाला पकड़ा गया है। कानपुर के पशु पालन विभाग में करोड़ों रुपए के चारा घोटाले का मामला सामने आया है। गोशाल-ाओं में करीब 500 क्विंटल चारा ढोया गया था। लेकिन जो बिल लगाए गए, उनमें स्कूटी, बाइक, कार, ऑटो के नंबर दर्ज थे। सोशल ऑडिट टीम ने वर्ष 2019 से 2021 में 19 ग्राम पंचायतों में फर्जीवाड़ा पकड़ा था। अब शासन ने सीडीओ से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है, जिस पर सचिवों को एक सप्ताह में बिल जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसकी जांच रिपोर्ट अधिकारी दो साल से दबाए बैठे थे। पंचायत सचिवों ने बिधनू, भीतरगांव, बिल्हौर, शिवराजपुर, सरसौल, घाटमपुर, पतारा और ककवन ब्लॉक में गोशालाओं में चारा खरीद के नाम पर जमकर बंदरबांट किया। ऑडिट टीम को जांच में पता चला कि करीब 42 लाख रुपए का भुगतान गोसेवकों के नाम पर किया गया है। बिधनू ब्लॉक की कठारा ग्राम पंचायत में भूसा, चूनी, चोकर व चरी खरीद के नाम पर 33.53 लाख रुपए की गड़बड़ी की गई।

प्रधान और सचिव बिना किसी काम के 1.60 लाख रुपए डकार गए। घाटमपुर ब्लॉक में 11.67 लाख रुपए का घोटाला चारे के नाम पर किया गया। धर्मकांटा की फर्जी रसीद लगाकर मेसर्स श्री सिंह ट्रेडिंग कंपनी को 4.90 लाख रुपए का भुगतान दिखा दिया । टिकवापुर की गोशाला में 3.36 लाख और सजेती में 80 हजार रुपए का फर्जीवाड़ा किया गया। ऑडिट टीम ने गोशालाओं की जांच कर सितंबर 2022 में रिपोर्ट तत्कालीन डीडीओ और तत्कालीन मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आरपी मिश्रा को सौंपी थी। तत्कालीन सीडीओ महेंद्र कुमार ने जांच के बाद कार्रवाई के निर्देश दिए थे, लेकिन सचिवों और प्रधानों की मिलीभगत से अफसर जांच दबाकर बैठ गए। ऑडिट विभाग ने मामले की जानकारी शासन को दी। शासन ने सीडीओ से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है, जिस पर पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने संबंधित सचिवों को पत्र लिखकर जवाब-तलब किया है।

ऑडिट टीम की जांच में स्कूटी पर 121 क्विंटल भूसा एक बार में लादकर सरसौल के रामपुर की गोशाला में पहुंचा दिया गया। इसमें करीब 69,945 रुपए रुपए खर्च होना भी बताया। धर्मकांटा में भूसा तौल कराने की कंप्यूटराइज्ड रसीदें भी लगाई थीं। ऑडिट टीम ने बिल में दर्ज नंबर को जब परिवहन विभाग के एप पर चेक किया तो ये नंबर स्कूटी का निकला। ऑडिट टीम ने घाटमपुर की कटरी ग्राम पंचायत में भी गोशाला तक भूसा पहुंचाने का फर्जी बिल पकड़ा। गोशाला में भूसा पहुंचने और धर्मकांटा पर तौले की तारीख में करीब 10 माह का अंतर था। रिपोर्ट के अनुसार, ओम धर्मकांटा हिलौली रोड उन्नाव की रसीद में सात नवंबर 2019 को भूसा तौला गया था, जबकि गोशाला के स्टॉक रजिस्टर में 14 सितंबर 2020 को आया दिखाया गया था।

कठारा, सजेती, महिपालपुर, बौसर सरसौल, गागूपुर बिल्हौर, पतारा, कटरी घाटमपुर, बेहटा गंभीरपुर, गढ़ी बिहारीपुर, खेरसा बिधनू, पलिया बुजुर्ग, सुघरदेवा, शिवराजपुर, बिल्हौर, मोहिद्दीनपुर, टिकवा और निवादा उधौ में चारा घोटाला सामने आया था। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के शासन में करीब 900 करोड़ रुपए का चारा घोटाला हुआ था। पशुपालन विभाग के अफसरों और ठेकेदारों की मिलीभगत से पशुओं के चारे, दवाओं के फर्जी बिल बनाकर करोड़ों रुपए गबन कर लिए गए थे। ये लंबे समय से खेल चल रहा था। इसी तरह कानपुर जिले में सचिवों ने ठेकेदारों की मिलीभगत से फर्जी बिल लगाकर सरकारी धन का गबन कर लिया।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आईडीएन चतुर्वेदी ने कहा कि ऑडिट टीम की तरफ से जो रिपोर्ट दी गई है, उसके आधार पर सचिवों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में बिल मांगे गए हैं। जो सही बिल उपलब्ध करा देंगे, उनको छोड़ दिया जाएगा। घोटाला करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मस्जिद और मदरसे में बिजली चोरी पकड़े जाने का मामला

176 के खिलाफ रिपोर्ट, 3.45 करोड़ का जुर्माना

संभल, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

संभल में बिजली विभाग की टीम ने मोहल्ला दीपा सराय, मियां सराय, रायसत्ती और हिंदूखेड़ा इलाके के 176 लोगों के खिलाफ मंगलवार को बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। साथ ही 3.45 करोड़ का जुर्माना भी लगाया है। वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कुलदीप कुमार विश्नोई के नेतृत्व में नगर के मोहल्ला दीपा सराय, हिंदूपुरा खेड़ा, रायसत्ती और मियां सराय में तीन दिन तक अभियान चलाया गया। जिसमें 176 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी गई थी। इसमें बकायेदार भी बिजली चोरी करते पकड़े गए हैं। सभी पर अलग अलग जुर्माना भार के हिसाब से तय किया गया है। वसूली की प्रक्रिया शुरू करा दी गई है।

एक मस्जिद में चोरी की बिजली जलाने के साथ ही करीब 150 घरों में सप्लाई दी जा रही थी। मस्जिद को एक तरह से मिनी बिजलीघर बना दिया था। अभियान के दौरान एक मस्जिद की छत पर तारों का गुच्छा मिला था। जिससे अनुमान लगाया गया था कि 150 मकानों के लिए कटिया कनेक्शन किए गए थे लेकिन कार्रवाई की सूचना के बाद लोगों ने अपने घर या खंभे के नजदीक से केबल को काट दिया था। अलग अलग स्थानों पर भी इसी तरह केबल काटने के निशान मिले थे। जिससे अनुमान लगाया गया था कि करीब 300 घरों में बिजली चोरी की जा रही थी।

मस्जिदों पर पकड़ी गई बिजली चोरी में हैरान कर देने वाली बात यह सामने आई कि किसी छोटे बिजलीघर की तरह केबल का जाल बिछा हुआ था। अलग अलग लोगों के घरों में बिजली सप्लाई जा रही थी। बिजली विभाग की टीम ने सभी स्थानों से केबल को एकत्र कर लिया है। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि दो ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर जब्त केबल बिजलीघर भेजा गया है। दीपा सराय में बिजली चोरी करने वालों के हौंसले इसलिए भी बुलंद थे क्योंकि बिजली विभाग की ओर से चेकिंग नहीं की जाती थी। इसका कारण यह सामने आया कि विभागीय अधिकारी और कर्मचारी इस इलाके में जाने से डरते थे। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि पतली और संकरी गलियों के कारण भी टीम नहीं जाती थी। टीम कहीं न कहीं डरती थी। डीएम और एसपी के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया गया है। साथ ही अब केबल भी बदल दिए हैं। खंभे भी लगाए गए हैं।

तीन दिन पहले दीपा सराय में बिजली चेकिंग अभियान के दौरान एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने लोगों को बुलाकर चेतावनी दी थी कि बिजली चोरी करना बंद कर दें। यदि बिजली चोरी बंद नहीं होती है तो सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। आगे कहा था कि बिजली विभाग के अधिकारी इस इलाके में चेकिंग करने से डरते थे, लेकिन अब इस इलाके में बिजली विभाग के किसी अधिकारी या कर्मचारी को डराया या धमकाया गया तो सख्त कार्रवाई होगी। इसलिए बिजली चोरी करना बंद करें और कनेक्शन से बिजली का इस्तेमाल करें।

अधीक्षण अभियंता ने बताया कि स्मार्ट मीटर संभल के कई मोहल्लों में लगाए जा रहे हैं। इन स्मार्ट मीटर से विभाग और उपभोक्ता को प्रत्येक 30 मिनट की अपडेट मिलती रहेगी। इसके अलावा बिजली चोरी की गई तो उसकी भी जानकारी मिल जाएगी। जिससे विभाग द्वारा कार्रवाई करना आसान होगा। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि आर्मर्ड केबल भी इसलिए खींचे जा रहे हैं जिससे कटिया कनेक्शन न डाला जा सके।

नखासा मस्जिद में बिजली चोरी पकड़ी जाने पर 12.25 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। दीपा सराय में निहारियो वाली मस्जिद में बिजली चोरी पकड़े जाने पर 4.28 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। नखासा इलाके की गंज वाली मस्जिद में बिजली चोरी के मामले में 8.24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। दीपा सराय में स्थित मोहम्मदी वाली मस्जिद में बिजली करने के मामले में 4.07 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। खग्गू सराय मदरसे में 9.2 किलोवाट भार की बिजली चोरी पकड़े जाने पर 9.41 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर लगा बिजली मीटर

संभल, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में बिजली चोरी के बढ़ते मामलों के बीच सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर पर बिजली विभाग की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ कार्रवाई की। जियाउर्रहमान बर्क के घर पर बिजली का स्मार्ट मीटर नहीं लगा था। अब वहां स्मार्ट मीटर लगाया गया है। इस दौरान एएसपी और सीओ अनुज चौधरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए।

एएसपी ने बताया कि बिजली विभाग के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इतनी पुलिस बल तैनात की गई थी। हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि क्या यह मामला बिजली चोरी का है, तो उन्होंने इसे बिजली विभाग का विषय बताया। गौरतलब है कि पिछले तीन महीनों में संभल में बिजली चोरी के 1,250 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। पुलिस ने इन पर 5.2 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। हाल ही में 90 नई एफआईआर दर्ज की गईं, जिनमें चार मस्जिदों और एक मदरसे में बिजली चोरी के मामले भी शामिल हैं। पिछले दिनों बिजली चोरी के दौरान छापेमारी में एक बंद मंदिर भी मिला, जो 46 सालों से गायब था। बिजली चोरी के खिलाफ यह अभियान लगातार तेज हो रहा है।

संपादकीय

तबले ने खोया उस्ताद

तबले ने अपना उस्ताद खो दिया। तबले की एक खास ध्वनि, थाप, ताल खामोश हो गई। एक बिछौना सूना हो गया और एक आत्मा बिछुड़ कर, सुदूर, किसी शून्य में विलीन हो गई। तबले का जीवंत रिश्ता आज मुरझा गया। बहुत कुछ बिखर कर रह गया। चार ग्रैमी अवार्ड, तीन पद्म सम्मान, अमरीकी राष्ट्रपति के 'व्हाइट हाउस' में थाप, ताल और थिरकन का प्रदर्शन, चार पीढियों के शास्त्रीय संगीत को लयात्मक संगत देने की असंख्य यादें अनाथ, अकेली हो गईं। तबले को नई-नई भाषाएं देने वाला और किसी भी ताल, थाप में अचानक 'तिहाई' मारने वाला उस्ताद आज थम गया, खामोश हो गया, मानो एक दुनिया 'शांत' हो गई हो! तबला-वादन के उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपने वाद्य को उसी तरह जिया, जिस तरह पंडित रविशंकर ने सितार को, पंडित जसराज ने शास्त्रीय गायन को, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने बांसुरी को, पंडित शिवकुमार शर्मा ने संतूर को, उस्ताद अमजद अली ने सरोद और उसके संगीत को जिया। जाकिर अकेले, अलबेले, अद्भुत तबला-उस्ताद थे, जिन्होंने इन उस्तादों के संगीत को लयात्मक पूरकता दी। जाकिर एक वाद्य-यंत्र के उस्ताद ही नहीं, कोई अवतार लगते थे, लिहाजा मात्र तीन साल की उम्र में ही तबले पर थाप लगाने और उंगलियों की थिरकन की जादुई शुरुआत की। इस उम्र में तो बच्चे नाक साफ करना भी नहीं सीख पाते। उस्ताद के पिता अल्ला रक्खा खां खुद 'उस्ताद तबला वादक' थे और जाकिर ने उनके साथ कई जुगलबंदियां पेश की थीं, लेकिन 'नन्हा उस्ताद' अपनी समकालीन, पुरानी पीढियों और उनके समय के बहुत पार चला गया। जाकिर ने संगीत के सहायक वाद्य को मुख्य वाद्य बना दिया, नतीजतन आज दुनिया भर में तबले की 'खास पहचान और प्रतिष्ठा' है। जाकिर तबले के पर्याय बन चुके हैं, लेकिन भीतर से एक दुखद, पीड़ित 'आह' निकलती है- उस्ताद जाकिर हुसैन...! बेशक उस्ताद 73 साल की उम्र में ही हमें छोड़ कर चले गए, उनका पार्थिव शरीर 'मिट्टी' हो गया, वह 'सुपुर्द-ए-खाक' हो गए, लेकिन तबला-वादन की जो लंबी विरासत, संगीत की खूबसूरती, तबले की कला की एक सुदीर्घ परंपरा और यादों की लंबी कडियां छोड़ गए हैं, उन्हें 'मृत' कैसे माना जा सकता है? संगीत के पंडित, महाराज और उस्ताद, अपने-अपने कालखंडों में, उतने लोकप्रिय नहीं हो पाए, जितनी जन-स्वीकृति और मान्यता उस्ताद जाकिर हुसैन ने हासिल की। उन्होंने तबले को भी जन-जन का वाद्य यंत्र बना दिया। घर-घर और दफ्तरों में आम आदमी जब किसी सतह पर थाप देने लगता है, तो उसे तुरंत जाकिर हुसैन से जोड़ दिया जाता है। हालांकि वह व्यंग्य की भाषा होती है, लेकिन तुलना जाकिर हुसैन से ही की जाती है। बेशक एक लंबे अंतराल से उस्ताद अमरीका में ही बसे रहे, लेकिन वह आखिरी सांस तक हिंदुस्तान और हिंदुस्तानी संगीत को ही जीते रहे। आज दुनिया भर के कलाकार, उनके समकालीन गायक और वाद्य बजाने वाले भी उन्हें याद कर रहे हैं। असंख्य संस्मरण उनके साथ जुड़े हैं। बहरहाल आज वह हमारे बीच जीवंत नहीं हैं, लेकिन जिन गायनों के साथ उन्होंने तबले की थाप, ताल पर संगत दी थी, वे हमें हमेशा याद दिलाते रहेंगे। उस्ताद जीवंत रूप में हमारे बीच होंगे, लिहाजा कलाकार कभी मरा नहीं करते।

> चार ग्रैमी अवार्ड, तीन पद्म सम्मान, अमरीकी राष्ट्रपति के 'व्हाइट हाउस' में थाप, ताल और थिरकन का प्रदर्शन, चार पीढ़ियों के शास्त्रीय संगीत को लयात्मक संगत देने की असंख्य यादें अनाथ, अकेली हो गईं। तबले को नई-नई भाषाएं देने वाला और किसी भी ताल, थाप में अचानक 'तिहाई' मारने वाला उस्ताद आज थम गया, खामोश हो गया, मानो एक दुनिया 'शांत' हो गई हो! तबला-वादन के उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपने वाद्य को उसी तरह जिया, जिस तरह पंडित रविशंकर ने सितार को, पंडित जसराज ने शास्त्रीय गायन को, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने बांसुरी को, पंडित शिवकुमार शर्मा ने संतूर को, उस्ताद अमजद अली ने सरोद और उसके संगीत को जिया। जाकिर अकेले, अलबेले, अद्भुत तबला-उस्ताद थे, जिन्होंने इन उस्तादों के संगीत को लयात्मक पूरकता दी। जाकिर एक वाद्य-यंत्र के उस्ताद ही नहीं, कोई अवतार लगते थे, लिहाजा मात्र तीन साल की उम्र में ही तबले पर थाप लगाने और उंगलियों की थिरकन की जादुई शुरुआत की। इस उम्र में तो बच्चे नाक साफ करना भी नहीं सीख पाते।

भारत की आध्यात्मिक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति को देखने के लिए आकर्षित करेगा

प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 के सामाजिक-सांस्कृतिक मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

> हिंदू पौराणिक कथाओं में वर्णित यह पवित्र त्योहार बारह वर्षों में चार बार मनाया जाता है, जो भारत के चार प्रतिष्ठित शहरों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक एवं प्रयागराज में बहने वाली सबसे पवित्र नदियों, गंगा, शिप्रा और गोदावरी के बीच घूमता है। कहना न होगा कि इनमें से प्रत्येक शहर सबसे पवित्र नदियों गंगा, शिप्रा, गोदावरी और खासकर प्रयागराज (पूर्वनाम इलाहाबाद) गंगा, यमुना एवं पौराणिक सरस्वती के संगम के किनारे स्थित हैं।

दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के रूप में मनाया जाने वाला महाकुंभ मेला सनातनी आस्था, संस्कृति और प्राचीन परंपरा का अद्भुत और बेमिसाल मिश्रण है। हिंदू पौराणिक कथाओं में वर्णित यह पवित्र त्योहार बारह वर्षों में चार बार मनाया जाता है, जो भारत के चार प्रतिष्ठित शहरों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक एवं प्रयागराज में बहने वाली सबसे पवित्र नदियों, गंगा, शिप्रा और गोदावरी के बीच घूमता है। कहना न होगा कि इनमें से प्रत्येक शहर सबसे पवित्र नदियों गंगा, शिप्रा, गोदावरी और खासकर प्रयागराज (पूर्वनाम इलाहाबाद) गंगा, यमुना एवं पौराणिक सरस्वती के संगम के किनारे स्थित हैं। आगामी 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज एक बार फिर इस शानदार उत्सव का केंद्र बन जाएगा, जो लाखों तीर्थयात्रियों और आगंतुकों को भक्ति, एकता और भारत की आध्यात्मिक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति को देखने के लिए आकर्षित करेगा। इसलिए इसके राजनीतिक प्रभावों से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इस मौके पर यदि हमारा नेतृत्व संवैधानिक राज के साथ-साथ सनातनी राज जैसी जनभावनाओं का भी बीजारोपण करे, तो यह भारत भूमि/आसेतु हिमालय के लिए बहुत बड़ा उपकार होगा। क्योंकि हमारी धर्मनिरपेक्ष नीतियां हीं हमारे बन्धु-बांधवों के दमन और उत्पीड़न की पर्याय बनती जा रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि आसेतु हिमालयी देशों में हिन्दू जनमानस प्रताड़ति हो रहा है और हमारे नागा साधु भी इस स्थिति से उन्हें निजात नहीं दिलवा पा रहे हैं। भारत सरकार भी स्पष्ट और आक्रामक नीति से बच रही है, क्योंकि उसकी धर्मनिरपेक्षता ने हिन्दू उत्पीड़न को अघोषित गारंटी प्रदान करती जा रही है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। इस पर हमारे साधु-संतों को गम्भीर होना होगा और धर्मनिरपेक्ष सरकार पर दबाव बनाना होगा। विश्व जनमानस पर भी इसका दबाव पड़े, यह चिंतन व अभिव्यक्ति शैली भी हमें विकसित करनी होगी। अतिक्रमित हिन्दू मंदिरों के पुनरुद्धार का मसला भी यहां उठना चाहिए, ताकि सबके बीच एक सकारात्मक संदेश जाए। इतिहास के पापों के प्रक्षालन का और कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इसके अलावा, और भी मुद्दे हैं, जिन पर इसी बहाने एक सकारात्मक बहस छिड़नी चाहिए। वैसे तो इस भव्य आयोजन में धार्मिक अनुष्ठानों से परे खगोल विज्ञान, ज्योतिष, सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक ज्ञान का समृद्ध मिश्रण शामिल है। क्योंकि इस अवसर पर लाखों भक्त, तपस्वी

और तपस्वी त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान सहित पवित्र अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए एकत्र होते हैं। इसलिए सनातनी हितों के सवाल पर भी यहां मौखिक विमर्श शुरू होना चाहिए। यहां आने वाले लोग सनातन धर्म के कट्टर अनुयायी होते हैं, इसलिए सनातनी संवेदनाओं को समझते उन्हें देर नहीं लगेगी। जब वो समझेंगे, तभी औरों को भी समझा पाएंगे।यह पुण्य कार्य होगा। यहां आने वाले भक्तों का भी मानना है कि महाकुंभ स्नान से उनके पाप धुल जाते हैं और उन्हें आध्यात्मिक मुक्ति मिलती है। इस प्रकार महाकुंभ मेला न केवल भारत की गहरी जड़ें जमा चुकी विरासत का प्रतिनिधित्व करता है बल्कि आंतरिक शांति, आत्म-बोध और सामूहिक एकता की शाश्वत मानवीय खोज को भी प्रदर्शित करता है।

शाही स्नानः महाकुंभ मेला अनुष्ठानों का एक भव्य आयोजन है, इन सभी में स्नान सबसे महत्वपूर्ण है। त्रिवेणी संगम पर आयोजित इस पवित्र समागम में भाग लेने के लिए लाखों तीर्थयात्री एकत्रित होते हैं, जो इसमें विश्वास रखते हैं कि पवित्र जल में डुबकी लगाने से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो सकता है। माना जाता है कि शुद्धिकरण का यह कार्य व्यक्ति और उनके पूर्वजों दोनों को पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त कर देता है, जिससे अंततः मोक्ष या आध्यात्मिक मुक्ति मिलती है।

स्नान अनुष्ठान के साथ-साथ तीर्थयात्री पवित्र नदी के किनारे पूजा-पाठ में भी शामिल होते हैं और साधुओं एवं संतों के नेतृत्व में ज्ञानवर्धक प्रवचनों में भाग लेते हैं, जिससे जीवन के अनुभव में आध्यात्मिक गहराई जुड़ जाती है। वैसे तो पूरे प्रयागराज महाकुंभ के दौरान पवित्र जल में डुबकी लगाना पवित्र माना जाता है, लेकिन कुछ तिथियां विशेष महत्व रखती हैं, जैसे पौष पूर्णिमा (13 जनवरी), मकर संक्रांति (14 जनवरी) आदि। इन तिथियों पर संतों, उनके शिष्यों और विभिन्न अखाड़ों (आध्यात्मिक क्रम में) के सदस्यों के साथ भव्य जुलूस निकलते हैं, जो शाही स्नान या 'राजयोगी स्नान' के नाम से जाने जाने वाले भव्य अनुष्ठान में भाग लेते हैं। यह महाकुंभ मेले की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है और इस आयोजन का मुख्य आकर्षण है। शाही स्नान की परंपरा इस विश्वास पर आधारित है कि जो लोग अनुष्ठान में भाग लेते हैं उन्हें पवित्र जल में डुबकी लगाने पर पुण्य कर्मों का आशीर्वाद मिलता है और उनसे पहले आए संतों का गहन ज्ञान प्राप्त होता है।

आरतीः नदी के किनारों पर मंत्रमुग्ध कर देने वाला गंगा आरती समागम में आए लोगों के लिए एक अविस्मरणीय क्षण होता है। इस पवित्र अनुष्ठान के दौरान पुजारी जगमगाते दीपक पकड़कर दृश्य अभिनय प्रस्तुत करते हुए कठिन धर्मक्रिया करते हैं। गंगा आरती हजारों भक्तों को आकर्षित करती है, जिससे पवित्र नदी के प्रति गहरी भक्ति और श्रद्धा जागृत होती है।

कल्पवासः कल्पवास महाकुंभ उत्सव का एक गहरा लेकिन कम ज्ञात पहलू है, जो साधकों को आध्यात्मिक अनुशासन, तपस्या और उच्च चेतना के लिए समर्पित एक अनुष्ठान प्रदान करता है। संस्कृत से उत्पन्न 'कल्प' का अर्थ है ब्रह्मांडीय युग और 'वास का अर्थ है निवास, जो गहन आध्यात्मिक अभ्यास की अवधि का प्रतीक है। कल्पवास में भाग लेने वाले तीर्थयात्री सादगी का जीवन अपनाते हैं, सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग करते हैं और ध्यान, प्रार्थना और धर्मग्रंथ अध्ययन जैसे दैनिक अनुष्ठानों में व्यस्त रहते हैं। कल्पवास में वैदिक यज्ञ और होम, पवित्र अग्नि अनुष्ठान जो दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करते हैं और सत्संग, बौद्धिक एवं भक्ति विकास के लिए आध्यात्मिक प्रवचन भी शामिल हैं।

प्रार्थना और अर्पणः माना जाता है कि श्रद्धालु कुंभ के दौरान संगम पर आने वाले देवताओं के सम्मान में देव पूजन करते हैं। श्राद्ध (पूर्वजों को भोजन और प्रार्थना करना) और वेणी दान (गंगा में बाल चढ़ाना) जैसे अनुष्ठान त्योहार के अभिन्न अंग हैं, जो समर्पण और शुद्धि का प्रतीक हैं। सत्संग या सत्य के साथ जुड़ना एक और मुख्य अभ्यास है जहां भक्त संतों और विद्वानों के प्रवचन सुनते हैं। ज्ञान का यह आदान-प्रदान आध्यात्मिकता की गहरी समझ को बढ़ावा देता है और उपस्थित लोगों को उच्च आत्म-साक्षात्कार के लिए प्रेरित करता है। कुंभ के दौरान परोपकार का बहुत महत्व होता है।

दृष्टि कोण

शीत ऋतु की ठिठुरन का एहसास करें

ऋतु परिवर्तनशील है। भारत में छह ऋतु पाई जाती हैं- बसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शीत, हेमंत और शिशिर ऋतु। भारत ही एक ऐसा देश है जहां छह ऋतुओं को अनुभव करने का आनंद प्राप्त होता है और यह आनंद केवल उत्तरी भारत में ही प्राप्त हो सकता है। अन्य अधिकतर देशों में केवल चार ऋतुएं ही पाई जाती हैं। बसंत, ग्रीष्म, वर्षा और शरद ऋतु। यहां हम केवल शरद ऋतु का ही वर्णन करेंगे। भारतीय वैदिक कैलेंडर के अनुसार भारत का नव वर्ष चैत्र मास से मनाया जाता है। ब्रह्मा जी ने इसी समय सृष्टि की रचना की थी। चैत्र मास में बसंत ऋतु आती है और वाक्देवी माता सरस्वती जी ने भी बसंत पंचमी के दिन अपनी वीणा की झंकार से सृष्टि को वाक शक्ति दी थी जिससे प्रत्येक वस्तु को शब्द ध्वनि प्राप्त हुई थी। चैत्र मास के बाद ही अन्य ग्यारह महीने अलग-अलग ऋतुओं के संग अठखेलियां करके बीतते हैं। इन्हीं महीनों के अनुसार कौनसी ऋतु किस-किस महीने आती है- 1.बसंत ऋतु- चैत्र से वैशाख महीना। फरवरी से मार्च। 2.ग्रीष्म ऋतु-ज्येष्ठ से आषाढ़। मार्च से जून। 3.वर्षा ऋतु- सावन से भाद्रपद। जुलाई से सितंबर। 4.शरद ऋतु- आश्विन से कार्तिक। अक्टूबर से नवंबर। 5.हेमंत ऋतु- मार्गशीर्ष से पौष। दिसंबर से जनवरी। 6.शिशिर ऋतु- माघ से फाल्गुन। जनवरी से फरवरी। भारत के उत्तरी भाग में अक्टूबर से शरद ऋतु अपना खूब असर दिखाने लगती है। लोग गर्म कपड़े पहनना आरंभ कर देते हैं। परंतु समतल इलाके जैसे पंजाब-हरियाणा में इन्हीं दिनों कम सर्दी होती है और अक्टूबर के अंत में धीरे-धीरे बढ़ती है। इसके विपरीत पर्वतीय क्षेत्रों में ठंड अधिक रहती है और पर्वत की चोटियों में बर्फ गिरने के कारण चलने वाली शीत लहरें समतल क्षेत्र में अपने गुणों का अधिक प्रभाव दिखाती हैं। इसके कारण बहुत से जीव-जंतु सर्दी से बचने के लिए शीत निद्रा में चले जाते हैं, जैसे- सांप, मेंढक, चींटियां, छिपकलियां, गिलहरियां, खरगोश, जंगली चूहे, गोह, किरले, भालू, और भी ठंडे इलाके में रहने वाले जीव-जंतु। हेमंत ऋतु- यह दिसंबर से जनवरी तक रहती है। इस समय सर्दी अपनी चरम सीमा पर होती है। सर्दी से बचने के लिए लोग अनेक उपाय करते हैं। शरीर गर्म कपड़ों से अधिक भरा रहता है। सिर से पांव तक गर्म कपड़ों से लदे रहते हैं। सडक़ों पर जगह-जगह पर लोग आग जलाकर ताप रहे होते हैं। घरों में भी लोग हीटर, ब्लोअर तथा गर्म पानी की बोतलों का प्रयोग करते हैं। बर्फीले इलाकों में जहां लंबे समय तक बर्फ रहती है, वहां के लोग सर्दी आने से पहले ही लकड़ी व अनाज का भंडारण कर लेते हैं तथा बकरे के मीट को बड़ी मात्रा में सुखा कर रख लेते हैं। वे एक बड़े कमरे में तंदूर जलाकर तापमान को बढ़ा लेते हैं और तंदूर पर खाना भी बना लेते हैं। यहां के मकान ईंट-सीमेंट के नहीं होते हैं क्योंकि ऐसे मकान अधिक ठंडे होने के साथ-साथ बर्फ में खराब भी हो जाते हैं। यहां के मकान केवल लकड़ी के बनाए जाते हैं जो बर्फीले मौसम में भी गर्म रहते हैं ।यहां के लोग बड़ी मात्रा में भेड़-बकरियां पालते हैं जिससे सर्दी के मौसम में ऊन व मांस प्राप्त किया जा सके। ठंडे इलाकों में खानपान का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। इस मौसम में गर्म तासीर का ही खाना खाया जाता है। तिल, अखरोट और बादाम से तैयार सिड्डू, मांस, मांस से तैयार मो-मो, थुक्पा, जुम्मा। दालों में कुलथ, मोठ तथा अन्य दालें व साग-सब्जियां, सूखे मेवे, मूंगफली। पेय पदार्थ में नमकीन चाय जिसकी चाय पत्ती एक विशेष प्रकार की होती है। देसी शराब, लुगड़ी इत्यादि। समतल इलाकों में भी साग-सब्जियां, कुलथ, मौठ, अन्य दालें, कुचालू, घंड्याली, मीट, मछली, चावल, मक्की, गेहूं की रोटी, चाय, कॉफी, शराब, सूखे मेवे, मूंगफली, पंजीरी, जिसे कहीं-कहीं सुंड भी कहते हैं, ये सब खाद्य पदार्थ शरीर को गर्म रखने के लिए खाए जाते हैं। शिशिर ऋतु- यह ऋतु जनवरी से फरवरी महीने में आती है। इसमें भी सर्दी चरम सीमा पर होती है, परंतु समतल इलाकों में 14 जनवरी यानी मकर संक्रांति से सूर्य के उत्तरायण हो जाने के कारण मौसम में धीरे-धीरे बदलाव आना आरंभ हो जाता है, जिसमें धीरे-धीरे दिन भी बढने लगते हैं और धीरे-धीरे ठिठुरती सर्दी से गुलाबी सर्दी आने लगती है, परंतु पर्वतीय इलाकों में अभी भी सर्दी चरम सीमा पर होती है। पूरी सर्दियों में धुंध और कोहरे की घनी चादर से सूर्य की किरणें धरती पर 12.00 से 1.00बजे तक नहीं पहुंच पाती हैं और दिन छोटे होने के कारण सूर्य जल्दी ही अस्त भी हो जाता है, जिसके कारण धरती का तापमान न्यूनतम चला जाता है। मकर संक्रांति से सूर्य के उत्तरायण होने से मौसम में बदलाव आने से धुंध और कोहरे का हटना आरंभ हो जाता है और सूर्य की रोशनी सुहावनी लगती है और उष्मित तापमान का आनंद आने लगता है। इन ऋतुओं में अधिक सर्दी होने के कारण कई तरह की बीमारियां भी लग जाती हैं। जैसे- खांसी, जुकाम, गले में खराश, बुखार, जोड़ों में दर्द।

कुछ अलग

मानकों का झोल तो जिंदगी गोल

सुबह सुबह मार्निंग वॉक करते फेफड़ों का मन रखने के लिए अपने फेफड़ों में जरा कम घटिया हवा भरने निकला था कि सामने अपने नाक पर रुमाल रख अपना बिस्तर बांधे खड़े पता नहीं कहां जाने को आतुर बंधु दिखे तो विस्मय हुआ। उनको मुस्कुराते हुए भावभीनी विदाई देने से पहले उनके पास राम सलाम करने गया तो उनसे यों ही पूछ लिया, 'बंधु! सुबह सुबह कहां?' 'यार! लगता है अब ये शहर जीने लायक नहीं रहा। यहां की हवा मानकों से बहुत नीचे बह रही है।' 'मानकों के नीचे तो यहां बहुत कुछ है। तुम भी। मैं भी। तो क्या हम अपने को भी छोड़ दें? शहर में क्या सुविधा नहीं? पानी समय पर आता है। पेपर समय पर आता है। ताजी ताजी सब्जियां ऐसी मिलती हैं कि...। गाय कूड़े के ढेर पर सोई होने के बाद भी दूध की नदियां मोहल्ले मोहल्ले बह रही हैं। ढाबे ढाबे बटर के अक्षय भंडार भरे हैं। रोटी न बने तो जमेटो हाजिर है। ऐसे में मुझे तो ये शहर एक सौ दस प्रतिशत जीने के लायक लगता है। इतनी चकाचौंध जो मेरे शहर में है, इतनी तो इंद्रपुरी में भी क्या ही होगी? और एक तुम हो कि ऐसे शहर को न जीने लायक घोषित कर खिसके जा रहे हो?' 'बंधु! यहां रहने वालों की क्वालिटी तो गिरी ही हुई थी, पर अब यहां हवा की क्वालिटी भी गिर गई है। और तुम्हें तो पता है कि मैं हर चीज से समझौता करने का आदी हूं, पर क्वालिटी से कोई समझौता नहीं करता।' 'तो?' 'मैं वक्त से पहले मरना नहीं चाहता बंधु! इसलिए किसी ऐसे हिल स्टेशन पर जा रहा हूं जहां कम से कम हवा तो क्वालिटी की मिले', कह उन्होंने अपनी जेब से एक रुमाल निकाल मुझे भी अपनी नाक पर रखने को दिया, पर मैं वह रुमाल अपनी नाक पर रखने के बदले ज्यों ही अपनी जेब में डालने को हुआ तो वे मुझ पर गुस्साते बोले, 'हद है यार! वक्त से पहले मरने का शौक है क्या? मैंने तुम्हें रुमाल जेब में रखने के लिए नहीं, नाक पर रखने के लिए दिया है।' 'मित्र! नाक पर रुमाल रखें वे जिनकी नाक कटी हो। नाक बदतमीज से बदतमीज की शान होती है। इसलिए वह हर हाल में पूरी दिखनी चाहिए। और एक तुम हो कि शहर के इज्जतदारों में शुमार होने के बाद भी अपनी नाक पर रुमाल रखे हो। ऐसे में लोग क्या समझेंगे?' 'जो समझना हो, समझते रहें। मुझे नाक नहीं, जिंदगी प्यारी है। चलो, अपनी नाक पर रुमाल रखो यार! ये समय बेकार की नाक के दिखावे में न पडऩे के बजाय नाक छुपाने का है। कल यमराज मिले थे। यमराज होने के बाद भी उन्होंने भी अपनी नाक पर रुमाल रखी थी। उन्होंने मुझे फाइनल चेतावनी देते कहा कि जो नंगी नाक इस दमघोंटू हवा में एक भी सांस ली तो मेरी तो मेरी, उनकी भी उम्र कम हो सकती है। तुम तो आदमी हो यार आदमी! फिर मत कहना कि मैंने तुम्हें समय से पहले उठा लिया। बस, इसी डर से नाक छुपी है। मैं वक्त से पहले तो क्या, मरने के आए वक्त के बाद भी मरना नहीं चाहता दोस्त!' 'बंधु! हम तय मानकों से नीचे के पानी को भी गटागट पीने वाले जीव हैं। तुम ही बताओ, हमें वह पानी पीकर आज तक कुछ हुआ क्या? बंधु! हम तय मानकों से नीचे की क्वालिटी का आटा खाने वाले जीव हैं। तुम ही बताओ, हमें आज तक वैसा आटा खाकर कभी कुछ हुआ क्या? बंधु! किसी भी एक ऐसे रिश्ते का नाम बता दो जो मानकों के अनुरूप हो? फिर भी क्या हम रिश्तों पर विश्वास नहीं बनाए हैं क्या? ये मानकों के भ्रम बहुत भयानक होते हैं बंधु! पागल से पागल को भी जीने नहीं देते। इसलिए मेरी मानो तो मानकों का मोह छोड़ो और मानकों की पल पल टूटती पटड़ी पर वंदे भारत बन आंखें मूंद दौड़ो। बंधु! सच कहूं, मुझे इस मानक शब्द से सबसे अधिक चिढ़ है।

देश दुनिया से

पुरुष प्रताड़ना का औचित्य

पुरुष प्रताडऩ से जुड़ा ताजा मुद्दा पूरे देश में सुर्खियां बटोर रहा है। बेंगलुरू में इंजीनियर अतुल सुभाष (34) ने इसलिए आत्महत्या कर ली क्योंकि वह अपनी पत्नी की ओर से लगाए गए आरोपों से परेशान हो चुका था। उसका आरोप था कि एक के बाद एक धाराएं उस पर और उसके परिवार वालों पर लगाई गईं। हमारे समाज में सिर्फ अतुल का ही नहीं, बल्कि बहुत सारे ऐसे मामले आए हैं जिनमें पुरुषों ने महिलाओं के आरोपों से प्रताड़ित होकर आत्महत्या कर ली। आज पुरुष उत्पीडऩ का मुद्दा गंभीर बना हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पुरुष उत्पीडऩ के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पुरुष अक्सर अपने उत्पीडऩ की बात खुलकर कहने में झिझकते हैं। समाज में बनी इस धारणा के कारण कि महिलाएं ही पीड़ित होती हैं, पुरुषों की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। मनोविज्ञानी कहते हैं कि महिलाओं की प्रमुख शिकायतें अक्सर पुरुषों के नशे में हिंसक होने, विवाहेत्तर संबंध रखने या परिवार की उपेक्षा करने से जुड़ी होती हैं। इन पर कार्रवाई होती है, लेकिन पुरुषों की ऐसी शिकायतों को क्यों उतनी तवज्जो नहीं मिलती। गौरतलब है कि समाज में महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के लिए कई सशक्त कानून बनाए गए हैं। इनसे महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर लगाम लगाई जा रही है, लेकिन दूसरी तरफ पुरुषों के उत्पीडऩ का मुद्दा अब भी गंभीर अनदेखी का शिकार है। पुरुष उत्पीडऩ का सीधा असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। कई बार यह हताशा उन्हें आत्महत्या जैसे कदम उठाने के लिए मजबूर कर देती है। बेंगलुरु के अतुल सुभाष का मामला इसका ताजा उदाहरण है। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है, लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' और 'माई नेशन' नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसदी से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। कुछेक महिलाओं द्वारा पुरुषों को प्रताड़ित करने से, पुरुषों द्वारा आत्महत्या के मामलों में वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक देश में पुरुषों की आत्महत्या की दर महिलाओं की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। इसके पीछे तमाम कारणों में पुरुषों का घरेलू हिंसा का शिकार होना भी बताया जाता है जिसकी शिकायत पुरुष किसी फोरम पर कर भी नहीं पाते हैं। उनमें सबसे बड़ा तर्क यह है कि महिलाओं को सुरक्षा देने के जो कानून बने हैं, उनके दुरुपयोग से पुरुषों को प्रताड़ित किया जाता रहा है। मौजूदा कानून धारा 498-ए, अमरीका के जिस कानून से प्रेरित होकर यह कानून बनाया गया था, वह अमरीकी कानून जेंडर निरपेक्ष है और उसमें पुरुषों की प्रताडऩा के मामले भी देखे जाते हैं। पिछले 20 वर्षों से पुरुष प्रताडऩा के केस तेजी से बढ़े हैं। आज इंजीनियर अतुल सुभाष के साथ ऐसा हुआ है, कल किसी और के साथ ऐसा होगा। ऐसे में सरकार को पुरुषों के हित में कोई न कोई कानून जरूर बनाना चाहिए। अतुल पढ़े लिखे शख्स थे। उन्होंने अपनी आपबीती पूरी दुनिया को सुनाई, फिर उसके बाद उन्होंने आत्महत्या का कदम उठाया, लेकिन बहुत सारे ऐसे पुरुष हैं जिनके बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं होती है। वे अंदर ही अंदर परेशानियों से लड़ते, झगड़ते व जूझते हैं। केस के चक्कर में घर, जमीन, जायदाद सब बिक जाता है। लेकिन, किसी को कानोंकान खबर तक नहीं होती है। हमें उन बेकसूरों को भी इंसाफ दिलाने के लिए आवाज उठानी है, ताकि भविष्य में कभी किसी दूसरे अतुल के साथ इस तरह की घटना न हो। इस समय ऐसे मामलों में काफी वृद्धि हो रही है, लेकिन क्या इन घटनाओं के कारण झूठे हैं या नहीं, इसका जवाब तो आत्मदर्शन से भी आसानी से मिल सकता है। महिलाओं द्वारा पुरुषों पर हिंसा आज एक आम समस्या बन गई है। इसमें आर्थिक, शारीरिक, यौन और भावनात्मक शोषण के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक दुव्र्यवहार भी शामिल है, जो किसी व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। पुरुष और महिलाएं भी लिंग आधारित हिंसा की शिकार हैं। भारत जैसे देश में, जो सदियों से पुरुष प्रधान रहा है, लोगों के लिए यह विश्वास करना कठिन है कि पुरुष भी महिलाओं की तरह घरेलू हिंसा के शिकार हो सकते हैं। इसका एक कारण यह हो सकता है कि भारत में किसी भी कानून में पुरुषों के खिलाफ घरेलू हिंसा को मान्यता नहीं दी गई है। हालांकि, आम धारणा के विपरीत, महिलाओं द्वारा मनोवैज्ञानिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित होने वाले पुरुषों की संख्या बढ़ रही है। देश में मौजूदा कानूनों को देखते हुए, ऐसा कोई खास कानून नहीं है जो पुरुषों को अंतरंग साथी की हिंसा से बचाता हो। भारतीय संविधान कहता है कि सभी नागरिकों को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार है। फिर पुरुष इसका अपवाद कैसे हो सकते हैं? इस क्षेत्र में घरेलू हिंसा को रोकने और कम करने के लिए, लिंग तटस्थ कानून लागू किए जाने चाहिएं और लिंगवादी कानून नहीं बनाए जाने चाहिएं। पुरुषों के खिलाफ मानसिक और शारीरिक प्रताडऩा न तो अब संवेदनहीन मुद्दा है, न ही इस पर बात करना महिला अधिकारों का किसी प्रकार का अतिक्रमण है। जहां तक पुरुषों के उत्पीडऩ का प्रश्न है, इस पर बात करना मानव अधिकारों का, समाज में संतुलन बनाए रखना है। एक देशी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'मार्टर्स ऑफ मैरिज' में ऐसे पुरुषों की कहानी बयां की गई है जिन्होंने झूठे केस में फंसाए जाने के बाद आत्महत्या कर ली। अतुल सुभाष का मामला इससे मिलता जुलता है।

आप का नजरिया

तपोवन साक्षी है

तपोवन में विधानसभा परिसर और वहां उगी दूब में साल के बेहद कीमती घटनाक्रम का इंतजार। एक रिवायत की स्थिरता में चंद फूल और कांटे भी। यहां जीवंतता का उत्साह शिमला परिसर से भिन्न और खुले आकाश के नीचे सत्ता का प्रारूप बदल जाता है। कुछ आक्रोश अगर प्रदेश में उभरते हैं, तो तपोवन साक्षी है कि यहां कहने की अनुगूंज हिमाचल के पर्वतों से रास्ता निकाल लेती है, वरना शिमला में राजधानी का कद मोहलत नहीं देता। आज का दिन तपोवन का दिन है, लेकिन चार दिनों की चांदनी के बाद कौन सोचेगा कि इस लोकतांत्रिक प्रतीक के वार्षिक फलक पर स्थायी चांदनी चाहिए। भाजपा अपनी चांदनी में तपोवन के शीतकालीन सत्र का श्रृंगार आक्रोश रैली से करेगी। शायद यह बिलासपुर में सरकार के दो साला जश्न के मुकाबले में पूरी तरह उतर आए या सदन तक मुद्दों की आवाज यहां से ही पहुंच जाए। सवाल दर सवाल, विपक्ष दर विपक्ष और सत्ता दर सत्ता से जुड़ी आकांक्षाएं, उम्मीदें और अपेक्षाएं जब तपोवन को चिरस्थायी रखना चाहती हैं, तो लगता है यह चार दिन का सदन क्या मजबूरी की ढुलाई बन गया है। क्या इसी मंशा से विधानसभा के द्वार धर्मशाला में खुले थे या बस इतनी सी महत्त्वाकांक्षा में निचला हिमाचल संतुष्ट हो गया। आखिर इस सफर के आर्किटेक्ट रहे स्व. वीरभद्र सिंह ने ऐसी मंजिल चुनी कि साल के कुछ महीने सरकार की नजदीकी का आभास यह क्षेत्र करे। शिमला का संतोष, निचले हिमाचल की बेचैनियों को नहीं महसूस करता। वहां से हिमाचल की नीतियां नहीं पढ़ पातीं कि कितने किसान अपने खेत को वीरान कर चुके हैं, क्योंकि यहां जंगली जानवर, बंदर तथा आवारा पशु बढ़ गए हैं। शिमला को नहीं मालूम भरमौर और पांगी में भौगोलिक कठोरता में कितना दम फूलता है। आखिर शिमला की ब्यूरोक्रेसी को अपना सप्ताहांत चंडीगढ़ और दिल्ली के हिमाचल भवन और सदन की निगाहों में ही तो गुजारना है। इस दौरान किसको परवाह कि सरकारी बसें किसकी मंजिल आने से पहले खड़ी हो गईं या सरकारी होटलों में जायका घाटे की प्लेट पर फीका कैसे हुआ। आश्चर्य यह कि हमारी सियासी बहस को अब एक अदद समोसा या मुर्गा चाहिए, लेकिन मुर्गा बनी परंपराएं दिखाई नहीं देतीं। किसमें इतना दम है कि पूछे कि सत्ता और विपक्ष के बीच कितने विधायक मुर्गा बन गए या इधर की पाली, उधर की ताली कैसे हो गई। हम सिर्फ पाले बदलती राजनीति देख रहे हैं, जहां हकीकत को भी मसखरेपन का आलेप लगाया जा रहा है। छात्र नहीं आ रहे तो भी स्कूल की इमारतों के जश्न और समारोह होने चाहिएं ताकि कोई हारा उम्मीदवार भी मुख्यातिथि बन सुशोभित हो और एक-दो नए कमरों के निर्माण की घोषणा कर दे। घोषणा कर दे कि सरकारी बसें किसी न किसी घाटे के रूप पर अवश्य दौड़ पड़ेंगी। बंटेगा हिमाचल, नई जिल्द में या नई किलेबंदी में। एक हिमाचल सरकार के दो साला महोत्सव में खुश दिखा और एक आज विधानसभा परिसर के बाहर रुष्ट दिखेगा। इस बीच जनता के पास कुछ दिन, शीतकालीन सत्र की उपादेयता के प्रश्न पर अपनी उम्मीदों और हाशियों के बीच। टकटकी लगाए हजारों बेरोजगार और नागरिक समाज भारी परिवर्तन की उम्मीद में सत्ता के सेहरों और विपक्ष के मोहरों को देख रहा, ताकि कोई तो चल जाए।

नेपाल की सभी एयरलाइंस पर यूरोप में उड़ान भरने पर प्रतिबंध बरकरार

काठमांडू, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने सभी नेपाली एयरलाइंस कंपनियों पर अपने हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने के प्रतिबंध को अगले वर्ष भी बरकरार रखा है। ईयू के इस प्रतिबंध के कारण नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन और हिमालय एयरलाइंस जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यूरोप के किसी भी गंतव्य तक उड़ान भरने पर एक वर्ष के लिए रोक लग गई है।

ईयू की हवाई सुरक्षा सूची सालाना अपडेट की जाती है। मंगलवार को जारी नई सूची में भी नेपाल की सभी एयरलाइंस के उड़ानों पर प्रतिबंध को जारी रखने का निर्णय किया गया है। यूरोपीय संघ की सुरक्षा सूची में नेपाल एयरलाइंस, हिमालय एयरलाइंस, बुद्ध एयर, यति एयरलाइंस और तारा एयर जैसी प्रमुख नेपाली एयरलाइंस के साथ-साथ एयर डायनेस्टी, मनांग एयर और सिमरिक एयर जैसे कई हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता शामिल हैं।

नेपाल को पहली बार 2013 में सुरक्षा चिंताओं के कारण यूरोपीय संघ की सुरक्षा सूची में रखा गया था। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) और सरकार के प्रयासों के बावजूद नेपाल एक दशक से अधिक समय से सूची से बाहर नहीं निकल पाया है। नेपाल विमानन कंपनी संचालक संघ के अध्यक्ष कैप्टन रामेश्वर थापा ने यूरोपीय संघ के रुख को सीएएएन के भीतर नियामक और सेवा प्रदाता भूमिकाओं को अलग करने में नेपाल की विफलता के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि नेपाल में चीनी निर्मित विमानों के उपयोग को भी एक कारक के रूप में है। कैप्टन थापा का कहना है कि इस प्रतिबंध से अंतरराष्ट्रीय चार्टर या आपातकालीन उड़ानों के लिए बाधाएं पैदा कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में तब्लीगी जमात के आयोजन स्थल पर हिंसा, दो की मौत

ढाका। बांग्लादेश में तब्लीगी जमात के प्रमुख आयोजन स्थल टोंगी इज्तेमा मैदान में नियंत्रण के लिए दो मुस्लिम धर्मगुरुओं मौलाना साद और मौलाना जुबैर के समर्थकों के बीच हुई हिंसक झड़प में दो लोगों की मौत हो गई। इसके बाद तनाव फैल गया। पूरे क्षेत्र में पुलिस और सशस्त्र बल के जवानों को तैनात किया गया है। हिंसा में जान गंवाने वाले बच्चू मिया (70) और बेलाल हुसैन (60) मौलाना जुबैर गुट के हैं। बच्चू किशोरगंज के पाकुंडिया उपजिला और बेलाल ढाका के दक्षिणखान से तब्लीगी जमात में शामिल होने आए थे। दोनों की मौत से गुस्साए तब्लीगी जमात के मौलाना जुबैर गुट के समर्थकों ने प्रदर्शन करते हुए सुबह 10 बजे गाजीपुर में ढाका-मैमनसिंह राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने टोंगी इज्तेमा मैदान उनके इज्तेमा को सौंपने और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने की मांग की। श्रीपुर पुलिस थाना प्रभारी खंडाकर जैनल आबेदीन मंडल ने कहा कि प्रदर्शनकारी दोपहर को वापस चले गए।

संवैधानिक न्यायालय का दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को दस्तावेज जमा कराने का आदेश

सियोल। दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति यून सुक येओल की तीन दिसंबर को मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा के बाद से उथल पुथल मची हुई है। नेशनल असेंबली येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित कर चुकी है। कुछ सैन्य अफसरों और पूर्व रक्षामंत्री को गिरफ्तार किया जा चुका है। येओल पुलिस जांच में सहयोग नहीं कर रहे। उनका कार्यालय और आवास पुलिस समन ही नहीं ले रहे। महाभियोग का महासंग्राम संवैधानिक न्यायालय की चौखट पर है। न्यायालय ने बुधवार को राष्ट्रपति येओल को मार्शल लॉ डिक्री, मार्शल लॉ घोषित होने से पहले और बाद में हुई दो कैबिनेट बैठकों के मिनट्स प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार संवैधानिक न्यायालय के प्रवक्ता ली जिन ने संवाददाताओं को बताया कि यह आदेश मंगलवार को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजा गया। न्यायालय महाभियोग परीक्षण के लिए साक्ष्य एकत्र कर रही है। येओल को आगामी मंगलवार तक सभी दस्तावेज जमा कराने का आदेश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि कैबिनेट बैठकें विवाद के केंद्र में हैं। आंतरिक मंत्रालय पहले ही कह चुका है कि बैठकों के विवरण मौजूद नहीं हैं। महाभियोग मुकदमे से संबंधित कागजात देने के न्यायालय के पूर्व प्रयास विफल हो चुके हैं। प्रवक्ता ली ने कहा कि संवैधानिक न्यायालय की सुनवाई जनता और प्रेस के लिए खुली रहेगी। इसका सीधा प्रसारण नहीं किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया के रक्षा खुफिया कमान प्रमुख मेजर जनरल मून सांग-हो गिरफ्तार

सियोल। दक्षिण कोरिया में बुधवार दोपहर 12:20 बजे (स्थानीय समय) रक्षा खुफिया कमान प्रमुख मेजर जनरल मून सांग-हो को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी अल्पकालिक मार्शल लॉ अभियान में शामिल रहने के संदेह के रूप में की गई है।

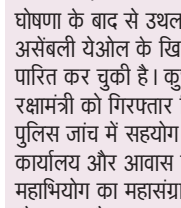

मार्शल लॉ डिक्री की जांच कर रहे एक भ्रष्टाचार विरोधी जांच निकाय ने इसकी घोषणा की। उच्च पदस्थ अधिकारियों के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय ने कहा कि मेजर जनरल मून सांग-हो को गिरफ्तार कर लिया गया है। कार्यालय ने कहा कि मेजर जनरल मून सांग-हो पर राष्ट्रपति यून सुक येओल के मार्शल लॉ घोषित करने के बाद तीन दिसंबर को राष्ट्रीय चुनाव आयोग के कार्यालय में सेना भेजने का संदेह है। उन पर मार्शल लॉ की घोषणा करने से दो दिन पहले ग्योंगगी प्रांत में एक बर्गर फ्रेंचाइजी में दो अन्य अधीनस्थों के साथ पूर्व रक्षा खुफिया कमांडर नोह सांग-वोन के साथ मार्शल लॉ संचालन पर चर्चा करने का भी संदेह है। इससे पहले कल मंगलवार को देश के सेना प्रमुख जनरल पार्क एन-सु को गिरफ्तार किया गया था। पार्क को विद्रोह में मुख्य भूमिका निभाने और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप में अदालत से वारंट होने के बाद गिरफ्तार किया गया। इस मामले में इससे पहले पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून, डिफेंस काउंटर इंटेलिजेंस कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल येओ इन-ह्युंग, आर्मी स्पेशल वार फेयर कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल क्वाक जोंग-क्यून और लेफ्टिनेंट जनरल ली कैपिटल डिफेंस कमांड के प्रमुख जिन-वू को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पाकिस्तान के डीआई खान और शांगला में आतंकी हमला, पांच सुरक्षाकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान (डीआई खान) और शांगला में 24 घंटों दौरान हुए दो अलग-अलग आतंकी हमलों में पांच सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। आतंकवादियों ने डेरा इस्माइल खान में एक आईईडी विस्फोट और शांगला जिले में एक पुलिस चौकी पर हमला किया। आतंकवादियों ने मंगलवार को डेरा इस्माइल खान में दरबान तहसील के जरकानी इलाके में सुरक्षा बलों के वाहन को निशाना बनाया। आतंकवादियों ने इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से इस वाहन पर विस्फोट कर दिया। इस हमले में तीन कर्मी शहीद हो गए और दो अन्य घायल हो गए। शहीद सैनिकों की पहचान अशफाक, मुख्तियार वली और आरिफ के रूप में हुई, जबकि फरजंद और सामी घायल हो गए। घायलों को संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) डेरा इस्माइल खान ले जाया गया।

विस्फोट के बाद बड़ी संख्या में पुलिस और सुरक्षाबल के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव एवं तलाशी अभियान शुरू किया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने घटना की पुष्टि नहीं की। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि प्रांत में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति चिंताजनक है।

उन्होंने प्रांतीय सरकार की कथित निष्क्रियता की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि प्रशासन महज तमाशबीन बना हुआ है। एक बयान में राज्यपाल ने सुरक्षा बलों के वाहन पर हमले को पाकिस्तान, इस्लाम और मानवता के खिलाफ तत्वों की साजिश करार दिया। उन्होंने घायल कर्मियों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की।

दूसरा हमला मंगलवार तड़के हुआ। हथियारबंद बंदूकधारियों ने शांगला जिले के चकेसर तहसील के गुननगर इलाके में एक पुलिस चेक पोस्ट पर हमला कर दिया।

इस हमले में एक एएसआई सहित दो कर्मी शहीद हो गए और तीन अन्य घायल हो गए। शांगला जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) इमरान खान ने कहा कि आतंकवादियों ने सिंधु नदी के पास सुदूर चौकी को निशाना बनाकर रॉकेट गोले और हथगोले सहित भारी हथियारों से एक समन्वित हमला किया। कांस्टेबल निसार अहमद मौके पर ही शहीद हो गए, जबकि एएसआई मुहम्मद हसन ने बट्टाग्राम अस्पताल में दम तोड़ दिया।

घायलों की पहचान अरशद इकबाल, अरशद अली और रफतुल्लाह के रूप में हुई। डीपीओ इमरान खान ने कहा कि जवाबी कार्रवाई में एक आतंकवादी भी घायल हो गया।

शहीद कर्मियों के लिए अंतिम संस्कार की प्रार्थना शांगला पुलिस लाइन में की गई।

इसमें उपायुक्त फवाद अहमद, एमपीए मोहम्मद रशद खान और पूर्व सीनेटर मौलाना राहत हुसैन सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। पुलिस की एक टुकड़ी ने सलामी दी। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक अख्तर हयात खान ने कर्मियों की बहादुरी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमले में शामिल आतंकवादियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इन कर्मियों को दफनाने के बाद नागरिकों ने अलपुरी चौक पर विरोध प्रदर्शन किया और जिले में शांति बहाल करने और आतंकवादी हमलों को समाप्त करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आतंकवाद को रोकने के लिए तत्काल उपाय नहीं किए जाने पर धरना देने की चेतावनी दी।

दूसरा विमान अंतरिक्ष भेजा गया था- फिर भी सुनीता विलियम्स की स्पेस से वापसी टली

न्यूयॉर्क, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय मूल की वरिष्ठ अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की वापसी को लेकर नासा ने नया अपडेट जारी किया है। इसके मुताबिक अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की वापसी और टल गई है। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी के लिए एक दूसरा विमान अंतरिक्ष भेजा गया था।

क्रू-9 के दो अंतरिक्ष यात्री सितंबर में ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए आईएसएस पहुंचे थे। इसमें सुनीता विलियम्स और विल्मोर के लिए दो खाली सीटें थीं। योजना यह थी कि फरवरी 2025 में चारों वापस घर लौट आएंगे।

हालांकि नासा ने मंगलवार को कहा है कि क्रू-10, जो क्रू-9 और उन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आएगा, अब मार्च 2025 से पहले लॉन्च नहीं हो पाएगा।

वरिष्ठ अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून में बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट पर आईएसएस पहुंचे थे। यह मिशन सिर्फ आठ दिन का था लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आ गई और उनकी वापसी टल गई।

अब नासा ने एक ब्लॉग पोस्ट में वापसी के लिए और इंतजार करने की खबर दी है। इससे आठ दिनों का यह मिशन 9 महीने से ज्यादा का हो जाएगा। गौरतलब है कि बीते कई महीनों से सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में फंसे हुए हैं।

इससे पहले वह फरवरी में धरती पर लौटने वाले थे। हालांकि नासा ने मंगलवार को कहा है कि उन्हें वापस लाने के मिशन में और देरी होगी। अब उन्हें कम से कम मार्च के अंत तक वहीं रहना होगा।

क्रिसमस मनाती नजर आईं विलियम्स

इससे पहले अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद उनको हेल्थ को लेकर भी चिंताएं थीं। हालांकि उन्होंने ऐसी खबरों को खारिज किया था। वहीं सोमवार को सुनीता विलियम्स अंतराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में अपने साथियों के साथ क्रिसमस मनाती नजर आई थीं।

भारत-चीन सीमा विवाद के स्थाई समाधान के लिए बीजिंग में वार्ता की

बीजिंग, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत और चीन सीमा विवाद के स्थाई समाधान के लिए यहां वार्ता की । चीन की राजधानी बीजिंग में होने वाली विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता में भारत का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने की चीन ने अपने विदेशमंत्री वांग यी को विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया है। बैठक में हिस्सा लेने के लिए डोभाल कल बीजिंग पहुंचे।

विशेष प्रतिनिधि स्तर वार्ता पूर्वी लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अप्रैल-मई, 2020 से चल रहे मौजूदा तनाव को समाप्त करने के बाद शुरू की जा रही है। विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की व्यवस्था पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जुलाई, 2003 की बीजिंग यात्रा के दौरान की गई थी। इसका उद्देश्य यह था कि भारत-चीन के बीच सीमा विवाद का स्थाई समाधान हो सके। तब से अब तक 22 चरण की बातचीत हो चुकी है। डोभाल वर्ष 2014 से 2019 तक इस वार्ता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता पांच वर्ष बाद हो रही है। इसकी शुरुआत फिर करने की सहमति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच अक्टूबर, 2024 में बनी थी। उसके बाद दोनों देशों के विदेशमंत्रियों की बैठक हो चुकी है।

तीन अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने नेपाल की शांति प्रक्रिया पर चिंता जताई

काठमांडू, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में जारी शांति प्रक्रिया के अंतिम चरण को लेकर सरकार के कदम पर तीन अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने आपत्ति दर्ज की है। इन तीनों संगठनों ने बुधवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और माओवादी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड को पत्र लिखकर मौजूदा प्रक्रिया को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल, आईसीजे और ह्यूमन राइट्स वॉच ने संयुक्त बयान में कहा कि सत्य निरूपण आयोग (टीआरसी) का गठन करने के लिए सरकार की समिति ने जिन लोगों के नाम की सिफारिश की है, उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। पत्र में कहा गया है कि नेपाल सरकार को मानवीय संवेदना को ध्यान में रखते हुए इसका फैसला करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व प्रधान न्यायाधीश ओमप्रकाश मिश्र के नेतृत्व में गठित समिति ने सरकार को 40 लोगों की सूची दी है जिसमें दो अलग-अलग समितियों के अध्यक्ष और चार-चार सदस्यों के नाम हैं। इन मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से आग्रह किया है कि समिति की सिफारिश पर किसी की नियुक्ति न की जाए। साथ ही फिर से चयन प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह भी किया गया है।

तीनों नेताओं को भेजे गए पत्र में लिखा गया है कि संक्रमणकालीन न्याय के लिए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक कानून के अनुपालन की आवश्यकता होती है, इसलिए नेपाल सरकार सहित सभी संबंधित पक्षों से इस प्रक्रिया की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैधता की रक्षा करने का आग्रह है।

पत्र में इस तरह की विफलता अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपराधों सहित गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने में नेपाल की अनिच्छा या असमर्थता का संकेत देने की बात भी उल्लेख है। उन्होंने प्रधानमंत्री और सभी पक्षों से न्यायिक आयोगों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सक्षम व्यक्तियों की नियुक्ति के लिए हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श सहित एक पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए नई सिफारिश समिति बनाने का अनुरोध किया है।

यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क में छिड़ी लड़ाई में उत्तर कोरिया के कई सौ सैनिकों को मारा, अमेरिकी अधिकारी का दावा

वाशिंगटन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूक्रेन की फौज ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में छिड़ी लड़ाई में उत्तर कोरिया के कई सौ सैनिकों को मार गिराया है। यह दावा एक वरिष्ठ अमेरिकी सैन्य अधिकारी ने किया है। इसे रूस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। उत्तर के कोरिया के करीब 10,000 सैनिक यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में रूस की सेना का साथ दे रहे हैं।

अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह खबर दी है। खबर में दावा किया गया है कि यूक्रेन से लड़ते हुए कई सौ उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए। इनमें सभी रैंक के लोग हैं। रूस कुर्स्क क्षेत्र से यूक्रेन की फौज को पीछे धकेलने के लिए जद्दोजहद कर रहा है।

यूक्रेन के बलों ने इस साल की शुरुआत में इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। उत्तर कोरिया के सैनिकों को खासकर इसी क्षेत्र में तैनात किया गया है।

इस अमेरिकी अधिकारी ने मीडिया से किए अपने दावे में उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम के संक्षिप्त रूप डीपीआरके का उपयोग करते हुए अपनी पहचान न उजागर करने का आग्रह किया। यूक्रेन के कमांडर-इन-चीफ ऑलेक्जेंडर सिर्स्की ने कुछ दिन पहले कहा था कि रूस कुर्स्क क्षेत्र में उत्तर कोरिया के सैनिकों का इस्तेमाल कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि फरवरी 2022 में मास्को के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से उत्तर कोरिया और रूस ने अपने सैन्य संबंध मजबूत किए हैं। प्योंगयांग और मास्को के बीच जून में हस्ताक्षरित एक ऐतिहासिक रक्षा समझौता इस महीने की शुरुआत में लागू हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि परमाणु हथियारों से लैस उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन रूस से उन्नत तकनीक और अपने सैनिकों के लिए युद्ध का अनुभव हासिल करने के इच्छुक हैं।

फ्रीलैंड ने इस्तीफा दिया या गवर्नर ट्रूडो ने उन्हें बर्खास्त कर दिया

वाशिंगटन। कनाडा में इस समय उथल-पुथल मची है। पीएम जस्टिन ट्रूडो पर बहुत दबाव है। कनाडा की अर्थव्यवस्था गिरती जा रही है तो दूसरी तरफ अमेरिका में कनाडा के इंपोर्ट पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की ट्रंप की चेतावनी से वह परेशान है। इस बीच देश की वित्त मंत्री के इस्तीफे दे दिया है जिस पर ट्रंप ने चुटकी ली है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ग्रेट स्टेट ऑफ कनाडा हैरान है कि उनकी वित्त मंत्री ने इस्तीफा दे दिया या गवर्नर जस्टिन ट्रूडो ने उन्हें बर्खास्त कर दिया है। उनका व्यवहार बहुत टॉक्सिक था और कनाडा के नाखुश नागरिकों के लिहाज से सही नहीं था। उनकी कमी नहीं खलेगी। फ्रीलैंड संसद में आर्थिक गिरावट के आंकड़े पेश करने वाली थीं, लेकिन इससे कुछ घंटे पहले ही उन्होंने पद छोड़ दिया। सरकार ने 2023-24 का बजट घाटा योजना से कहीं अधिक बड़ा कर लिया है। फ्रीलैंड ने ट्रूडो को पत्र लिखकर कहा था कि पिछले कई हफ्तों से आप और मैं कनाडा को आगे बढ़ाने को लेकर असमंजस में हैं। ट्रूडो के अमेरिकी दौरे के दौरान वह ट्रंप के आवास मार-ए-लागो पहुंचे थे। जहां ट्रंप और ट्रूडो ने एक साथ डिनर किया था। इस दौरान ट्रंप ने कहा था कि कनाडा के गवर्नर जस्टिन ट्रूडो के साथ डिनर कर खुशी हुई। मैं जल्द ही गवर्नर से दोबारा मिलना चाहूंगा ताकि हम टैरिफ और ट्रेड पर अपनी चर्चा जारी रख सकें। ट्रंप की इस प्रतिक्रिया के बाद यह सवाल उठने लगा था कि आखिर ट्रंप ने ट्रूडो को गवर्नर क्यों कहा ट्रंप ने डिनर के दौरान ट्रूडो को ऑफर दिया था कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए।

ईडन गार्डन्स में दो महान हस्तियों के नाम पर स्टैंड्स का नामकरण

कोलकाता, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने मंगलवार को ईडन गार्डन्स के दो दर्शक स्टैंड्स का नामकरण दो महान हस्तियों के नाम पर करने की घोषणा की। यह स्टैंड्स भारतीय सेना के वीर अधिकारी कर्नल एन.जे. नायर और भारत की पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी झूलन गोस्वामी के नाम पर रखे गए हैं। यह सम्मान इन दोनों के अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण योगदान और उपलब्धियों को सलाम करने के लिए दिया गया है।

कर्नल एन.जे. नायर का योगदान

कर्नल एन.जे. नायर, जिन्हें एनजे के नाम से जाना जाता है, भारतीय सेना के एक उत्कृष्ट अधिकारी थे। वे अकेले ऐसे सैनिक थे जिन्हें भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार अशोक चक्र और दूसरे सर्वोच्च पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। कर्नल नायर की वीरता और राष्ट्र सेवा को यह सम्मान देकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

झूलन गोस्वामी की क्रिकेट में उपलब्धियां

झूलन गोस्वामी ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट, 204 एकदिवसीय मैचों में 255 विकेट (जो विश्व रिकॉर्ड है) और 68 टी-20 मैचों में 56 विकेट झटके। क्रिकेट के क्षेत्र में उनकी इन उपलब्धियों के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया।

सीएबी अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व का क्षण है कि हम इन दो महान हस्तियों, कर्नल एन.जे. नायर और झूलन गोस्वामी, को सम्मानित कर रहे हैं। यह शाम हम सभी के लिए उनके साहस और उपलब्धियों को सलाम करने का एक मौका है।

कर्नल नायर के बेटे ने जताया आभार

कार्यक्रम में कर्नल नायर के बेटे, शिवन जे. नायर, को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं सीएबी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरे पिता को यह सम्मान दिया।

झूलन गोस्वामी की प्रतिक्रिया

झूलन गोस्वामी ने इस सम्मान को अपने जीवन का विशेष क्षण बताया। उन्होंने कहा कि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे नाम पर स्टैंड का नाम रखा जाएगा। भारतीय टीम के लिए खेलना मेरा सौभाग्य था, लेकिन यह सम्मान मेरे लिए बहुत खास है। उन्होंने सीएबी अध्यक्ष और अपने पूरे क्रिकेट करियर में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

सौरव गांगुली ने सराहा

कार्यक्रम में पूर्व बीसीसीआई और सीएबी अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने कहा, आज का दिन खास है क्योंकि हमने दो महान हस्तियों, कर्नल एन.जे. नायर और झूलन गोस्वामी, के नाम पर स्टैंड्स का नाम रखा। दोनों ने अपने-अपने क्षेत्र में देश को गौरवान्वित किया है।

न्यूज ब्रीफ

सुरजीत सेकिया ने की शानदार बल्लेबाजी, नार्दर्न रेलवे ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीवीजन में गुरुमन क्रिकेट एकेडमी को 147 रन से हराकर नार्दर्न रेलवे एकेडमी ने बढ़त बना ली। इस मैच में सुरजीत सेकिया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 69 रन बनाये। नार्दर्न रेलवे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर से पहले 32वें ओवर में ही 214 रन बनाकर आउट हो गयी। सलामी बल्लेबाज सुरजीत सेकिया ने 10 चौकों की मदद से 81 बाल पर 69 रन बनाये। वहीं अंजुल मिश्रा ने 12 रन का योगदान दिया, जबकि अभिषेक ने 38 रन और यशवंत ने 32 रन बनाये। ऋषि राज ने 14 रन बनाये। वहीं गुरुमन क्रिकेट एकेडमी मात्र 67 रन बनाकर पवेलियन लौट गयी और नार्दर्न रेलवे ने 147 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में सबसे अधिक फैज आलम ने 24 रन बनाये। वहीं गोल्डी यादव शून्य पर ही पवेलियन लौट गये, जबकि सलामी बल्लेबाज दिव्यांश ने 13 रन का योगदान दिया।

विनिसियस जूनियर ने जीता सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार

नई दिल्ली। विनीसियस जूनियर ने सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार जीता और 2016 में इसकी स्थापना के बाद से ऐसा करने वाले पहले ब्राजीलियाई बन गए। मंगलवार को कतर के दोहा में एस्पायर अकादमी में उन्हें विजेता घोषित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद उन्होंने कहा, मैं साओ गोंकालो की गलियों में नंगे पांव खेलने वाला बच्चा था। मैं ऐसे कई बच्चों के लिए आदर्श हूँ जो सोचते हैं कि सब कुछ असंभव है और वे यहाँ तक नहीं पहुँच सकते। 2023-24 सीजन में, उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 39 मैचों में 24 गोल किए, जिसके साथ उन्होंने ला लीगा, यूईएफए चैंपियंस लीग और सुपरकोपा डी एस्पाना जीता। उन्होंने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना के खिलाफ़ सुपरकोपा फ़ाइनल में हैट्रिक बनाई। 2024 बैलन डी ओर विजेता रॉड्री (43 अंक - मैनचेस्टर सिटी और स्पेन) और साथी टीम के साथी जूड बेलिंगहैम (37 अंक - रियल मैड्रिड और इंग्लैंड) से आगे, विनीसियस 48 अंकों के साथ वोट चार्ट में शीर्ष पर रहे। वह क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लुका मोड्रिक के बाद इस समारोह के इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए फीफा का पुरस्कार जीतने वाले तीसरे रियल मैड्रिड खिलाड़ी हैं, जिसकी शुरुआत 2016 में हुई थी। जहां रोनाल्डो ने पहले दो संस्करणों में जीत हासिल की थी, वहीं मोड्रिक ने 2018 में जीत हासिल की थी।

स्कॉट बोर्थविक की जगह डरहम के कप्तान बने एलेक्स लीस

डरहम। एलेक्स लीस को डरहम क्रिकेट क्लब का कप्तान नियुक्त किया गया है और उन्होंने अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वह कम से कम अगले तीन सत्रों तक क्लब में बने रहेंगे। 2022 में इंग्लैंड के लिए 10 टेस्ट खेलने वाले लीस ने पिछले सीजन में डरहम को टी20 ब्लास्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था और पिछले दो वर्षों से उनकी व्हाइट-बॉल टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। अब वह काउंटी चैंपियनशिप में भी स्कॉट बोर्थविक की जगह लेंगे, जो अपने करियर के अंत के करीब पहुंचने के साथ ही खिलाड़ी-कोच की भूमिका में आ रहे हैं। हैलिफ़ैक्स में जन्मे लीस को भविष्य में टेस्ट में नियमित खिलाड़ी माना जा रहा था, जब उन्होंने यॉर्कशायर में 22 साल की उम्र में टी20 टीम की कप्तानी की थी। लेकिन जेसन गिलेस्पी के कोच पद से हटने और 2018 में डरहम में जाने के बाद उन्हें फॉर्म में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कैरिबियन में अपनी पहली सीरीज़ में इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि उन्हें बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड के पहले घरेलू समर के लिए बरकरार रखा गया, लेकिन अंततः 19 पारियों में दो अर्द्धशतक और 23.84 की औसत के रिकॉर्ड के साथ उन्हें बाहर कर दिया गया। वह तब से डरहम के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, पिछले दो सीजन में नौ चैंपियनशिप शतक बनाए हैं। लीस ने क्लब के एक बयान में कहा, डरहम में नए पुरुष क्लब कप्तान के रूप में नामित होने पर मुझे खुशी है। उत्तर पूर्व में जाना मेरे लिए अच्छा रहा है, इसलिए अब मुझे डरहम की कप्तानी करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है। मेरा मानना है कि इस टीम में आगे बढ़ने और ट्रॉफी जीतने की क्षमता है। हमारे पास यहाँ बहुत से बेहतरीन खिलाड़ी हैं और यही बात मुझे सबसे ज़्यादा उत्साहित करती है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

बारिश ने ड्रा कराया ब्रिसबेन टेस्ट

ब्रिसबेन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

लगातार रूक रूक कर हो रही बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने दूसरी पारी 89/7 पर पारी घोषित करने और भारत को 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए आमंत्रित किया। जवाब में भारतीय टीम बिना किसी नुकसान के 8 रन बना लिये थे तभी बारिश शुरु हो गई। काफी देर इंतजार करने के बाद जब बारिश नहीं रूकी तो मैच को समाप्त घोषित कर दिया गया, परिणाम स्वरूप मैच ड्रा हो गया और पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर है।

दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट में 4 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। जिसके जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 185 रन की बढ़त मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी 7 विकेट पर 89 रन बनाकर घोषित की

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और केवल 33 रनों पर उस्मान ख्वाजा (08), मार्नश लाबुशेन (01), नाथन मेकस्विनी (04) मिचेल मॉर्श (02) और स्टीव स्मिथ (04) पवेलियन लौट गए।

यहां से ट्रैविस हेड और एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 50 के पार पहुंचाया। 60 के कुल स्कोर पर सिराज ने हेड (17) को आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई। पैट कमिंस ने 10 गेंदों पर 20 रनों की तेज पारी खेली। 85 के कुल स्कोर पर बुमराह ने उन्हें आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका दिया। बुमराह का यह ओवर समाप्त होने पर ऑस्ट्रेलिया ने 89 के कुल स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। भारत के लिए जसप्रीत बुराह ने 3, मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने 2-2 विकेट लिए।

भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए

इससे पहले आज पांचवें दिन आज भारत ने अपने कल के स्कोर 252 रन पर 9 विकेट से आगे खेलना शुरु किया। भारतीय आखिरी जोड़ी आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह कल के स्कोर में 8 रन और जोड़े। 260 के कुल स्कोर पर ट्रैविस हेड की गेंद पर आकाशदीप स्टंप आउट हुए। आकाशदीप ने महत्वपूर्ण 31 रन बनाए, वहीं बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत के लिए केएल राहुल (84) और रवींद्र जडेजा (77) ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं। राहुल ने 84 और जडेजा ने 77 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने 3, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और ट्रैविस हेड ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक

इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए।

भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक लिया संन्यास, सीरीज बीच में छोड़कर लौटेंगे घर

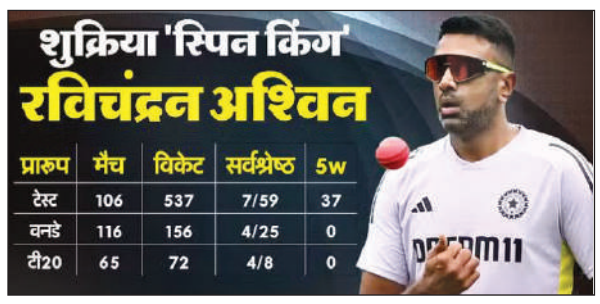

ब्रिस्बेन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। उन्होंने गाबा टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। अश्विन कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे थे और वहां इसकी घोषणा की। संन्यास से पहले अश्विन ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली के साथ बैठे नजर आए थे। इस दौरान कोहली ने उन्हें गले भी लगाया था। अश्विन एडिलेड डे नाइट टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे।

38 साल का यह स्पिनर भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुका है। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में सातवें स्थान पर हैं। अश्विन के नाम 106 टेस्ट में 537 विकेट हैं। 59 रन देकर सात विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। इस दौरान उनका औसत 24.00 का और स्ट्राइक रेट 50.73 का रहा है। अश्विन टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय में अनिल कुंबले के बाद दूसरे नंबर पर हैं। कुंबले के नाम 619 टेस्ट विकेट थे। अश्विन का एलान चौंकाने वाला है, क्योंकि वह भारतीय सरजमीं पर भारतीय स्पिन अटैक की धार थे। अपने घर पर डेब्यू के बाद से जब भी वह स्क्वॉड में चुने गए, हर बार वह टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने घर पर कोई टेस्ट मिस नहीं किया है।

अश्विन के नाम टेस्ट में 37 फाइव विकेट हॉल है, जो कि किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा है। उनके बाद कुंबले का नंबर आता है। कुंबले ने टेस्ट में 35 बार पारी में पांच विकेट लिए थे। ओवरऑल सबसे ज्यादा पारी में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 67 बार ऐसा किया था। अश्विन शेन वॉर्न के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। अश्विन 106 टेस्ट खेलने के अलावा 116 वनडे और 65 टी20 में भी टीम इंडिया का हिस्सा रहे। उन्होंने वनडे में 156 विकेट और टी20 में 72 विकेट लिए थे। वनडे में उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 25 रन देकर चार विकेट और टी20 में आठ रन देकर चार विकेट है। वनडे में उनकी इकोनॉमी 4.93 की और टी20 में 6.90 की रही है। हालांकि, इन दोनों में वह एक बार भी पारी में पांच विकेट नहीं ले पाए। इसके अलावा अश्विन ने टेस्ट में काफी रन भी बनाए हैं। उनके नाम टेस्ट में 3503 रन हैं।

बास्केटबॉल चैंपियनशिप जीतने के बाद जश्न

लास वेगास, नेवादा,मिल्वौकी में बक्स फॉरवर्ड जियानिस एंटेटोकोउनम्पो (34) ने टी-मोबाइल एरिना में ओक्लाहोमा सिटी थंडर के खिलाफ एमिरेट्स एनबीए कप बास्केटबॉल चैंपियनशिप गेम जीतने के बाद ट्रॉफी उठाई और खिलाड़ियों और कर्मचारियों के साथ जश्न मनाया।

कुछ साल पहले मानसिक स्वास्थ्य के कारण टेनिस से ब्रेक लेने के बारे में सोचा था : राफेल नडाल

नई दिल्ली, 18 दिसंबर(एजेंसियां)।

राफेल नडाल ने कुछ साल पहले टेनिस से मानसिक स्वास्थ्य के कारण ब्रेक लेने के बारे में सोचा था। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने मंगलवार को एक ऑनलाइन पोस्ट के जरिए उक्त खुलासा किया।

नडाल ने द प्लेयर्स ट्रिब्यून पर कहा, शारीरिक दर्द से मैं बहुत अभ्यस्त था, लेकिन कोर्ट पर ऐसे समय भी आए जब मुझे अपनी सांसों को नियंत्रित करने में परेशानी हुई और मैं उच्चतम स्तर पर नहीं खेल पाया। मुझे अब यह कहने में कोई परेशानी नहीं है। आखिरकार, हम इंसान हैं, सुपरहीरो नहीं। शुक्र है, मैं चिंता जैसी चीजों को नियंत्रित करने में असमर्थ होने की स्थिति में नहीं पहुंचा, लेकिन हर खिलाड़ी के साथ ऐसे क्षण आते हैं जब अपने दिमाग को नियंत्रित करना मुश्किल होता है और जब ऐसा होता है तो अपने खेल पर पूरा नियंत्रण रखना मुश्किल होता है।

उन्होंने कहा, ऐसे कई महीने थे जब मैंने अपने दिमाग को साफ करने के लिए टेनिस से पूरी तरह से ब्रेक लेने के बारे में सोचा। अंत में, मैंने बेहतर होने के लिए हर दिन इस पर काम किया। 38 वर्षीय नडाल ने नवंबर में स्पेन के लिए डेविस कप खेलने के बाद संन्यास ले लिया था। इससे पहले दो सत्र चोटों से भरे रहे थे, जिसके कारण वे बहुत कम ही प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले पाए थे।

पोस्ट में उन्होंने अपने बाएं पैर में पुराने दर्द के बारे में लिखा, जो पहली बार तब सामने आया जब वह 17 साल के थे और कहा कि तब उन्हें बताया गया था कि वह शायद फिर कभी पेशेवर टेनिस नहीं खेल पाएंगे।

उन्होंने कहा, मैंने घर पर कई दिन रोते हुए बिताए, लेकिन यह विनम्रता का एक बड़ा सबक था, और मैं भाग्यशाली था कि मेरे पास एक पिता थे - मेरे जीवन में उनका वास्तविक प्रभाव - जो हमेशा बहुत सकारात्मक थे।

नडाल ने फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 चैंपियनशिप जीतीं। उन्होंने मैचों से पहले घबराहट और अपने करियर के कुछ मुख्य अंशों का उल्लेख किया, और कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरी विरासत यह होगी कि मैंने हमेशा दूसरों के साथ गहरे सम्मान के साथ व्यवहार करने की कोशिश की। यह मेरे माता-पिता का सुनहरा नियम था।

अश्विन के संन्यास पर रोहित ने कहा- उन्हें पर्थ से ही अश्विन के फैसले का अंदाजा था

ब्रिसबेन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

बुधवार को गाबा में बारिश के कारण अटकलों का दौर जारी था। संन्यास की चर्चा हवा में थी और जब आर. अश्विन ने स्पष्ट किया कि वह अंतरराष्ट्रीय खेल से संन्यास ले रहे हैं, तो सभी अटकलें तुरंत खत्म हो गईं।

रोहित शर्मा को पर्थ में पहले टेस्ट मैच से ही अश्विन के संन्यास का अंदाजा था।

प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल से अश्विन के जाने के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए भारतीय कप्तान ने कहा, कुछ फैसले बहुत निजी होते हैं और मुझे नहीं लगता कि इस बारे में बहुत सारे सवाल पूछे जाने चाहिए। अगर किसी खिलाड़ी के पास कोई विकल्प है, तो उसे वह विकल्प दिया जाना चाहिए और अश्विन जैसे खिलाड़ी, जो इतने सालों से हमारे लिए खेल रहे हैं, उन्हें इस तरह के फैसले लेने की अनुमति है और हमें टीम के साथी के तौर पर इसका सम्मान करना चाहिए। वह जो करना चाहते थे, उसके बारे में वह बहुत आश्वस्त थे और टीम ने उनकी सोच का पूरा समर्थन किया।

अश्विन के फ़ैसले के बारे में बात करते हुए रोहित ने विस्तार से बताया, जब मैं पर्थ आया तो मैंने यह सुना। जाहिर है इसके पीछे कई चीज़ें हैं। मुझे यकीन है कि ऐश इसका जवाब दे पाएगा। लेकिन वह समझता है कि टीम क्या सोच रही है, वह समझता है कि हम किस तरह के संयोजन के बारे में सोच रहे हैं और जब हम यहाँ आए थे तो हमें भी यह नहीं पता था कि कौन सा स्पिनर खेलेगा, हम बस यह आकलन करना चाहते थे कि हमारे सामने किस तरह की परिस्थितियाँ हैं, लेकिन हाँ जब मैं पर्थ पहुँचा, तो हमारी इस तरह की बातचीत हुई। मैंने किसी तरह उसे उस गुलाबी गेंद वाले टेस्ट (एडिलेड में) के लिए रुकने के लिए मना लिया, और उसके बाद, आप जानते हैं, ऐसा हुआ कि उसे लगा कि अगर %मेरी ज़रूरत नहीं है तो खेल को अलविदा कहने का सही समय है%। हम सभी को इस समय उसकी सोच के साथ खड़ा होना चाहिए। इस तरह अश्विन, गौतम गंभीर और मैंने इस बारे में बातचीत की।

अश्विन से जुड़ी अपनी निजी यादों के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने कहा, मैंने अंडर-17 से ही अश्विन के साथ क्रिकेट खेला है। तब वह ओपनर थे। और फिर कुछ साल बाद, मैं तमिलनाडु से खबर सुन रहा हूँ कि आर. अश्विन पाँच विकेट, सात विकेट ले रहे हैं और मैं सोच रहा था कि यह लड़का कौन है। मैंने उसे बल्लेबाज के तौर पर देखा और फिर अचानक वह एक गेंदबाज बन गया जो पाँच विकेट ले रहा है। फिर जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हम फिर मिले और 2010 से एक साथ एक लंबा सफर तय किया।

रोहित ने भारतीय क्रिकेट में अश्विन के योगदान को लेकर कहा, वह भारत के लिए एक सच्चे मैच विजेता हैं। जब भी कोई संकट आया, हमने अश्विन की ओर देखा और उन्होंने हमारे लिए कुछ किया। उनका रिकॉर्ड खुद ही सब कुछ बयां करता है। वह भारतीय क्रिकेट के सेवक रहे हैं और उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

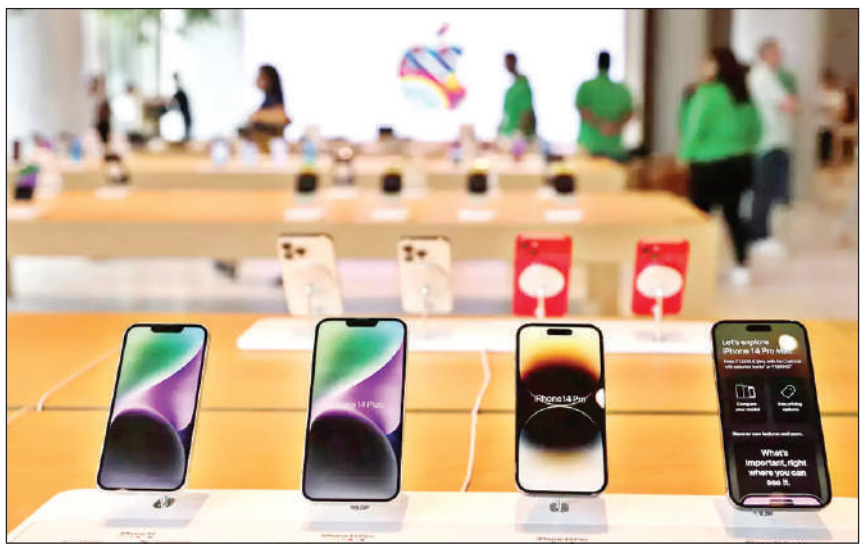

स्मार्टफोन निर्यात के मामले में एप्पल का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)।

एप्पल कंपनी ने नवंबर महीने में स्मार्टफोन निर्यात के मामले में शानदार प्रदर्शन किया। इंडस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 20,300 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि से 90 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

भारत में स्मार्टफोन निर्यात ने इस साल नवंबर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो पहली बार 20,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। पिछले साल नवंबर में स्मार्टफोन निर्यात 10,600 करोड़ रुपये से अधिक था। इस माह निर्यात में एप्पल सबसे आगे रहा, इसके बाद सैमसंग का स्थान था। भारत का स्मार्टफोन निर्यात लगातार बढ़ रहा है, और यह एक संकेत है कि देश के उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत स्मार्टफोन विनिर्माण में बड़ी सफलता मिल रही है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस उपलब्धि को स्मार्टफोन पीएलआई योजना के लिए एक मील का पत्थर बताया। मंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, एप्पल द्वारा 10 बिलियन डॉलर के आईफोन का उत्पादन और 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ है। भारत से कुल स्मार्टफोन निर्यात 7 महीनों में 10.6 बिलियन डॉलर को पार कर गया।

इसके अलावा, भारत में प्रीमियम, 5जी और एआई स्मार्टफोन की मजबूत मांग के कारण इस वर्ष 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2030 तक 500 बिलियन डॉलर के लोकल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्यात वृद्धि को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आंकड़ों के अनुसार, 2014-15 में मोबाइल फोन का उत्पादन 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पीएलआई योजना के कारण 2,000 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाता है। सरकार की पीएलआई योजना के कारण, एप्पल के आईफोन का उत्पादन वित्त वर्ष 2025 के सात महीनों में 10 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें अकेले 7 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ।

यह एक रिकॉर्ड है, जो भारत में स्मार्टफोन उत्पादन और निर्यात में मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम है।

न्यूज ब्रीफ

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 31 दिसंबर तक संशोधित आईटीआर करें दाखिल

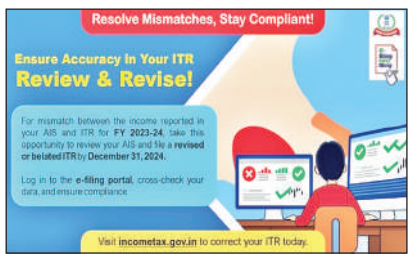

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में जानकारी देने के लिए एक विशेष अभियान चला रहा है, जिसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। आयकर विभाग ने बुधवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में करदाताओं से कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आपके एआईएस और आईटीआर में दर्ज आय के बीच बेमेल के लिए कृपया अपने वार्षिक सूचना विवरण की समीक्षा करें। विभाग ने करदाताओं से आग्रह करते हुए कहा कि कृपया ध्यान दें। 31 दिसंबर, 2024 तक संशोधित या विलंबित आईटीआर दाखिल करें और इस अवसर को न चूकें! उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में सूचित करने के लिए एक अभियान चला रहा है। विभाग आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर करदाताओं और रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल भेजा है। यह एसएमएस और ई-मेल उन मामलों में भेजा जा रहा है, जहां वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एआईएस और लेन-देन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर में बताई गई इनकम के बीच अंतर पाया गया है।

साई लाइफ साइंसेज का शेयर 20 फीसदी बढ़त पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। साई लाइफ साइंसेज के शेयर ने बुधवार को बाजार में धूम मचाई। यह इसके निर्गम मूल्य 549 रुपये से 20 प्रतिशत अधिक उछाल के साथ उच्चतम स्तर पर सूचीबद्ध हुआ। शेयर ने बीएसई पर 20.21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 660 रुपये पर सूचीबद्ध किया गया, जो बाद में 27.86 प्रतिशत उछाल के साथ 702 रुपये पर पहुंच गया। इसके अतिरिक्त एनएसई पर शेयर ने 18.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 650 रुपये पर शुरूआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,493.75 करोड़ रुपये था। साई लाइफ साइंसेज के आरम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के तीसरे और अंतिम दिन तक 10.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ में 950 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2,092 करोड़ रुपये के 3.81 करोड़ शेयर की बिक्री पेश की थी। इसके लिए मूल्य दायरा 522-549 रुपये प्रति शेयर था।

विशाल मेगा मार्ट का शेयर बाजार में सूचीबद्ध, शेयर का मूल्य बीएसई पर 41 प्रतिशत बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया

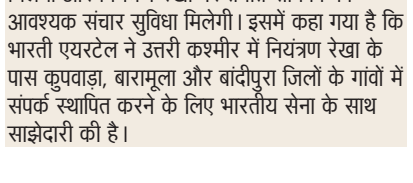

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू सामानों के लिए बड़ी-बड़ी दुकानें चलाने वाली विशाल मेगा मार्ट ने बुधवार को अपने निर्गम मूल्य में बढ़ोतरी के साथ बाजार में सूचीबद्ध हो गया है। इसमें शेयर का मूल्य बीएसई पर 78 रुपये से 41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 110 रुपये पर तय किया गया है। यह बढ़ोतरी दर्शाती है कि बाजार में कंपनी को उम्मीदवारों की अच्छी प्रतिध्वनि मिली है। एनएसई पर भी शेयर का मूल्य 33.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104 रुपये पर शुरू हुआ था। विशाल मेगा मार्ट की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बेहद सफल रही थी और शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 27.28 गुना अभिदान मिला था।

भारती एयरटेल, जम्मू-कश्मीर में मोबाइल सेवाओं की पहली निजी कंपनी बनी

नई दिल्ली। भारती एयरटेल जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों में मोबाइल सेवाएं शुरू करने वाली पहली निजी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि उसने कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों में 15 मोबाइल टावर स्थापित किए हैं। इससे स्थानीय लोगों को फायदा मिलेगा और नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों को आवश्यक संचार सुविधा मिलेगी। इसमें कहा गया है कि भारती एयरटेल ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास कुपवाड़ा, बारामूला और बांदीपुरा जिलों के गांवों में संपर्क स्थापित करने के लिए भारतीय सेना के साथ साझेदारी की है।

मोबिक्विक समेत पांच कंपनियों की स्टॉक मार्केट में एंट्री चार कंपनियों ने कराया मुनाफा,एक के निवेशक निराश

नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)।

मोबिक्विक, विशाल मेगा मार्ट, साई लाइफ साइंसेज समेत पांच कंपनियों के शेयरों की स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए एंट्री हुई। इन पांच कंपनियों में से मोबिक्विक, साई लाइफ साइंसेज, विशाल मेगा मार्ट और पर्पल यूनाइटेड सेल्स के शेयरों ने अपने आईपीओ निवेशकों को बढ़िया मुनाफा कराया, वहीं सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट के शेयरों की कमजोरी लिस्टिंग से इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही नुकसान का सामना करना पड़ा।

मोबिक्विक के शेयरों ने शेयर बाजार में शानदार एंट्री की। आईपीओ के तहत मोबिक्विक के शेयर 279 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। स्टॉक मार्केट में कंपनी के शेयर 440 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। इस तरह आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग के साथ ही करीब 58 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर में तेजी आ गई। सुबह 11 बजे मोबिक्विक के शेयर 525 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचकर कारोबार कर रहे थे। इसी तरह देश की सबसे बड़े इंटीग्रेटेड कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग आर्गेनाइजेशन्स में शामिल साई लाइफ साइंसेज के शेयरों की भी घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 549 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई पर इसकी 660 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 650 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 20 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर में और तेजी आई। दोपहर 11 बजे कंपनी के शेयर 697.90 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 27.12 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। ही देश के कई राज्यों में फैले हाइपरमार्केट चेन विशाल मेगा मार्ट के शेयरों की स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री हुई। आईपीओ के तहत विशाल मेगा मार्ट के शेयर 78 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई पर इसकी 110 रुपये के भाव पर और एनएसई पर 104 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को करीब 34 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 111.19 रुपये के स्तर तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसमें मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। सुबह 11 बजे विशाल मेगा मार्ट के शेयर 108.22 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इसी तरह पर्पल यूनाइटेड सेल्स के शेयरों की भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर धांसू एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 126 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। इन शेयरों की लिस्टिंग 199 रुपये के भाव पर हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग के साथ ही 58 प्रतिशत का मुनाफा मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर में और तेजी आई। थोड़ी ही देर में ये शेयर 208.95 के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। ही हाउसकीपिंग और क्लीनिंग, डिसइंफेक्टिंग एंड सैनिटाइजिंग जैसी सर्विस देने वाली कंपनी सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट के शेयर भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। हालांकि कंपनी के शेयरों ने लिस्टिंग के साथ ही निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 76 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। इन शेयरों की लिस्टिंग 1 रुपये के नुकसान के साथ 75 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही आईपीओ निवेशकों को 1.32 प्रतिशत का नुकसान हो गया। लिस्टिंग के बाद भी निवेशकों को झटके का सामना करना पड़ा, क्योंकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये शेयर टूट कर 71.25 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 6.25 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा है।

झारखंड सरकार ने कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की

रांची

कानूनी प्रक्रिया शुरू करने से पहले अधिसूचना जारी की गई थी

झारखंड सरकार ने केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का कोयला बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया का पहला कदम राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को अधिकृत करने वाले अधिसूचना की जारी करना था। पिछले महीने झारखंड की नई सरकार ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की घोषणा की थी।

उसके बाद एक अधिसूचना जारी की गई जिसमें कहा गया, राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। केन्द्रीय कोयला राज्यमंत्री ने कहा था कि झारखंड का केंद से कोई बकाया नहीं है, लेकिन झामुमो के महासचिव ने इसका खंडन किया और कहा कि अगर कोयले की रॉयल्टी 15 दिनों के अंदर नहीं दी जाती है तो राज्य से कोयला नहीं जाएगा। इसके साथ ही, कोयला कंपनी के अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि कोयला ढुलाई बंद कर दी जाएगी।

सेबी ने ओडीआई के लिए खुलासा अनिवार्य किया

नई दिल्ली। सेबी ने ऑफ शोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट (ओडीआई) के लिए नए नियमों की घोषणा की। इससे स्पष्ट हुआ कि ओडीआई को स्वामित्व और आर्थिक हित से जुड़े खुलासे अनिवार्य होंगे। राजधानी बाजार नियामक ने ओडीआई को पहले पार्टिसिपेटरी नोट्स के रूप में जाना जाता था, जिनका प्रयोग हेज फंडों द्वारा भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश के लिए किया जाता था। नए नियमों के अनुसार वे एक अलग पंजीकरण के माध्यम से ही ओडीआई इश्यू कर सकेंगे, जिसमें कोई मालिकाना निवेश नहीं होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

यूनुस भड़का रहे...

हमलों का निशाना बन सकता है, जिससे विदेशी नागरिकों और व्यापारियों के संभावित और स्वाभाविक रूप से खतरा बढ़ेगा।

7 दिसंबर को पाकिस्तान की सत्तारूढ़ मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के नेता इरशाद अहमद खान ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ़ युद्ध छेड़ने के लिए समुद्री मार्गों से बांग्लादेश को वाणिज्यिक खेपों की आड़ में हथियार भेज रहा है। यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान चीनी की खेपों में छिपाकर हेरोइन, कोकीन और सिंथेटिक ओपिओइड की तस्करी करने की योजना पर काम कर रहा है। पाकिस्तानी लॉबी के प्रभाव और दबाव में ही यूनुस शासन ने पाकिस्तान से आने वाले शिपमेंट को अनिवार्य सुरक्षा निरीक्षण से बाहर कर दिया और सीमा शुल्क भी माफ कर दिया। कुछ हफ्ता पहले यूनुस सरकार ने पाकिस्तान से कार्गो से आने वाले सामानों की लैंडिंग के बाद के निरीक्षणों का प्रावधान हटा दिया और बांग्लादेशी वीज़ा के लिए आवेदन करने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भी अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी हटा दी। यह खतरनाक नीतिगत बदलाव बांग्लादेश की सुरक्षा को कमजोर करने वाला पाकिस्तानी आतंकवादियों, तस्करों और संगठित अपराध नेटवर्क की घुसपैठ को आसान बनाने वाला कदम है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, खास कर भारत के लिए बड़ा खतरा बनने वाला है।

आतंकवाद संरक्षक राष्ट्र के रूप में ब्रांडेड पाकिस्तान कई देशों में वीजा प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। इसके विपरीत, मोहम्मद यूनुस शासन ने पाकिस्तान के लिए बरती जाने वाली सख्त सुरक्षा सतर्कता समाप्त कर दी है। बांग्लादेश सरकार ने खुले तौर पर भारत विरोधी, हिंदू विरोधी और पाकिस्तान समर्थक रुख अपना लिया है। पाकिस्तानी कार्गो के लिए अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी और सीमा शुल्क निरीक्षण को वापस लेने से आतंकवादी संगठनों और आपराधिक नेटवर्क की गतिविधियों के दरवाजे यूनुस ने खोल दिए हैं। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी संगठनों के सदस्यों के लिए अब बांग्लादेश तक पहुंच आसान हो गई है, जो भारत की कटी फटी खुली सीमाओं के माध्यम से घुसपैठ कर सकते हैं। वैश्विक आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े ये समूह क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले हैं। इसके अलावा, बांग्लादेश से इस फैसले से दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी और इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) जैसे पाकिस्तानी नार्को-लॉर्ड को फायदा होगा और अवैध हथियारों, विस्फोटकों से लेकर नशीले पदार्थों (ड्रग्स) और नकली भारतीय मुद्रा की तस्करी को बढ़ावा मिलेगा। आईएसआई द्वारा उत्पादित नकली मुद्रा भारतीय बाजारों में भर जाएगी, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था अस्थिर होगी।

बिल क्लिंटन, हिलेरी क्लिंटन और जॉर्ज सोरोस जैसी हस्तियों के साथ करीबी और साजिशी संबंध रखने वाले मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश के आर्थिक पतन से जनता का ध्यान हटाने के लिए हिंदू विरोधी भावना भड़काने और भारत विरोधी एजेंडे को उकसाने का काम कर रहे हैं। 8 दिसंबर को ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के अध्यक्ष और यूएनडीपी के पूर्व प्रमुख जॉर्ज मार्क मैलोच ब्राउन ने यूनुस के साथ लंबी बैठक की। ब्राउन आईएमएफ और विश्व बैंक के सलाहकार हैं और भारत विरोधी अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस से जुड़े हैं। जॉर्ज सोरोस के बेटे अलेक्जेंडर सोरोस सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि मोहम्मद यूनुस और उनके पिता जॉर्ज सोरोस पुराने दोस्त हैं।

20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप के औपचारिक रूप से राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण कर लेने तक बांग्लादेश में स्थिति बिगड़ती रहेगी। ट्रंप के कट्टर आलोचक यूनुस ट्रंप के आने के बाद संभावित अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर चिंतित हैं। ट्रंप प्रशासन बांग्लादेशी निर्यात पर दंडात्मक शुल्क, वीज़ा प्रतिबंध और यूनुस और उनके सहयोगियों पर प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिका में यूनुस के व्यापारिक उपक्रमों की जांच में हिलेरी क्लिंटन से जुड़े गोरखधंधे भी शामिल हैं।इस बीच, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) भी अपने कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की निर्वासन से वापसी की तैयारी कर रही है। 2008 से निर्वासन में रह रहे रहमान को 10 ट्रक हथियार बरामदगी के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। रहमान नए साल से पहले वापस लौटने की योजना बना रहे हैं, ढाका हवाई अड्डे पर दस लाख से ज़्यादा पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किए जाने की तैयारी है। रहमान की वापसी यूनुस और उनके सलाहकारों के लिए सीधी चुनौती होगी। यह यूनुस को चुनावों के माध्यम से बीएनपी को सत्ता हस्तांतरित करने के लिए मजबूर कर सकता है, जिससे देश पर उनके शासन की पकड़ कमजोर हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने के लिए बेताब यूनुस ने ढाका में एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें दावा किया गया कि उनके शासन के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए 28 यूरोपीय संघ के राजदूत इसमें भाग लेंगे। हालांकि इसमें केवल 18 राजनयिक ही इसमें शामिल हुए, उनमें भी अधिकतर जूनियर रैंक के अधिकारी ही शामिल थे। उन्होंने भी बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और मानवाधिकारों के उल्लंघन के बारे में गंभीर सवाल उठाए, जिससे यूनुस के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन में काफी कमी आई।

बांग्लादेश में भयावह आर्थिक संकट और शासन की विवादास्पद नीतियों के कारण देश अस्थिरता की खाई में गिरता जा रहा है। मोहम्मद यूनुस द्वारा हिंदू विरोधी भावना का जानबूझकर इस्तेमाल करने और पाकिस्तान समर्थक तत्वों के साथ गठबंधन करने से क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय जांच बढ़ेगी, घरेलू विरोध जोर पकड़ता जाएगा और यूनुस को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। बांग्लादेश का भविष्य अब घरेलू राजनीतिक घटनाक्रम और अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के नाजुक संतुलन पर जा टिका है।

कांग्रेस द्वारा...

देश के लोग सच्चाई जानते हैं। पीएम मोदी ने कहा, हम जो कुछ भी हैं, वह डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की वजह से ही हैं। हमारी सरकार ने पिछले एक दशक में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के सपने को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया है। किसी भी क्षेत्र को लें, चाहे वह 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकालना हो, एससी/एसटी एक्ट को मजबूत करना हो, हमारी सरकार के प्रमुख कार्यक्रम जैसे स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना और बहुत कुछ, इनमें से प्रत्येक ने गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों के जीवन को छुआ है। पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार ने डॉ. अंबेडकर से जुड़े पांच प्रतिष्ठित स्थानों पंचतीर्थ को विकसित करने के लिए काम किया है। कई दशकों से चैतन्य भूमि के लिए भूमि का मुद्दा लंबित था। हमारी सरकार ने न केवल इस मुद्दे को सुलझाया, बल्कि मैं वहां प्रार्थना करने भी गया। हमने दिल्ली में 26 अलीपुर रोड को भी विकसित किया है, जहां डॉक्टर अंबेडकर ने अपने अंतिम वर्ष बिताए थे। लंदन में जिस घर में वे रहते थे, उसे भी सरकार ने अधिग्रहित कर लिया है। जब डॉ. अंबेडकर की बात आती है तो हमारा सम्मान और श्रद्धा सर्वोच्च है।

उल्लेखनीय है कि देश की संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भाषण के क्लिप के एक हिस्से को काटकर कांग्रेसी और विरोधी दल सरकार को बदनाम करने का बेवकूफाना प्रयास कर रहे हैं। अमित शाह ने अपने भाषण में कहा था, अभी यह फैशन चल गया है अंबेडकर अंबेडकर अंबेडकर। हमें आनंद है कि ये अंबेडकर का नाम लेते हैं, लेकिन अंबेडकर जी के प्रति आपका भाव क्या है, ये मैं बताता हूं। इसके बाद अमित शाह ने राज्यसभा में कांग्रेस और पंडित नेहरू की पोल खोलकर रख दी। अमित शाह ने कहा, अंबेडकर जी ने देश की पहली कैबिनेट से इस्तीफा क्यों दे दिया? अंबेडकर जी ने कई बार कहा कि अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के साथ हुए व्यवहार से मैं असंतुष्ट हूं। सरकार की विदेश नीति से मैं असहमत हूं और आर्टिकल 370 से मैं असहमत हूं। इसलिए वे छोड़ना चाहते थे। उन्हें आश्वासन दिया गया, लेकिन वो पूरा नहीं हुआ और नजरअंदाज किए जाने के कारण इस्तीफा दे दिया। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा था, श्री बीसी रॉय ने पत्र लिखा कि अंबेडकर और राजा जी जैसे लोग मंत्रिमंडल छोड़ेंगे तो क्या होगा। तो उनको नेहरू जी ने जवाब में लिखा, राजी के जाने से थोड़ा-बहुत नुकसान तो होगा, लेकिन अंबेडकर के जाने से मंत्रिमंडल कमजोर नहीं होगा। अमित शाह ने कहा, कांग्रेस जिसका विरोध करती रही है, उसका वोट के लिए नाम लेना कितना उचित है। अंबेडकर जी मानने वाले पर्याप्त संख्या में आ गए हैं, इसलिए आप अंबेडकर अंबेडकर कर रहे हो। अमित शाह के इस कथन से कांग्रेस नेता बौखला उठे हैं।

जनवरी से ...

अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। समिति ने व्यापक अध्ययन और विचार-विमर्श के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसके आधार पर 7 फरवरी 2024 को राज्य विधानसभा ने समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 को पारित किया।महामहिम राष्ट्रपति की सहमति के बाद 12 मार्च 2024 को इस विधेयक का नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसके बाद अधिनियम की नियमावली भी तैयार कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि समान नागरिक संहिता के प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए पोर्टल और मोबाइल एप तैयार किए गए हैं। इन माध्यमों से पंजीकरण, अपील और अन्य सुविधाएं ऑनलाइन उपलब्ध होंगी, जिससे नागरिकों को आसानी होगी। उत्तराखंड निवेश और आधारभूत संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए सभी कार्मिकों को समुचित प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिक से अधिक सेवाओं को ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए और नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह कानून विशेष रूप से देवभूमि की महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए नए अवसर खोलेगा। उन्होंने इसे राज्य में समाज सुधार और समृद्धि की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता मकर संक्रांति (15 जनवरी 2025) के दिन लागू की जा सकती है। यह उत्तराखंड की एक बड़ी उपलब्धि होगी और देशभर में इसे एक मॉडल कानून के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का समान नागरिक संहिता कानून राज्य के सभी नागरिकों के लिए एक समान नियम सुनिश्चित करेगा। यह कानून न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा देगा, बल्कि महिलाओं और कमजोर वर्गों को अधिक अधिकार और सुरक्षा प्रदान करेगा। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बनकर न केवल इतिहास रचेगा, बल्कि यह अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत बनेगा।

मणिपुर में सक्रिय...

स्टारलिंक की सबसे खास बात यह है कि इसके सैटेलाइट जमीन पर मौजूद न होकर सीधा आसमान से ही सिग्नल मुहैया कराते हैं। इसे ऐसे समझें कि जहां इंटरनेट मुहैया कराने वाली आम कंपनियां जहां मोबाइल-लैपटॉप और अन्य डिवाइस में सिग्नल मुहैया कराने के लिए केबल या टावर पर निर्भर होती हैं, वहीं स्टारलिंक की व्यवस्था को जमीन पर स्थायी स्टेशनों की उतनी जरूरत नहीं है। यानी स्टारलिंक सैटेलाइट उन जगहों पर भी सिग्नल भेजकर इंटरनेट मुहैया करा सकती हैं, जहां नेटवर्क नहीं आता या जहां जमीन से इंटरनेट सेवा पहुंचाने में बाधाएं आती हैं।भारत में स्टारलिंक की सेवा अभी मौजूद नहीं है। कंपनी ने भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड लाइसेंस हासिल करने के लिए आवेदन डाला है। उसे अब नियामकों की मंजूरी मिलने का इंतजार है। बताया गया है कि स्टारलिंक की एप्लीकेशन फिलहाल गृह मंत्रालय के पास लंबित है, जो कि इसके सुरक्षा मानकों को परख रहा है। यानी आधिकारिक तौर पर फिलहाल स्टारलिंक की सेवाएं भारत में उपलब्ध नहीं हैं।इससे पहले केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए लाइसेंस स्टारलिंक समेत किसी को भी दिया जा सकता है, बशर्ते वे सभी सुरक्षा मापदंडों को पूरा करते हों। सिंधिया ने कहा था कि भारत में सेवाओं के लिए लाइसेंस हासिल करने के लिए सभी मानदंडों का पालन करना होगा। सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदाता सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रक्रिया में है। ट्राई की तरफ से इस बारे में चर्चा और प्रस्ताव दिए जाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें लाइसेंस मिल सकता है।स्टारलिंक की वेबसाइट पर इसके नेटवर्क की मौजूदगी के बारे में जो जानकारी उपलब्ध है, उसमें उन क्षेत्रों को दर्शाया गया है, जहां कंपनी की सेवाएं मौजूद हैं। भारत में नेटवर्क की मौजूदगी पर स्टारलिंक का कहना है कि वह नियामकों की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। इसी तरह पाकिस्तान के लिए भी स्टारलिंक का यही संदेश है। इसके अलावा बांग्लादेश और भूटान के लिए स्टारलिंक का संदेश 2025 में शुरुआत दिखाता है। नेपाल और म्यांमार के लिए स्टारलिंक सेवा उपलब्ध नहीं का संदेश दिखाता है।गौरतलब है कि स्टारलिंक का नेटवर्क फिलहाल आधिकारिक तौर पर भारत के किसी पड़ोसी देश में नहीं है। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि भारत में अब तक एक महीने के अंदर स्टारलिंक के जो डिवाइस मिले हैं, वह म्यांमार से तस्करी कर लाए गए थे। अब सवाल यह है कि अगर म्यांमार में स्टारलिंक की सेवाएं मौजूद नहीं हैं, तो वहां कंपनी के डिवाइस का क्या उपयोग? तो इसका जवाब है कि म्यांमार में कई उग्रवादी संगठन स्टारलिंक के नेटवर्क का इस्तेमाल काफी समय से कर रहे हैं। म्यांमार के डिजिटल क्षेत्र की निगरानी करने वाले संस्थान म्यांमार इंटरनल प्रोजेक्ट के मुताबिक, इस वक्त वहां स्टारलिंक के 3000 से ज्यादा कनेक्शन मौजूद हैं। स्टारलिंक के डिवाइस का इस्तेमाल न सिर्फ जातीय हिंसा में शामिल विद्रोही संगठन कर रहे हैं, बल्कि सैन्य सरकार के खिलाफ लड़ाई में जुटी आम जनता भी इसे इस्तेमाल करने में जुटी है।

भानु सप्तमी पर भगवान सूर्य को प्रसन्न करने के लिए करें उनकी विशेष आरती

भानु सप्तमी का दिन बहुत ही शुभ माना जाता है। यह दिन भगवान सूर्य की पूजा के लिए समर्पित है। मान्यता है कि इस दिन भगवान सूर्य की आराधना करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इसके साथ ही जीवन में खुशहाली आती है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल भानु सप्तमी 22 दिसंबर, 2024 को मनाई जाएगी। वहीं, इस दिन सूर्य देव की पूजा करने और व्रत रखने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। इसके साथ ही इस भगवान सूर्य की आरती करने से सूर्य जैसा तेज और मान-सम्मान में वृद्धि होती है, तो आइए यहां पढ़ते हैं।

सूर्य देव की आरती।।

जय सूर्य भगवान, जय हो दिनकर भगवान।
जगत् के नेत्रस्वरूपा, तुम हो त्रिगुण स्वरूपा।
धरत सब ही तव ध्यान, ॐ जय सूर्य भगवान।।
।।ॐ जय सूर्य भगवान...।।
सारथी अरुण हैं प्रभु तुम, श्वेत कमलधारी। तुम चार भुजाधारी।।
अश्व हैं सात तुम्हारे, कोटि किरण पसारे। तुम हो देव महान।।
।।ॐ सूर्य भगवान...।।
ऊषाकाल में जब तुम, उदयाचल आते। सब तब दर्शन पाते।।
फैलाते उजियारा, जागता तब जग सारा। करे सब तब गुणगान।।
।।ॐ जय सूर्य भगवान...।।
संध्या में भुवनेश्वर अस्ताचल जाते। गोधन तब घर आते।।
गोधूलि बेला में, हर घर हर आंगन में। हो तव महिमा गान।।
।।ॐ जय भगवान...।।
देव-दनुज नर-नारी, ऋषि-मुनिवर भजते।

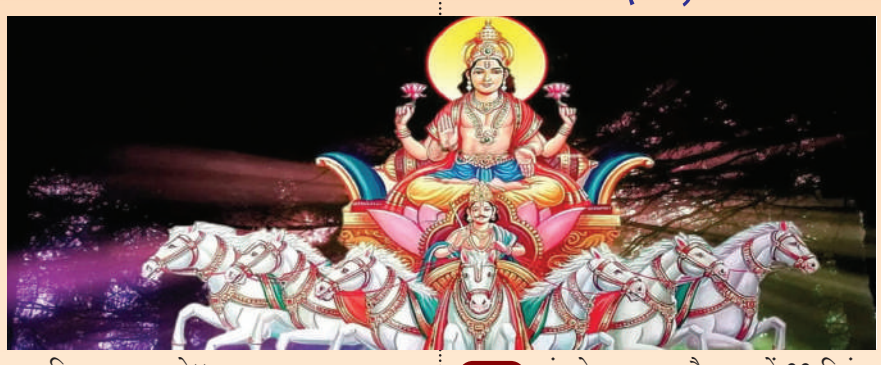

आदित्य हृदय जपते।।
स्तोत्र ये मंगलकारी, इसकी है रचना न्यारी। दे नव जीवनदान।।
।।ॐ जय सूर्य भगवान...।।
तुम हो त्रिकाल रचयिता, तुम जग के आधार। महिमा तब अपरम्पार।।
प्राणों का सिंचन करके भक्तों को अपने देते। बल, बुद्धि और ज्ञान।।
।।ॐ जय सूर्य भगवान...।।
जलचर खेचर, सबके हों प्राण तुम्हीं। सब जीवों के प्राण तुम्हीं।।
वेद-पुराण बखाने, धर्म सभी तुम्हें माने। तुम ही सर्वशक्तिमान।।
।।ॐ जय सूर्य भगवान...।।
पूजन करतीं दिशाएं, पूजे दश दिक्पाल। तुम भुवनों के प्रतिपाल।।
ऋतुएं तुम्हारी दासी, तुम शाश्वत अविनाशी। शुभकारी अंशुमान।।
।।ॐ जय सूर्य भगवान...।।
ॐ जय सूर्य जय हो दिनकर भगवान।
जगत् के नेत्रस्वरूपा, तुम हो त्रिगुण स्वरूपा।स्वरूपा।।
धरत सब ही तव ध्यान, ॐ जय सूर्य भगवान।।

सप्तमी के दिन राशि अनुसार करें इन चीजों का दान, बिजनेस में मिलेगी सफलता

पंचांग के अनुसार, पौष माह में 22 दिसंबर को भानु सप्तमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन सूर्य देव की पूजा होती है। साथ सूर्य देव को अर्घ्य देना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इन कामों को करने से जातक को मनचाहा करियर प्राप्त होता है और धन लाभ के योग बनते हैं। यदि आप भानु सप्तमी के दिन सूर्य देव की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो पूजा करने के बाद राशि अनुसार दान करें। इससे आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलेगा और धन एवं अन्न से सदैव भंडार भरे रहते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि किस राशि के जातक को क्या दान करना चाहिए?

भानु सप्तमी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 21 दिसंबर को दोपहर में 12 बजकर 21 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 22 दिसंबर को दोपहर में 02 बजकर 31 मिनट पर होगा। ऐसे में भानु सप्तमी का पर्व 22 दिसंबर को मनाई जाएगी।

राशि अनुसार दान

मेष राशि के जातक भानु सप्तमी पर लाल रंग के वस्त्र का दान करें। इससे पति-पत्नी के रिश्ते मजबूत होते हैं।

वृषभ राशि के जातक भानु सप्तमी पर दूध और दही का दान करें। इन चीजों का दान करने से जातक को सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है।

मिथुन राशि के जातक भानु सप्तमी पर धन का दान करें। इससे धन लाभ के योग बनते हैं।

कर्क राशि के जातक भानु सप्तमी के दिन सफेद वस्त्र का दान करें। इससे कारोबार में वृद्धि होगी।

सिंह राशि के जात भानु सप्तमी के दिन लाल रंग के कपड़े जरूरतमंदों को दें। इससे सूर्य देव प्रसन्न होते हैं।

कन्या राशि के जातक भानु सप्तमी पर फल का दान करें। इससे जातक के रुके हुए काम जल्द पूरे होते हैं।

तुला राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि पर दूध, चावल और चीनी का दान करें। इन चीजों का दान करने से कुंडली में शुक्र मजबूत होता है।

वृश्चिक राशि के जातक भानु सप्तमी के दिन मसूर दाल, मूंगफली, शहद का दान करें। इससे सदैव जातक पर सूर्य देव जातक की सभी मुरादें पूरी करते हैं।

धनु राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि के दिन पीले रंग के वस्त्र का दान करें। इससे मनचाही नौकरी मिलती है।

मकर राशि के जातक भानु सप्तमी पर काले कंबल का दान करें। इससे धन की कमी नहीं होती है।

कुंभ राशि के जातक भानु सप्तमी पर काले तिल, काले जूते, चमड़े का चप्पल आदि चीजों का दान करें। इन चीजों का दान करने से जातक पर शनि देव की भी कृपा बरसती है।

मीन राशि के जातक भानु सप्तमी पर सूर्य देव का आशीर्वाद पाने के लिए सरसों, पीले रंग के फल और पीले रंग के वस्त्र का दान करें।

वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है यह सूर्य मंदिर

खरमास में और भी बढ़ जाती है मान्यता

आज हम मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के मड़खेड़ा गांव में एक प्राचीन सूर्य मंदिर की बात करने जा रहे हैं। इस गांव को मरखेरा भी कहा जाता है, जिसका नाम मंदिर के नाम पर ही है। हालांकि इस की प्रसिद्धि केवल आस-पास के इलाकों तक ही सीमित है, लेकिन इसकी वास्तुकला इसे किसी बड़े और प्रमुख मंदिर की तरह ही महत्वपूर्ण बनाती है।

किसने करवाया निर्माण

यह पूर्वमुखी सूर्य मंदिर एक चबूतरे पर बना हुआ है। इस मंदिर में भगवान विष्णु के दशावतार के किए जा सकते हैं। बुंदेलखंड में वाकाटकों का शासन भी रहा था और उन्होंने ही मरखेड़ा के सूर्य मंदिर का निर्माण करवाया था।

ये मूर्तियां हैं स्थापित

इस मंदिर में लघु मंडप है, जो चार स्तंभों पर खड़ा है। गर्भ गृह में सूर्य देव की कमल के पर खड़े हुए प्रतिमा स्थापित है। मंदिर के द्वार पर अपने सप्त अश्वरथारुढ भगवान सूर्य विराजमान हैं और पूर्व कक्ष के द्वार पर गंगा-यमुना की प्रतिमाएं हैं। इसके अलावा नवग्रह भी दिखाई देते हैं।

इसके साथ ही प्रतिमाओं की दृष्टि से यह मंदिर काफी समृद्ध है। इसमे कुबेर, दिक्पाल, बारह अवतार, नृसिंह अवतार, स्थानक गणपति, निर्मांसा चामुंडा, कीर्तिमुख, अप्सराओं के साथ-साथ गंधर्व इत्यादि की भी मूर्ति स्थापित हैं। इस मंदिर के पास एक प्राचीन कुंआ भी है।

खरमास में खास है सूर्य पूजा

साल 2024 के दूसरे खरमास की शुरुआत रविवार, 15 दिसंबर से हो चुकी है। इस अवधि में मांगलिक व शुभ को करने की मनाही होती है, लेकिन इस समय में सूर्य पूजा से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलता है। इस समय में सूर्य मंदिर का महत्व और भी बढ़ जाता है। आप सर्य देव की कृपा प्राप्ति के लिए खरमास में सूर्य चालीसा और उनके मंत्रों का भी जप सकते हैं।

पौष कालाष्टमी पर दुर्लभ त्रिपुष्कर योग समेत बन रहे हैं कई मंगलकारी संयोग

वैदिक पंचांग के अनुसार, 22 दिसंबर को पौष माह कालाष्टमी है। यह पर्व भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव को समर्पित है। इस शुभ तिथि पर काल भैरव देव की पूजा की जाती है। साथ ही विशेष काम में सफलता पाने के लिए व्रत रखा जाता है। ज्योतिषियों की मानें तो पौष महीने की कालाष्टमी पर त्रिपुष्कर योग समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। साथ ही सभी बिगड़े काम भी बन जाएंगे।

कालाष्टमी शुभ मुहूर्त – पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी की शुरुआत 22 दिसंबर को दोपहर 02 बजकर 31 मिनट पर होगी। वहीं, अष्टमी तिथि का समापन 23 दिसंबर को शाम 05 बजकर 07 मिनट पर होगा। काल भैरव देव की पूजा निशा काल में की जाती है। इसके लिए 22 दिसंबर को पौष महीने की कालाष्टमी मनाई जाएगी।

योग – पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर त्रिपुष्कर योग का संयोग बन रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 07 बजकर 31 मिनट से हो रहा है। वहीं, समापन दोपहर 02 बजकर 31 मिनट पर होगा। ज्योतिष त्रिपुष्कर योग को बेहद उत्तम मानते हैं। इस योग भगवान शिव की पूजा और जलाभिषेक करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आएगी।

आयुष्मान योग– पौष माह की कालाष्टमी पर आयुष्मान का संयोग बन रहा है। यह योग संध्याकाल 07 बजे तक है। इसके बाद सौभाग्य योग का निर्माण रहा है। आयुष्मान और सौभाग्य में काल भैरव देव की पूजा करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। साथ ही मनचाही मुराद पूरी होगी। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग भी दिन भर है।

करण एवं नक्षत्र – पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही बव एवं बालव करण के योग बन रहे हैं। कुल मिलाकर कहें तो पौष माह की कालाष्टमी पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में काल भैरव देव की उपासना करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 07 बजकर 10 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 05 बजकर 30 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05 बजकर 21 मिनट से 06 बजकर 16 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 03 मिनट से 03 बजकर 44 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम बजकर 27 मिनट से 05 बजकर 44 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात्रि 11 बजकर 53 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक

पूजा विधि

पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर ब्रह्म बेला में उठें। इस समय भगवान शिव को प्रणाम कर दिन की शुरुआत करें। दैनिक कार्यों से निवृत्त होने के बाद स्नान-ध्यान करें। इस समय सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें। इसके बाद पंचोपचार कर विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करें। भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पूजा में सफेद रंग के फल, फूल, मिष्ठान आदि चीजें अर्पित करें। इस समय काल देव चालीसा का पाठ करें। पूजा के अंत में आरती कर सुख, समृद्धि एवं धन में वृद्धि की कामना करें।

कालाष्टमी के दिन पूजा के समय करें ये खास उपाय, पूरी होगी मनचाही मुराद

वैदिक पंचांग के अनुसार, पौष माह कालाष्टमी 22 दिसंबर को है। यह पर्व हर माह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा एवं साधना की जाती है। तंत्र सीखने वाले साधक कालाष्टमी पर काल भैरव देव की विशेष साधना हैं। कठिन भक्ति से प्रसन्न होकर काल भैरव देव साधक की हर मनोकामना पूरी करते हैं। ज्योतिष शास्त्र में कालाष्टमी पर विशेष उपाय करने का विधान है। इन उपायों को करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। अगर भी जीवन में व्याप्त परेशानियों से निजात पाना चाहते हैं, तो कालाष्टमी तिथि पर काल भैरव देव की भक्ति भाव से पूजा करें। साथ ही कालाष्टमी के दिन ये उपाय जरूर करें।

उपाय–पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर ब्रह्म बेला में उठें। समय भगवान शिव का ध्यान कर दिन की शुरुआत करें। स्नान-ध्यान कर सबसे पहले सूर्य देव को जल दें। इसके बाद काल भैरव देव की पूजा करें। आप घर पर भगवान शिव की पूजा कर सकते हैं। इस समय भगवान शिव का अभिषेक करें। आय और सौभाग्य में वृद्धि लिए घी, दूध और दही से भगवान शिव का अभिषेक करें। आप गंगाजल में सफेद फूल डालकर भी भगवान शिव का अभिषेक कर सकते हैं। इस उपाय को करने से सुखों में वृद्धि होती है।

अगर आप काल भैरव देव की कृपा पाना चाहते हैं, तो कालाष्टमी के दिन के बाद काले कुत्ते को रोटी अवश्य खिलाएं। हालांकि, कुत्ते को रोटी खिलाते समय सावधानी अवश्य बरतें। काले कुत्ते को रोटी खिलाने से राहु-केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है।

अगर आप काल भैरव देव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो कालाष्टमी पर पूजा के समय भगवान शिव रौद्र रूप काल भैरव के नामों का मंत्र जप करें। काल भैरव देव के नामों का मंत्र जप करने से अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त हो जाता है। साथ ही जीवन में सुखों का आगमन होता है।

अगर आप वास्तु दोष से निजात पाना चाहते हैं, तो कालाष्टमी के घर पर डमरू लेकर आएं। वहीं, पूजा के समय डमरू अवश्य बजाएं। आप भगवान शिव की आरती के समय डमरू बजा सकते हैं। इस उपाय को करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

काल भैरव स्तुति

यं यं यं यक्षरूपं दशदिशिविदितं भूमिकम्पायमानं
सं सं संहारमूर्तिं शिरमुकुटजटाशेखरं
दं दं दं दीर्घकायं विकृतनखमुखं चोर्ध्वरोमं करालं
पं पं पं पापनाशं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम् ।।
रं रं रं रक्तवर्णं कटिकटिततनुं तीक्ष्णदंष्ट्राकरालं
घं घं घं घोषघोषं घ घ घ घ घटितं घर्घरं घोरनादम्।।
कं कं कं कालपाशं धृकधृकधृकितं ज्वालितं कामदेहं
तं तं तं दिव्यदेहं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम् ।।
लं लं लं वदन्तं ल ल ल ल ललितं दीर्घजिह्वाकरालं
धुं धुं धुं धूम्रवर्णं स्फुटविकटमुखं भास्करं भीमरूपम्।।
रुं रुं रुं रुण्डमालं रवितमनियतं ताम्रनेत्रं करालं
नं नं नं नग्नभूषं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम् ।।
वं वं वं वायुवेगं नतजनसदयं ब्रह्मपारं परं तं
खं खं खं खड्गहस्तं त्रिभुवननिलयं भास्करं भीमरूपम्।।
चं चं चं चलित्वा चलचलचलितं चालितं भूमिचक्रं
मं मं मं मायिरूपं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम् ।।
शं शं शं शङ्खहस्तं शशिकरधवलं मोक्षसंपूर्णतेजं
मं मं मं मं महान्तं कुलमकुलकुलं मन्त्रगुप्तं सुनित्यम्।।
यं यं यं भूतनाथं किलिकिलिकिलितं बालकेलिप्रधानं
अं अं अं अन्तरिक्षं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम् ।।
खं खं खं खड्गभेदं विषममृतमयं करालं
क्षं क्षं क्षं क्षिप्रवेगं दहदहदहनं तप्तसन्दीप्यमानम्।।
हौं हौं हौंकारनादं प्रकटितगहनं गर्जितैर्भूमिकम्पं
बं बं बं बाललीलं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम् ।।
सं सं सं सिद्धियोगं सकलगुणमखं देवदेवं प्रसन्नं
पं पं पं पद्मनाभं हरिहरमयनं चन्द्रसूर्याग्निनेत्रम्।।
ऐं ऐं ऐश्वर्यनाथं सततभयहरं पूर्वदेवस्वरूपं
रौं रौं रौं रौद्ररूपं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम् ।।
हं हं हंसयानं हपितकलहकं मुक्तयोगाट्टहासं
धं धं धं नेत्ररूपं शिरमुकुटजटाबन्धबन्धाग्रहस्तम्।।
टं टं टं टङ्कारनादं त्रिदशलटलटं कामवर्गापहारं
भूं भूं भूं भूतनाथं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम् ।।
इत्येवं कामयुक्तं प्रपठति नियतं भैरवस्याष्टकं यो
निर्विघ्नं दुःखनाशं सुरभयहरणं डाकिनीशाकिनीनाम्।।
नश्येद्धिव्याघ्रसर्पौ हुतवहसलिले राज्यशंसस्य शून्यं
सर्वा नश्यन्ति दूरं विपद इति भृशं चिन्तनात्सर्वसिद्धिम् ।।
भैरवस्याष्टकमिदं षण्मासं यः
स याति परमं स्थानं यत्र देवो महेश्वरः ।।

राशि अनुसार करें इन चीजों का दान जीवन में होगा खुशियों का आगमन

कालाष्टमी का पर्व भगवान काल भैरव को समर्पित है। पंचांग के अनुसार, पौष माह में कालाष्टमी 22 दिसंबर को मनाई जाएगी। इस तिथि पर भगवान काल भैरव की उपासना रात्रि में करने का विधान है। धार्मिक मान्यता है कि कालाष्टमी का व्रत सच्चे मन से करने से इंसान को सभी तरह के के संकटों से मुक्ति मिलती है और जीवन में खुशियों का आगमन होता है। अगर आप धन लाभ के चाहते हैं, तो कालाष्टमी के दिन राशि अनुसार दान करें। माना जाता है कि दान करने से इंसान को जीवन में अन्न और धन की कमी नहीं होती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि कालाष्टमी पर किस राशि के जातक को किस चीज का दान करना कल्याणकारी माना है।

पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 22 दिसंबर को दोपहर 02 बजकर 31 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 23 दिसंबर को शाम 05 बजकर 07 मिनट होगा। ऐसे में 22 को वर्ष 2024 की अंतिम कालाष्टमी मनाई जाएगी।

राशि अनुसार दान करें

मेष राशि के जातक कालाष्टमी के दिन लाल मिर्च, मसूर दाल और गुड़ का दान करें। इससे काल भैरव देव की कृपा प्राप्त होगी।

वृषभ राशि के जातक कालाष्टमी के दिन चीनी, नमक, मैदा चीजों का दान इससे पितृ दोष से छुटकारा मिलता है।

मिथुन राशि के जातक कालाष्टमी के दिन हरी सब्जियां, हरे रंग का मौसमी फल का दान करें। इससे सभी विघ्न दूर होंगे।

कर्क राशि के जातक कालाष्टमी के दिन चावल, चीनी, दूध आदि चीजों का दान करें। इससे भगवान काल भैरव प्रसन्न

कन्या राशि के जातक कालाष्टमी के दिन विवाहित महिलाओं को हरे रंग की चूड़ियां दान में दें। इससे वैवाहिक जीवन खुशहाल होगा।

तुला राशि के जातक कालाष्टमी के दिन अन्न का दान करें। इससे सभी संकट दूर होंगे।

धनु राशि के जातक कालाष्टमी के दिन पीले रंग के फल दान करें। इससे देव बृहस्पति की कृपा प्राप्त होती है।

मकर राशि के जातक को कालाष्टमी के दिन के वस्त्र का करें। इससे धन लाभ के योग बनते हैं।

कुंभ राशि के जातक काल भैरव देव की कृपा पाने के लिए चमड़े के जूते और चप्पल का दान करें।

राशि के जातक काल भैरव देव को प्रसन्न करने हेतु पीले रंग की मिठाई प्रसाद में अर्पित करें। इसके बाद लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

क्या लगता है भगवान को भोग

इस दिन भक्त व्रत रखते हैं और काल भैरव की मूर्ती के आगे सरसों के तेल का दीया जलाते हैं। साथ ही, काल भैरव अष्टकम का पाठ भी करते हैं। भोग के रूप में भगवान को मीठी रोटी, हलवा और दूध का खास भोग भी लगाया जाता है।

कालाष्टमी व्रत का महत्व

कालाष्टमी के दिन भगवान भैरव की पूजा की जाती है। भगवान काल भैरव, भगवान शंकर के अवतार थे। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान काल भैरव को याद करने से हर तरह की नकारात्मकता, काला जादू या बुरी शक्तियों से सुरक्षा मिलती है।

जो भक्त भगवान काल भैरव की मन से पूजा-अर्चना करते हैं उनपर भगवान की कृपा होने से आध्यात्मिक तौर पर सिद्धी मिलती है और हर ओर से सफलता के रास्ते भी खुलते हैं।

बौद्ध धर्म में भी है खास मान्यता

भगवान काल भैरव, भगवान शंकर के उग्र रूप की तरह जाने जाते हैं। केवल हिंदू नहीं बल्कि बौद्ध धर्म में भी उनके प्रति काफी मान्यता है। भारत के अलावा नेपाल, इंडोनेशिया, तिब्बत जैसे और भी देशों में इनकी पूजा की जाती है।

सोनाक्षी सिन्हा के तीखे जवाब पर मुकेश खन्ना ने तोड़ी चुप्पी, बोले- 'मुझे खेद है'

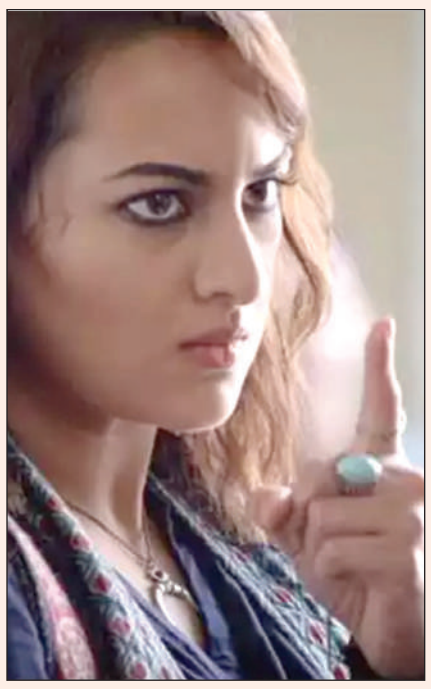

मुकेश का सोनाक्षी सिन्हा को लेकर दिया गया 'परवरिश' वाला बयान सुर्खियों में है। बयान पर 'दबंग' गर्ल के रिएक्शन के बाद अब मुकेश खन्ना का भी जवाब सामने आया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर 'शक्तिमान' फेम अभिनेता ने मामले पर खेद जताया।

मुकेश खन्ना ने मामले को करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया और स्टोरीज सेक्शन पर एक पोस्ट शेयर कर कैप्शन में लिखा, प्रिय सोनाक्षी, मुझे आश्चर्य है कि आपने रिएक्ट करने में इतना समय लगा दिया। मुझे पता था कि मैं 'कौन बनेगा करोड़पति' शो में उस घटना से आपका नाम लेकर आपको कर रहा था। लेकिन, मैं आपको बता दूं कि मेरा आपको या आपके पिता को बदनाम करने का कोई गलत इरादा नहीं था। आपके पिता मेरे सीनियर हैं और मेरा उनके साथ बहुत सुलझा और अच्छा रिश्ता है।

अभिनेता ने कहा, मेरा एकमात्र उद्देश्य आज की पीढ़ी जिसे 'जेन-जेड' हैं, जो गूगल और मोबाइल फोन की गुलाम बन गई है और उनका ज्ञान विकिपीडिया और यूट्यूब तक सीमित हो गया है। उन्हें सिखाने के लिए मेरे सामने आपका हाई-फाई मामला था। उन्हें बताने के लिए कि हमारी संस्कृति और इतिहास में बहुत ज्ञान भरा पड़ा है, जिसे आज हर युवा को जानना चाहिए ।

अभिनेता ने कहा, युवाओं को सिर्फ जानना ही नहीं, बल्कि उस पर गर्व भी महसूस करना चाहिए। हां, मुझे खेद है कि मैंने अपने इंटरव्यू में इसके बारे में बात की। मगर अब आप निश्चिंत रहें, इसे दोहराया नहीं जाएगा। सोनाक्षी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर उनकी परवरिश पर सवाल उठाने वाले अभिनेता मुकेश खन्ना को जमकर खरी खोटी सुनाई थी। 'रामायण' का जिक्र करते हुए अभिनेत्री ने मुकेश खन्ना को चेतावनी भी दी थी।

अभिनेत्री ने लिखा था, प्रिय मुकेश खन्ना जी, मैंने हाल ही में आपका एक बयान पढ़ा। आपने, एक शो में रामायण के बारे में पूछे गए प्रश्न का सही उत्तर न देने पर इसे मेरे पिता की गलती बताई थी और मेरी परवरिश पर सवाल उठाए थे। मैं सबसे पहले आपको याद दिला दूं कि उस हॉट सीट पर मेरे साथ दो और महिलाएं थीं, जिन्हें उसी प्रश्न का उत्तर नहीं पता था, लेकिन आपने केवल मेरा नाम लिया।

अभिनेत्री ने कहा, हां, मैं उस दिन भूल गई और यह एक मानवीय प्रवृत्ति है। मैं भूल गई कि संजीवनी बूटी किसके लिए लाई गई लेकिन स्पष्ट रूप से आप भगवान राम द्वारा सिखाए गए क्षमा और भूल जाने के कुछ पाठ भी भूल गए। अगर भगवान राम मंथरा को माफ कर सकते हैं, अगर वह कैकेयी को माफ कर सकते हैं। अगर वह युद्ध के बाद रावण को भी माफ कर सकते हैं, आप इस छोटी सी बात को कैसे भूल सकते हैं। ऐसा नहीं है कि मुझे आपकी माफी चाहिए। लेकिन हां, मैं चाहती हूं कि आप इन बातों को भूल जाएं और एक ही घटना को बार-बार उठाना बंद करें, ताकि मैं और मेरा परिवार इन बातों को लेकर खबरों आना बंद करे।

चेतावनी देते हुए अभिनेत्री ने आगे लिखा था, अगली बार जब भी आप मेरे पिता द्वारा की गई मेरी परवरिश के बारे में कुछ भी कहने के बारे में सोचें, तो याद रखें कि उन मूल्यों के कारण ही मैंने अपनी बात को सॉफ्ट तरीके सम्मानपूर्वक कहा। इसके बाद आपने मेरे मूल्यों को लेकर कुछ बेबुनियाद बयान देने का फैसला किया, तो मुझे कठोर होना पड़ेगा।

ऋत्विक भौमिक ने की नसीरुद्दीन शाह की तारीफ कहा- बिना दिखावे के लोगों से मिलते हैं

अभिनेता ऋत्विक भौमिक अपने हालिया रिलीज शो 'बंदिश बैंडिट्स' के दूसरे को लेकर उत्साहित हैं। अभिनेता ने हाल ही में एक यूट्यूब चैनल 'डिजिटल कमेंट्री' से बात की, जिसमें वह नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने के अपने अनुभव को शेयर करते नजर आए।

अभिनेता ने कहा, एक समय था जब हम उनके साथ मजाक करते थे कि 'सर, यहां सारे बच्चे हैं और हम सब आपसे डरते हैं। प्लीज यहां पर ऐसे मत बैठो आप। उन्हें देखकर पूरा क्रू फुसफुसाता था कि सर यहां पर हैं इसलिए सेट पर शांति से रहो या शोर मत करो। हम उनसे इतना डरते थे कि कहते थे ऐसा मत करो, वैसा करो।

उन्होंने आगे कहा, मैं सोच रहा था कि उनके वैन में वापस ना जाने पर क्रू इतना शोर मचा रहा था। हर कोई उनके साथ जंगल में घायल शेर की तरह व्यवहार करता था। लेकिन उनका स्वभाव बेहद सरल है। वह उन शानदार लोगों में से एक हैं, कि बिना किसी दिखावे के सामने वाले से मिलते हैं। वह बहुत मिलनसार इंसान हैं।

'बंदिश बैंडिट्स' म्यूजिकल रोमांटिक-ड्रामा है, जिसमें नसीरुद्दीन शाह, श्रेया चौधरी अहम रोल में हैं। बंदिश बैंडिट्स सीरीज को अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी ने बनाया है, जो 'गो गोवा गॉन' और 'बैड न्यूज' लिए जाने जाते हैं। सीरीज में श्रेया चौधरी ने पॉप सिंगर तमन्ना शर्मा की भूमिका निभाई है। शो का निर्माण स्टिल एंड स्टिल मूविंग पिक्चर्स द्वारा किया गया है।आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित शो प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुका है।

डीडीएलजे का राज बन ट्रेन के दरवाजे पर खड़ी हुईं मलाइका, दिखी एक नहीं कई सिमरन

नृत्यांगना और अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने एक कमाल का वीडियो प्रशंसकों के साथ शेयर किया, जिसमें वह शाहरुख खान-काजोल स्टारर 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के आइकॉनिक ट्रेन सीन को दोहराती नजर आईं। हालांकि, इस सीन में अरोड़ा 'सिमरन' नहीं बल्कि 'राज' के रोल में दरवाजे पर खड़ी होकर अपनी 'सिमरन' को ट्रेन के अंदर खींचती नजर आईं।

अपनी टीम के साथ दोहराए गए 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के आइकॉनिक ट्रेन सीन के वीडियो को इंस्टाग्राम पर साझा कर मलाइका अरोड़ा ने कैप्शन में लिखा, अपने अंदर के शाहरुख खान को चैनलाइज कर रही हूं, लेकिन इस बार ट्रेन के ऊपर छैंया-छैंया की जगह, यह कुछ इस तरह है कि 'मेरा हाथ पकड़ो और ट्रेन में चढ़ जाओ! डीडीएलजे का जादू फिर से बना रही हूं, एक बार में एक हाथ खींच रही हूं और मेरी टीम जान की परवाह किए बिना उसे थामे हुए है!

1995 में रिलीज 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' आदित्य चोपड़ा के निर्देशन में बनी थी। शाहरुख खान और काजोल फिल्म में मुख्य भूमिका में थे। डीडीएलजे को आज भी लोग उसके गानों, इमोशनल सींस को लेकर याद करते हैं।

मलाइका सोशल मीडिया पर कोई नई नहीं हैं और प्रशंसकों को अक्सर अपनी जिंदगी के उतार चढ़ाव से जुड़ी खबरें बताती रहती हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने नवंबर में ट्रेन का एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह ट्रेन की दुनिया और टीम के साथ बिताए खूबसूरत और खास समय की झलक एक रील के माध्यम से दिखाई थी। मलाइका ने ट्रेन पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा था, एक हाथ में डब्बा, चेहरे पर मास्क और आखिरी निवाले के लिए अपनी टीम की लड़ाई के साथ अपनी बेहतरीन जिंदगी जी रही हूं, जैसे कि यह खेल हो। जब आपको चलती ट्रेन में स्नैक्स, स्किनकेयर और ड्रामा मिल रहा हो, तो छुट्टी की क्या जरूरत है?

महाकुंभ के शाही स्नान में शामिल होंगी ममता कुलकर्णी

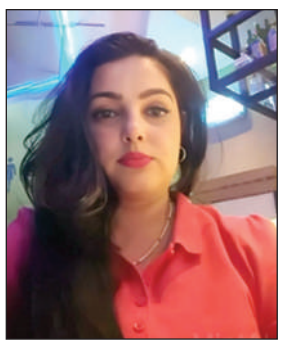

हाल ही में 25 साल बाद भारत लौटीं बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी महाकुंभ में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर बताया कि वह शाही स्नान में शामिल होंगी और गंगा में डुबकी लगाएंगी। सोशल मीडिया पर रहने वाली अभिनेत्री ममता ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह शाही स्नान और महाकुंभ के बारे में बात करती नजर आईं।

क्लिप में अभिनेत्री कहती नजर आईं, नमस्ते दोस्तों, शुभ प्रभात, मैं कल दुबई वापस जा रही हूं और जनवरी में मैं कुंभ मेले में होने के लिए आऊंगी। मैं इलाहाबाद में शाही स्नान करने और डुबकी लगाने के लिए वापस आऊंगी। तब तक आप सभी अपना ख्याल रखिए। मैं अपने सभी प्रशंसकों की आभारी हूं जिन्होंने मुझे ढेरों प्यार दिया और मुझे इतना प्यार देने के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

हाल में सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर ममता ने भारत आने की जानकारी दी थी। क्लिप में कुलकर्णी कहती नजर आई थीं, हेलो दोस्तों, मैं ममता कुलकर्णी 25 साल बाद भारत 'आमची मुंबई' लौटी हूं। यहां आकर मेरी पुरानी यादें ताजा हो गईं। फ्लाइट के उतरने से पहले बहुत उत्साहित थी और अपने इधर-उधर देख रही थी। उन्होंने सालों बाद भारत लौटने के अपने अनुभव के बारे में बताया, मैंने अपने देश को करीब 25 साल बाद ऊपर से देखा। यह देखकर मैं भावुक हो गई थी। मेरी आंखों में आंसू आ गए थे। मैंने जब इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बाहर कदम रखा तो मैं बेहद खुश और उत्सुक थी।

कृति सेनन ने बताया शादियों में किस गाने पर झूमना उन्हें है पसंद

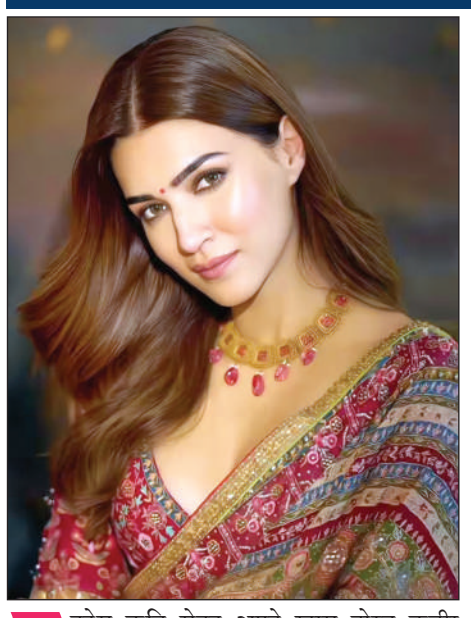

एक्ट्रेस कृति सेनन अपने खास दोस्त कबीर बहिया के साथ उनके रिश्तेदार की शादी में नजर आईं। अभिनेत्री ने बताया कि भारतीय शादियों में बजने वाला उनका सबसे पसंदीदा गाना कौन सा है? कृति ने इंस्टाग्राम पर सेरेमनी कई तस्वीरें साझा कीं। जिसमें वह अलग-अलग आउटफिट में नजर आ रही हैं। इसमें से एक तस्वीर में वह अपने हाथों पर मेहंदी लगवाती हुई दिखाई दी।

कृति ने कैप्शन में लिखा, भारतीय शादियों और सुखबीर के 'ओह हो हो हो' पर डांस करने का कुछ अलग ही मजा हैं। सोशल मीडिया पर अपने खास दोस्त के साथ तस्वीर सामने आने के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या दोनों रिश्ते में हैं।

बता दें कि कृति और कबीर की डेटिंग की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब उनकी एक साथ ट्रिप की तस्वीर सोशल मीडिया पर हुई थी। दोनों ने अपने रिश्ते की अफवाहों को न तो स्वीकार किया है और न ही नकारा है। हाल ही में अभिनेत्री ने यूके स्थित व्यवसायी कबीर को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए एक तस्वीर साझा की थी। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, जन्मदिन मुबारक कबीर! आपकी मासूम मुस्कान हमेशा बनी रहे।

वर्क फ्रंट की बात करें, तो कृति तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, क्रू और दो पत्ती जैसी फिल्मों में अपनी अदायगी से सबका दिल जीत चुकी हैं।

हाल ही में आई 'दो पत्ती' एक मिस्ट्री थ्रिलर थी। जिसका निर्देशन शशांक चतुर्वेदी किया तो स्टोरी कनिका ढिल्लों ने लिखी। फिल्म में कृति डबल रोल में थीं। इसे अक्टूबर 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। कृति अपनी बेबाकी को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। इसी महीने कृति ने आईएफएफआई में यह कहकर चौंका दिया कि नेपोटिज्म के लिए सिर्फ इंडस्ट्री ही जिम्मेदार नहीं है।

कृति ने कहा, बेशक इंडस्ट्री ने मुझे गले लगाया। इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि जब आप फिल्म बैकग्राउंड से नहीं होते हैं, तो आपको यहां तक पहुंचने के लिए बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जिन अवसरों आप चाह रखते हैं, उन्हें पाने में भी वक्त लगता है। आपको मैगजीन के कवर पर आने में भी समय लगता है। इसलिए हर चीज़ में थोड़ा संघर्ष होता है। लेकिन अगर आप 2-3 फिल्मों के बाद भी कड़ी मेहनत करते रहें और उसी में लगे रहें, तो कोई चीज़ आपको रोक नहीं सकती। हालांकि, अभिनेत्री ने कहा भाई-भतीजावाद के लिए केवल बॉलीवुड जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि केवल फिल्म इंडस्ट्री ही नेपोटिज्म के लिए जिम्मेदार नहीं है। इसमें मीडिया और वो दर्शक भी शामिल हैं, जो सिर्फ फिल्मों में स्टार किड्स को ही पसंद करते हैं। इसके बाद इंडस्ट्री में यह धारणा बन जाती है कि जब दर्शक ही स्टार किड्स की फिल्मों के देखना चाहते हैं, तो क्यों न उनके साथ ही फिल्में बनाई जाए।

संजीदा शेख ने वेब सीरीज हीरामंडी-2 पर दिया बड़ा अपडेट

बोलीं- सब कलाकार तैयार हैं

संजय लीला भंसाली के करियर की पहली वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।यह 1 मई, 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई और इसमें कुल 8 एपिसोड थे। की अपार सफलता के बाद इसके सीक्वल का ऐलान पहले ही हो चुका है।अब सीरीज में वहीदाजान का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री संजीदा शेख ने हीरामंडी 2 पर बड़ा अपडेट दिया है, जिसे जानकर प्रशंसक बेहद खुश हो जाएंगे। संजीदा ने बताया कि हीरामंडी का दूसरा सीजन पहले से अधिक और बेहतर होने वाला है।उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हीरामंडी का सीक्वल और बेहतर और बड़ा होगा। मुझे नहीं पता कि हम कब शूटिंग शुरू करेंगे, लेकिन सीरीज के दूसरे भाग के लिए सभी कलाकार तैयार हैं। जब संजय लीला भंसाली सर की बात आती है तो वह में महान हैं।हीरामंडी की कहानी आजादी से पहले लाहौर में स्थित एक वैश्यालय पर आधारित है। इसमें तवायफों के जीवन में प्यार, धोखा, राजनीति को दर्शाया गया है। इसके साथ ही आजादी में उनके योगदान को भी दिखाया गया है।इस सीरीज में मनीषा कोइराला, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, सिन्हा और शरमीन सहगल मुख्य भूमिकाओं में हैं।भंसाली की सीरीज को जरिए फरदीन खान ने 14 साल बाद अभिनय की दुनिया में वापसी की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार और रुमानियत से भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। दोस्त और क़रीबी लोग मदद के लिए आपकी ओर हाथ बढ़ाएंगे। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। थोड़ा–सा मोलभाव और चतुरता काफ़ी फ़ायदा पहुँचा सकती है। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने स्वास्थ्य को नज़रअन्दाज़ न करें आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। नए प्रेम–संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आज इस राशि के कुछ छात्र लेपटॉप या टीवी पर कोई मूवी देखकर अपना कीमती समय जाया कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अपने गुस्से पर काबू रखें और ऑफिस में सबके साथ ढ़ग से व्यवहार करें अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बावत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। लेकिन आज वह दिन है जब आप अगर चाहें तो यह ख़ुद महसूस कर सकते हैं। आज आपकी दृढ़ता और लगन सफलता हासिल करेंगे, क्योंकि आप लक्ष्य भेदने में क़ामयाब रहेंगे। हालाँकि सफलता के नशे को सिर पर न चढ़ने दें और ईमानदारी से कड़ी मेहनत जारी रखें। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा–पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। दिन भर भले ही आप धन को लेकर जूझते रहें लेकिन शाम के वक्त आपको धन लाभ हो सकता है। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना दे। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारस्परिक तौर पर निवेश करें। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। सारी दुनिया की मदहोशी उन ख़ुशनसीबों के बीच सिमट जाती है, जो प्यार में हों। नई चीज़ों को सीखने की आप मे ललक बढ़ेगी । आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। शाम के समय कुछ हँसी–ख़ुशी भरा वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ महत्वपूर्ण घटित होगा, जो आपके और आपके परिवार के लिए प्रसन्नता लेकर आएगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 19 दिसंबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 10:05 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 02:00 तक
योग : वैधृति सायं 06:33 तक
करण : बालव प्रातः 10:05 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 02:00 तक
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 05:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 05:57 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 05:49 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 05:39 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अडाणी–मणिपुर मुद्दे पर कांग्रेस का प्रदर्शन

शहीद स्मारक से राजभवन कूच करने से पुलिस ने रोका

पानी की बौछारें, धक्का–मुक्की

जयपुर,17 दिसंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने आज शहीद स्मारक से राजभवन तक कूच करते हुए केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों, अडाणी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप और मणिपुर में हो रही हिंसा के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को राजभवन की ओर बढ़ने से रोक दिया, बाद पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और धरना स्थल पर धक्का–मुक्की भी हुई। कई कांग्रेस कार्यकर्ता इस संघर्ष के दौरान बेहोश हो गए।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, यह सरकार पेपर लीक मामलों में मगरमच्छ पकड़ने की बात करती है, जबकि इनसे चूहें भी नहीं जाते। इनसे सवाल पूछा जाए तो जवाब नहीं मिलता। उन्होंने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि क्या मणिपुर में हिंसा और अडाणी के भ्रष्टाचार पर कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे?

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी इस मौके पर केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना करते कहा, हम सभी एक हैं और साथ मिलकर लड़ेंगे। हम चार साल बाद राजस्थान में सरकार बनाएंगे। पायलट ने राजस्थान सरकार में खींचतान का मुद्दा उठाते हुए कहा, राजस्थान में कोई नहीं जानता कि

सरकार कौन चला रहा है, दिल्ली से या यहाँ से। धरने में कांग्रेस के कई नेता मौजूद थे, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और अन्य प्रमुख नेता शामिल थे। इस प्रदर्शन ने राज्य की राजनीतिक स्थिति को गरमा दिया है, खासकर जब पार्टी के प्रमुख नेता एकजुट हुए और कांग्रेस के आंतरिक विवादों को लेकर सख्त बयान दिए। कांग्रेस के इस धरने का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताना था, जिसमें अडाणी के खिलाफ अमेरिका की अदालत में लगे आरोप और मणिपुर में बढ़ती हिंसा प्रमुख मुद्दे रहे। कांग्रेस ने इस प्रदर्शन के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुँचाने का प्रयास किया है।

अदाणी, मणिपुर और किसानों के मुद्दों पर

हुड्डा और उदयभान के नेतृत्व में कांग्रेस ने किया राजभवन मार्च

चंडीगढ़,17 दिसंबर (एजेंसियां)।

उद्योगपति गौतम अदाणी के भ्रष्टाचार पर अमेरिका में हुए खुलासे और मणिपुर में जारी हिंसा के मुद्दे को लेकर देशभर की तरह हरियाणा कांग्रेस ने भी जोरदार प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और अध्यक्ष चौधरी उदयभान,पार्टी के सहप्रभारी जितेंद्र बघेल,कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज के नेतृत्व में बड़ी तादाद में कांग्रेस नेता ,विधायक व कार्यकर्ताओं ने राजभवन की तरफ मार्च किया। लेकिन पुलिस ने तानाशाही दिखाते हुए शांतिपूर्ण आगे बढ़ रहे मार्च को रास्ते में ही रोक दिया। लेकिन बैरिकेडिंग पर ही कांग्रेसजनों तमाम मुद्दों को लेकर जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर चौधरी उदयभान ने अदानी के भ्रष्टाचार की जांच और मणिपुर में शांति बहाली की मांग को उठाया। उन्होंने दोनों ही मामलों में बीजेपी सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए व सरकार की कड़े शब्दों में निंदा की। अदानी के मामले में जांच से बच रही है। यहां तक कि उसने संसद में भी इस मामले पर चर्चा नहीं होने दी। इसलिए कांग्रेस सड़कों पर उतरी है।

इस मौके पर पत्रकारों के सवालों

का जवाब देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि कांग्रेस तमाम मुद्दों साथ किसानों की तरफ भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहती है। बीजेपी को आंदोलनरत किसानों के साथ बातचीत कर जल्द कोई समाधान निकालना चाहिए। क्योंकि 22 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत बहुत चिंताजनक हो चुकी है। उनका जीवन सभी के लिए है। इसलिए सरकार को तुरंत उनकी मांगों का समाधान कर अनशन खत्म करवाना चाहिए।

हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक किसानों की मांगों को उठा रही है। किसानों की मांग पूरी तरह जायज और कई साल पुरानी है। खुद बीजेपी ने एमएसपी का वादा करके आंदोलन को खत्म करवाया था। किसानों को दिए गए आश्वासन के मुताबिक आजतक एमएसपी कमेटी का कोई अता–पता नही है। अब किसान सरकार को वही वादा याद दिला रहे हैं। बीजेपी ने एमएसपी देने का वादा करके किसानों की आय डबल करने का एलान किया था। लेकिन वो अपने को भूल गई और किसानों की आय डबल करने की बजाए उसकी लागत को कई गुना बढ़ा दिया।

हुड्डा ने कहा कि अब तक किसानों का पूरा आंदोलन शांतिपूर्ण रहा है। सरकार की बात मानते हुए वो बिना ट्रैक्टर ट्रॉली के दिल्ली जाने को भी राजी हो गए हैं। भी किसानों को दिल्ली जाने से रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक कदम है। प्रजातंत्र में सभी नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से कहीं भी आने–जाने या अपनी बात कहने का अधिकार है।

मेडिकल एजुकेशन और स्वास्थ्य सेवाओं में राजस्थान को बनायेंगे मॉडल स्टेट : गजेन्द्र सिंह

जयपुर,17 दिसंबर (एजेंसियां)।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राजस्थान को मेडिकल एजुकेशन व स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं गुणवत्ता की दृष्टि से मॉडल स्टेट के रूप में करना है। इस दिशा में चिकित्सा शिक्षा विभाग विभिन्न मेडिकल कॉलेज, मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी सहित अन्य परियोजनाओं के कार्यों को टाइमलाइन में पूरा करे।

चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहल पर प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज का संकल्प पूरा करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है, ताकि रोगियों को सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाएं अपने निकटतम स्थान पर उपलब्ध हो सकें। साथ ही, चिकित्सा शिक्षा के लिए प्रदेश में युवाओं को बेहतर उपलब्ध हो सकें।

खींवसर ने कहा कि राजकीय क्षेत्र में निर्माणाधीन प्रदेश की दूसरी मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी के कार्य को गति दी जाए। इससे मेडिकल कॉलेज के संचालन एवं प्रबंधकीय व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। उन्होंने नए मेडिकल कॉलेजों भवन निर्माण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इनका निर्माण समय पर पूर्ण करने के साथ साथ क्वालिटी का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

चिकित्सा मंत्री ने मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सक शिक्षकों के रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए इन को यथा शीघ्र भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भर्तियों को समयबद्ध रूप से पूरा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री स्वयं भर्तियों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। उनके निर्देशानुसार रिक्त पदों को भरने का कार्य मिशन मोड में हो।चिकित्सा मंत्री ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल में निर्माणाधीन आयुष्मान टावर एवं इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज (कार्डियक टॉवर) के निर्माण कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास किया जाए।

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से बुधवार को इंडियन नेशनल लोकदल के नेता अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की मांगो को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा।

बेगस स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान में

गृह रक्षा के नवनियुक्त आरक्षियों का भव्य दीक्षांत समारोह

जयपुर,17 दिसंबर (एजेंसियां)।

बेगस में फतेहपुरा स्थित गृह के केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में नवनियुक्त आरक्षी, आरक्षी ड्रममैन, आरक्षी बिगुलर एवं आरक्षी वाहन चालकों का भव्य दीक्षांत समारोह बुधवार को आयोजित किया गया। समारोह जनजाति क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि खराड़ी ने कहा सरकार वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए गृह रक्षा संगठन के सुदृढ़ीकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। विभाग के 07 कार्यालयों के निर्माण के लिए शीघ्र ही बजट आवंटन का प्रयास किया जा रहा है। विभाग में 04 उप समादेष्टा, 84 प्लाटून कमाण्डर एवं 149 के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शीघ्र ही प्रारम्भ की जा–

20 साल के लंबे अंतराल के बाद हुआ समारोह

वेगी। दो अतिरिक्त सीमा गृह रक्षा बटालियन के गठन के भी प्रयास किये जा रहे है। महानिदेशक एवं महासमादेष्टा राजेश निर्वाण ने इस दौरान कहा कि विभाग में लगभग 20 वर्षों से भी अधिक समय के उपरांत दीक्षांत समारोह आयोजन किया गया है। जिसमें 88 पुरूष एवं 25 महिला आरक्षी, आरक्षी वाहन चालक सम्मिलित हुए है। इनका प्रशिक्षण पुलिस ट्रेनिंग स्कूल अलवर में 16 सप्ताह, केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में 96 दिवस तथा फील्ड ट्रैनिंग के लिए शहरी एवं सीमा गृह रक्षा दल में 1–1 माह के लिए संपन्न है। साथ ही बताया गया कि माह अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 तक स्वयंसेवकों के नियोजन में 1836 की वृद्धि हुई है।कार्यक्रम में पारितोषिक वितरण के दौरान मुख्य अतिथि खराड़ी द्वारा 26 जनवरी 2023 के अवसर पर गृह रक्षा विभाग के उप समादेष्टा श्री रामजीलाल जाट एवं मानद कमाण्डर मोहन सिंह चौहान को महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा प्रदत्त सराहनीय सेवा पदक एवं स्क्रॉल प्रदान की।

सुरजेवाला अंधभक्त होकर एक परिवार की गुलामी कर रहे है : अनिल विज

अंबाला,17 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन श्रम मंत्री अनिल विज ने आज प्रियंका गांधी को मॉडल बताते हुए कहा कि जिस प्रकार मॉडल को कोई भी चीज पकड़ा देते है उसी प्रकार प्रियंका गांधी का ये हाल है। वही, विज ने कहा कि सुरजेवाला अंधभक्त होकर एक परिवार की गुलामी कर रहे हैं। विज आज कर्मियों द्वारा कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी संसद में फिलीस्तीन के समर्थन वाला बैग लेकर पहुंची, जिस पर लिखा था फिलिस्तीन आजाद होगा, इस बैग को लेकर लगातार विवाद हो रहा है, के में बारे पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ये भी कहा कि नई बात नहीं है अक्सर जो मॉडलिंग करते है उनके हाथ में कुछ न कुछ पकड़ा दिया जाता है। मीडिया कर्मियों द्वारा सुरजेवाला कह रहे है कि पिछले 10 साल में हमने देखा कि एक व्यक्ति की पूजा और अंधभक्ति से किस प्रकार संस्थाएं मरती रही, के संबंध में गए सवाल के जवाब में पलटवार करते हुए ऊर्जा मंत्री

अनिल विज ने कहा कि सुरजेवाला और कांग्रेस पिछले 70 साल से एक ही परिवार की गुलाम बनी हुई है। पीएम मोदी ने काम करके दिखाया है और काम की पूजा होनी चाहिए। विज ने कहा कि सुरजेवाला अंधभक्त एक परिवार की गुलामी कर रहे हैं। वन नेशन–वन इलेक्शन को लेकर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि ये सरकार का बहुत बेहतरीन निर्णय है, क्योंकि बार–बार आचारसंहिता लगने की वजह से कामों की रफ्तार रुक जाती है। वहीं, इसे लेकर कांग्रेस ने कहा कि सरकार के पास तिहाई बहुमत नहीं है इस पर पलटवार करते हुए विज ने कहा कि अब ये प्रॉपर्टी हाउस की है और पास हाउस ने करना है कोई इंडिविजुअल इसको लेकर कुछ नहीं कह सकता।सुप्रीम कोर्ट में आज शंभू बॉर्डर को लेकर सुनवाई है, दूसरी तरफ किसान पंजाब में रेल रहे है, के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए विज ने कहा कि ''माननीय सुप्रीम कोर्ट इस पर गौर कर रहा है, देखते है इस पर क्या फैसला होता है''।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने 7 कमेटियों में नामित किए 16 विशेष आमंत्रित सदस्य

चंडीगढ़,17 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के अंतर्गत वर्ष 2024–25 की शेष अवधि के लिए गठित विधानसभा की 7 समितियों में 16 विशेष आमंत्रित सदस्यों को शामिल किया है। वहीं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति में विधायक कंवर सिंह सदस्य नामित किया है। ये कमेटियां 31 मार्च 2025 तक कार्य करेंगी।

विधायक जस्सी पेटवाड़ और चन्द्र प्रकाश को याचिका समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया गया है। स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं संबंधी समिति में भरत सिंह बैनीवाल, बलवान सिंह दौलतपुरिया, शकुंतला खटक को विशेष आमंत्रित नामित किया गया है। सरकारी आश्वासन समिति में बिमला चौधरी, इन्दु राज और विनेश को विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया गया है।

शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं संबंधी समिति में ओम प्रकाश यादव, शैली चौधरी और बलराम दांगी को विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया जन स्वास्थ्य, सिंचाई, बिजली तथा लोक निर्माण (भवनों और सड़कों) पर विषय समिति में अशोक कुमार अरोड़ा, घनश्याम दास, मुकेश शर्मा को विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया गया है। इसी प्रकार अधीनस्थ विधान समिति में सेवा करने के लिए घनश्याम सर्राफ, देवेन्द्र कादियान को विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की सूचना पर

उत्तरप्रदेश में पकड़ी गई एक करोड़ की अवैध अंग्रेजी शराब

जयपुर,17 दिसंबर (एजेंसियां)।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम की सूचना पर यूपी एसटीएफ की टीम ने मैनपुरी जिले के बिछवा थाना इलाके में एक ट्रक को रुकवा कर करीब एक करोड़ कीमत की अवैध अंग्रेजी शराब की 800 पेटियां जब्त की है। उक्त अवैध अंग्रेजी शराब पंजाब से बिहार सप्लाई की जानी थी। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एम एन ने बताया कि एजीटीएफ की टीम लगातार अवैध पदार्थ, हथियार एवं शराब के तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है। गौरतलब है कि साल 2016 से बिहार राज्य में शराब की बिक्री व सेवन पूर्णतया प्रतिबंधित है। एजीटीएफ को सूचना मिल रही थी कि पंजाब से अवैध तरीके से शराब बिहार तस्करी की जा रही है।

एडीजी ने बताया कि इस पर उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन एवं उप निरीक्षक सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में एएसआई शंकरदयाल, हैड कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह, सुरेश कुमार, कमल सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार व चालक सुरेश कुमार की टीम को आसूचना संकलन के रवाना किया गया था। आसूचना संकलन के दौरान टीम के सदस्य हैड कांस्टेबल कमल सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि एक 10 चक्का बंद बॉडी ट्रक पंजाब से शराब भरकर बिहार मे सप्लाई के लिए जा रहा है। इस सूचना पर टीम के सदस्यों ने पंजाब से बिहार वाले रास्तों की निगरानी शुरू की, जिसमे पता चला कि उक्त ट्रक राजस्थान की सीमा से बाहर ही बिहार को चला जायेगा। इस पर टीम ने तुरंत मैनपुरी उत्तरप्रदेश जिले की एसटीएफ को सूचना दी। टीम की सूचना पर यूपी एसटीएफ ने बीछवा थाना क्षेत्र में ट्रक को रुकवाया जिसमे 800 कार्टन अंग्रेजी शराब के मिले।

रिटायर्ड जजों को महज 10 से 15 हजार पेंशन!

सुप्रीम कोर्ट ने कहा स्थिति बेहद दयनीय

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जजों की पेंशन को लेकर गहरी निराशा जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को महज 10 से 15 हजार रुपए पेंशन मिल रही है। यह बेहद दयनीय स्थिति है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि हर मामले में कानूनी दृष्टिकोण अपनाना ठीक नहीं है। कुछ मामलों में मानवीय दृष्टिकोण भी अपनाया जाए। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की पेंशन से जुड़े मुद्दे वाली याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। इस दौरान सरकार की ओर पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने पीठ से अनुरोध किया कि मामले की सुनवाई जनवरी में की जाए। सरकार इस मुद्दे को सुलझाने का प्रयास करेगी। इस पर पीठ ने कहा कि बेहतर होगा कि आप सरकार को समझाएं कि हमारे हस्तक्षेप से बचा जाना चाहिए। इस मामले पर अलग-अलग मामलों के आधार पर फैसला नहीं किया जाएगा और शीर्ष अदालत जो भी फैसला सुनाएगी, वह सभी उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर लागू होगा। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई आठ जनवरी को सूचीबद्ध की। हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जजों की पेंशन का मुद्दा पहले भी सुप्रीम कोर्ट में उठ चुका है। पिछले महीने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई थी कि उच्च न्यायालय के कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को छह हजार रुपए से लेकर 15,000 रुपए तक की मामूली पेंशन मिल रही है। शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के एक सेवानिवृत्त जज की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

याचिकाकर्ता हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज ने याचिका में कहा था कि वे हाईकोर्ट से सेवानिवृत्त हुए हैं और उनको महज 15 हजार रुपए पेंशन मिल रही है। जिला अदालत में 13 साल तक न्यायिक अधिकारी के रूप में सेवा देने के बाद वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत हुए थे। उन्होंने दावा किया था कि अधिकारियों ने पेंशन की गणना करते समय उनकी न्यायिक सेवा पर विचार ही नहीं किया। इस पर पीठ ने कहा था कि हमारे सामने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं, जिन्हें 6,000 रुपए और 15,000 रुपए पेंशन मिल रही है, तो यह चौंकाने वाला है। ऐसा कैसे हो सकता है?

मार्च में एक अलग याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा था कि उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के पेंशन लाभों की गणना में इस आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता कि वे बार या जिला न्यायपालिका से पदोन्नत हुए हैं। जिला न्यायपालिका से पदोन्नत हुए सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश के पेंशन लाभों की गणना उनके अंतिम वेतन के आधार पर की जानी चाहिए।

हिंदू श्रद्धालुओं पर ममता सरकार की मेहरबानी!

गंगा सागर के लिए 1500 करोड़ की लागत से बनेगा पुल

कोलकाता, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि सरकार गंगासागर में पांच किलोमीटर लंबा पुल बनाएगी, ताकि तीर्थ क्षेत्र को दूसरी छोर से जोड़ा जा सके। चार लेन वाले पुल के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। इस पर अनुमानित खर्च 1500 करोड़ रुपए आएगा। इसकी निविदा जारी कर दी गई है। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी काफी गंभीर हैं।

इस बार मेले में करीब 15 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे। उन्होंने सुरक्षा को चाक-चौबंद रखने के लिए इस दौरान ड्रोन और जीपीएस सिस्टम से सुरक्षा की निगरानी के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने केंद्र सरकार से बार-बार पुल के लिए कहा, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इसलिए, हमने इसे खुद बनाने का फैसला किया है। अपेक्षित सर्वेक्षण किया गया और परियोजना के लिए डीपीआर तथा निविदा पूरी हो गई। इसे बनाने में चार साल और लग सकते हैं। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद सुंदरबन पुलिस ने इस बार मेले में करीब पंद्रह हजार पुलिसकर्मियों को तैनात करने का निर्णय लिया है। महिलाओं की सुरक्षा का विशेष प्रबंध किया जाएगा।

नदी मार्ग पर स्पीडबोट और लंच से सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन भी लगाए जाएंगे। सादा कपड़े में पुलिस भी तैनात रहेगी। एक क्विक रिस्पांस टीम। ट्रैफिक प्रबंधन के लिए अलग से एक टीम होगी। बम निपटान स्क्वॉड भी रहेगा। इसके अलावा, निगरानी बढ़ाने के लिए ममता बनर्जी ने राज्य के ड्रोन का उपयोग करने की सलाह भी दी है।

जानकारी के मुताबिक इसके अलावा, कोस्ट गार्ड और बीएसएफ को राज्य प्रशासन की ओर से सतर्क किया गया है। मेला के दौरान कोस्ट गार्ड की ओर से जलमार्ग पर छोटे जहाजों, हवाई क्राफ्ट और होवरक्राफ्ट के जरिए निगरानी की जाएगी। इसके अलावा, मेले के दौरान गंगासागर पर हेलीकॉप्टर, एयरक्राफ्ट और ड्रोन से कोस्ट गार्ड की निगरानी की योजना है। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए 10 जनवरी से 15 जनवरी तक मछुआरों को मछली पकड़ने से प्रतिबंधित किया गया है। मेला प्रांगण में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीम भी तैनात की जा रही है। उल्लेखनीय है कि आठ जनवरी, 2025 से पवित्र गंगासागर मेला शुरू हो जाएगा। इस बार गंगासागर मेले में सुरक्षा के लिए इसरो की तकनीकी मदद भी ली जाएगी। इसरो की मदद से उपग्रह और जीपीएस ट्रैकिंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा आईबी को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

900 करोड़ की स्मार्ट सिटी परियोजना की खुली पोल

अब आयुक्त कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने धंसी सड़क

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर तिरहुत प्रमंडल मुख्यालय में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। आयुक्त कार्यालय के गेट पर मुख्य सड़क धंसने की घटना ने न केवल अधिकारियों की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाया है, बल्कि स्मार्ट सिटी के बहुप्रचारित प्रोजेक्ट की खामियों को भी उजागर कर दिया है। इस एक वर्ष में आधा दर्जन बार सड़कों के धंसने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे स्थानीय लोग परेशान और आक्रोशित हैं।

सोमवार सुबह आयुक्त कार्यालय के मुख्य द्वार के ठीक सामने सड़क अचानक धंस गई। यह घटना उस जगह हुई, जहां लगभग छह महीने पहले भी सड़क धंसी थी। उस समय नगर निगम का एक ट्रक उसमें फंस गया था। मरम्मत के बाद अधिकारियों ने दावा किया था कि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। लेकिन एक बार फिर सड़क धंसने की घटना ने इन दावों की पोल खोल दी है।

घटनास्थल की तस्वीरें और हालात साफ दिखा रहे हैं कि सड़क के नीचे का नाला बेहद कमजोर है। नाले के स्लैब में लोहे का सरिया तक नहीं डाला गया, जिससे उसकी मजबूती संदिग्ध हो गई। नाले के अंदर का पानी रिसता हुआ नजर आ रहा है, जो सड़क धंसने की मुख्य वजह मानी जा रही है। मुजफ्फरपुर में 900 करोड़ रुपये की स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत कई सड़क और सीवरेज निर्माण कार्य चल रहे हैं। लेकिन बार-बार सड़क धंसने और मैनहोल ढक्कन टूटने जैसी घटनाओं ने इसकी गुणवत्ता को कठघरे में खड़ा कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, सरैयागंज टावर से सिकंदरपुर और धर्मशाला चौक से इस्लामपुर तक बनाई गई सड़कों में कई जगह गड्ढे हो चुके हैं। वहीं, सीवरेज निर्माण के दौरान हुए हादसों में अब तक चार मजदूरों की जान जा चुकी है।

स्मार्ट सिटी परियोजना के कार्यों से स्थानीय नागरिक और व्यापारी बेहद नाराज हैं। कपड़ा दुकानदार राहुल कुमार ने कहा कि सरैयागंज टावर क्षेत्र में सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। इससे बार-बार ई-रिक्शा और ठेले पलट जाते हैं। स्थानीय संजीव कुमार ने बताया कि अधिकारियों के कार्यालय के पास ऐसी स्थिति है, तो अन्य जगहों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। नगर निगम और स्मार्ट सिटी परियोजना के अधिकारी बार-बार मरम्मत कार्य कराते हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता इतनी खराब है कि सड़कें कुछ महीनों में ही धंस जाती हैं।

बदलते अंतरराष्ट्रीय संबंधों का संकेत

उत्तर कोरिया में फिर से खुला भारतीय दूतावास

प्योंगयांग/नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने उत्तर कोरिया में फिर से दूतावास खोलने का निर्णय लिया है। यह बदलते अंतरराष्ट्रीय संबंधों का संकेत भी है और बदलते समय की मांग भी है। वर्ष 2021 में भारत ने उत्तर कोरिया में अपना दूतावास बंद कर दिया था। भारत की सरकार का फोकस एक्ट ईस्ट नीति है और इस नीति के तहत भारत की सरकार चुपचाप दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। इस नीति के साथ ही कोरियाई प्रायद्वीप में भी भारत की नजर है। दक्षिण कोरिया के साथ भारत के संबंध अच्छे रहे हैं, लेकिन उत्तर कोरिया के साथ भारत के संबंध थोड़े ढके-छिपे ही रहे हैं। बीते कई वर्षों से उत्तर कोरिया में भारत का दूतावास भी बंद पड़ा था, लेकिन अब ऐसा लगता है कि भारत की कूटनीति में बड़ा बदलाव आया है और भारत ने प्योंगयांग के साथ अपने रिश्तों को मजबूती देने की कोशिश शुरू कर दी है।

जुलाई 2021 में भारत ने उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में अपना दूतावास बंद कर दिया था और अपने राजदूत समेत पूरे स्टाफ को वापस दिल्ली बुला लिया था। इसकी वजह भारत ने कोरोना महामारी को बताया था। हालांकि कोरोना महामारी के बाद भी प्योंगयांग में भारत ने अपना राजदूत नहीं भेजा। अब अचानक इस महीने की शुरुआत में भारत ने उत्तर कोरिया में अपने दूतावास का कामकाज फिर से शुरू करने का फैसला किया है। फिलहाल एक तकनीकी और राजनयिक कर्मचारियों की एक टीम को उत्तर कोरिया भेजा गया है। भारतीय दूतावास करीब साढ़े तीन साल से बंद है। उत्तर कोरिया की सरकार जासूसी के लिए बदनाम भी है, ऐसे में पहले तकनीकी टीम दूतावास की जांच कर रही है। हालांकि अभी किसी राजदूत की नियुक्ति में थोड़ा समय लग सकता है।

पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता के घर दिनदहाड़े लूटपाट

बच्ची को बंधक बनाकर लूटे लाखों रुपये

पटना (एजेंसियां)।

पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता अरविंद उज्ज्वल के घर पर दिनदहाड़े डकैती हुई है। बदमाशों में अधिवक्ता की बेटी को बंधक बनाकर लूटपाट किया है। घटना राजधानी पटना के पुनाईचक इलाके की है। दिनदहाड़े इस तरह की घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपसा के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने घर से कैश, जेवर, जमीन के कागजात समेत कई सामान लूटकर फरार हो गए।

इधर, घटना के बाद अधिवक्ता अरिवंद उज्ज्वल की पुत्री ने बताया कि दो आदमी आए थे। दोनों के मुंह पर मास्क लगे हुए थे। गेट खटखटाने के साथ ही कहा कि मुझे आपके पिताजी ने फाइल लेने के लिए भेजा है। मेरे गेट खोला। गेट खुलते ही दोनों अंदर घुस गए। इसके बाद एक बदमाश ने मुझे बंधक बना दिया और दूसरे ने लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने घर के सारे कीमती सामान लूट लिए।

वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि दिनदहाड़े इस तरह की घटना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करती है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से और बदमाशों की गिरफ्तारी करे। वहीं पुलिस का कहना है कि लूट की बात सामने आ रही है। मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भीषण हादसे में तीन भाइयों की मौत

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया में भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक सवार तीन चचेरे भाइयों की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब तीनों भाई एक ही बाइक पर सवार होकर बहन से मिलकर पूर्णिया लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी बाइक ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद पुलिस ने तीनों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया। घटना कटिहार जिले के रौटारा थाना के गोविंदपुर में हुई है। मरने वालों की पहचान पूर्णिया सदर थाना जोका जलमरैय निवासी मो सुल्तान के पुत्र दिलदार आलम, मोजीबुर रहमान के पुत्र असफिर और मो जाकिर के पुत्र दिलवर के रूप में की गई है।

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि एक बाइक पर सवार होकर तीनों भाई अपनी बहन के घर सोमवार की सुबह महमूद चौक आया हुआ था और तीनों सोमवार के शाम अपने घर वापस लौट रहे थे तभी रौतारा टोल प्लाजा से पहले गोविंदपुर चौक के निकट तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आ गए जिससे तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मामले में मारने वालों की बहन मुस्तरी खातून और उसके पिता मुजीब ने बताया कि तीनों चचेरे भाई एक साथ पढ़ाई करते थे। मृतक में अस्फिर दसवीं का छात्र था, महदूर नौवीं का छात्र था और दिलबर भी नौवीं का ही छात्र था। तीनों रिश्ते में चचेरे भाई भी थे और तीनों मिलकर एक ही बाइक से अपनी बहन के यहां घूमने आया हुआ था और वापस अपने घर पूर्णिया लौट रहे था। इसी दौरान यह घटना हुई है। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई है।

अलाव से लगी आग में मां-बेटी की झुलसकर मौत, पिता की हालत गंभीर

बेतिया (एजेंसियां)।

पश्चिम चंपारण जिले बेतिया में अचानक आग लगने की घटना में मां और बेटी की झुलसकर मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना गोपालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डकही गांव की है। इस हादसे में परिवार ने न केवल दो जिंदगियां खो दीं, बल्कि लाखों की संपत्ति का नुकसान भी हुआ है। घटना के बाद गांव में मातम छा गया है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार देर रात की है। दरअसल, डकही गांव निवासी बद्री राम अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। ठंड से बचने के लिए मवेशियों के पास जलाए गए अलाव से आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार को संभलने का मौका ही नहीं मिला। बद्री राम की पत्नी सुगांती देवी (38) और बेटी खुशबू कुमारी (15) आग की चपेट में आ गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि परिवार को बचाने की कोशिश में बद्री राम भी गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें तुरंत गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल (त्रवउक) के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद परिवार और गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। बद्री राम के बड़े भाई संजय राम ने बताया कि बद्री खेती और पंचायत में स्वच्छाग्रही के तौर पर काम करते हैं। मृतक सुगांती देवी और खुशबू कुमारी के अलावा बद्री राम के दो बेटे भी हैं। हादसे ने पूरे परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है।

उन्होंने बताया कि आग लगने की घटना में घर और सामान जलकर राख हो गए। अनुमान है कि परिवार को करीब पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। आग ने परिवार के आर्थिक आधार को भी हिला दिया है।

घटना की सूचना मिलने पर गोपालपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। गोपालपुर थानाध्यक्ष राजन कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह मवेशियों के लिए जलाए गए अलाव को माना जा रहा है।

घटना के बाद गांव में लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com